राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN

वार्षिक प्रतिवेदन और वार्षिक लेखा 2016-2017

वार्षिक प्रतिवेदन
और
वार्षिक लेखा
2016-2017

राष्ट्रीय बाल भवन
कोटला रोड़, नई दिल्ली-110002

भाग क

वार्षिक प्रतिवेदन
2016-17

राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN

अगर हम इस दुनिया में असली शान्ति पहुंचाना चाहते हैं,
तो हमें बच्चों को शिक्षा देना शुरू करना चाहिए।

– महात्मा गांधी

अनुक्रमणिका

भाग क – वार्षिक प्रतिवेदन

अध्यक्ष की कलम से — *v*

निदेशक की कलम से — *vii*

राष्ट्रीय बाल भवन प्रबंधन बोर्ड के सदस्यों की सूची 31.03.2017 तक — *viii*

1. परिचय — 1
2. हमारा मिशन, हमारा दृष्टिकोण — 2
3. उद्देश्य — 3
4. राष्ट्रीय बाल भवन की संगठनात्मक तालिका — 4
5. सदस्यता संख्या 2016–17 — 5
6. गतिविधियाँ – एक नज़र में — 7
7. राष्ट्रीय बाल संग्रहालय — 18
8. राष्ट्रीय प्रशिक्षण संसाधन केन्द्र — 19
9. हमारे कार्यक्रम — 20
10. विशेष उपलब्धियाँ — 28
11. रिपोर्ट — 36
12. राजभाषा कार्यान्वयन — 52
13. जवाहर बाल भवन, माण्डी — 54
14. दिल्ली में बाल भवन केन्द्रों की सूची — 57
15. संबद्ध राज्यों से प्राप्त रिपोर्टें — 60
16. भारत में संबद्ध बाल भवनों एवं बाल भवन केन्द्रों की सूची — 62
17. 31.03.2017 तक राष्ट्रीय बाल भवन के कार्मिकों की सूची — 74

भाग ख – वार्षिक लेखा

I.	**लेखा परीक्षक की रिपोर्ट**	81
II.	**राष्ट्रीय बाल भवन तुलन पत्र**	
	1. तुलनपत्र	82
	2. आय तथा व्यय खाता	83
	3. प्राप्ति तथा अदायगी खाता	84
III.	**अनुसूचियाँ**	
	4. अनुसूची-1 – पूंजीगत निधि	85
	5. अनुसूची-2 – निर्धारित/निश्चित/एंडोमेंट निधि	86
	6. अनुसूची-3 – वर्तमान देयताएं एवं उपबन्ध	87
	7. अनुसूची-4 – अचल परिसंपत्तियां (मूर्त परिसंपत्तियां)	88
	8. अनुसूची-4 क – अचल परिसंपत्तियां (अमूर्त परिसंपत्तियां)	88
	9. अनुसूची-5 – निश्चित/एंडोमेंट निधियों से निवेश	89
	10. अनुसूची-6 – निवेश अन्य	89
	11. अनुसूची-7 – वर्तमान परिसंपत्तिया	90
	12. अनुसूची-8 – ऋण, अग्रिम एवं जमा	91
	13. अनुसूची-9 – शैक्षिक प्राप्तियां	92
	14. अनुसूची-10 – अनुदान एवं सब्सिडी (प्राप्त अप्रतिसंहरणीय अनुदान)	93
	15. अनुसूची-11 – निवेश से आय	94
	16. अनुसूची-12 – अर्जित ब्याज	94
	17. अनुसूची-13 – अन्य आय	95
	18. अनुसूची-14 – गत अवधि की आय	96
	19. अनुसूची-15 – कर्मचारी वेतन एवं हितलाभ (स्थापना व्यय)	97
	20. अनुसूची-15 क – कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति एवं सेवावसान लाभ	98
	21. अनुसूची-16 – शैक्षिक व्यय	99
	22. अनुसूची-17 – प्रशासनिक तथा सामान्य व्यय	100
	23. अनुसूची-18 – परिवहन व्यय	101
	24. अनुसूची-19 – मरम्मत एवं अनुरक्षण	102
	25. अनुसूची-20 – वित्त लागत	103
	26. अनुसूची-21 – अन्य व्यय	103
	27. अनुसूची-22 – गत अवधि के व्यय	104
IV.	**भविष्य निधि – जी.पी.एफ./सी.पी.एफ.**	
	28. तुलनपत्र	105
	29. आय एवं व्यय खाता	106
	30. प्राप्ति एवं अदायगी खाता	107
V.	**नई पेंशन योजना**	
	31. तुलनपत्र	108
	32. आय एवं व्यय खाता	109
	33. प्राप्ति एवं अदायगी खाता	110
VI.	**आन्तरिक प्राप्ति खाता**	
	34. तुलनपत्र	111
	35. आय एवं व्यय खाता	112
	36. प्राप्ति एवं अदायगी खाता	113
VII.	**लेखकरण नीतियाँ एवं लेखा नोट्स**	
	37. अनुसूची-23 – महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ	115
	38. अनुसूची-24 – लेखा नोट्स	117

भाग ग – लेखा रिपोर्ट

VIII.	**नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्ट**	121
IX.	**लेखा परीक्षा रिपोर्ट का अनुलग्नक**	126

अध्यक्ष की कलम से

पिछले वर्ष शुरू की गई पहल के अनुरूप, इस वर्ष भी हमने अपने कार्यक्रमों को नवोन्मेषी बनाया है और हमने सम्बद्ध विषयों और बड़े स्वप्न देखने और कड़ा परिश्रम करने की संकल्पना को जारी रखा है। हमारा उद्देश्य पद्म विभूषण श्री जतिन दास के कथनानुसार बाल भवन में वर्ष पर्यन्त गतिविधियों में भाग लेने वाले बच्चों को प्रोत्साहित कर उनका मार्गदर्शन करना रहा है। ग्रीष्मोत्सव के दौरान विशेषज्ञों के सहयोग से अनेक अद्वितीय, दिलचस्प तथा नवोन्मेषी कार्यशालाएँ जैसे कि रेडियो जॉकिंग, व्यक्तित्व विकास तथा सम्प्रेषण दक्षता, सृजनात्मक लेखन व स्टोरी टैलिंग, जीवन कौशल पद्धति, टेराकोटा कला, पेपर मैशी, याददाश्त एवं एकाग्रता बढ़ाना, उपहार की पैकिंग, छाऊ नृत्य कार्यशाला, राजस्थानी लोक संगीत कार्यशाला, डिजिटल आर्ट इत्यादि आयोजित की गई। लर्निंग लिंक द्वारा बच्चों के लिए विशेष "इन्टरनेट सुरक्षा साईबर कार्निवाल" का आयोजन किया गया। "पर्यावरण दिवस" का पूरे उत्साह के साथ आयोजन किया गया। भारतीय बाल चित्र समिति के सहयोग से बाल फिल्मोत्सव का भी आयोजन किया गया। ग्रीष्म उत्सव में भाग लेने वाले सदस्य बच्चों को प्रत्येक दिन बस की सुविधा एवं अल्पाहार प्रदान किया गया ताकि अधिकाधिक बच्चे ग्रीष्मोत्सव में भाग ले सकें। तदुपरान्त, वार्षिक राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर के दौरान राज्यों से आए प्रतिभागियों के सदस्य बच्चों के लिए शिविर में सीखने व आमोद-प्रमोद के अनुभव लेने के सदृश आयोजित सभी कार्यक्रम इस वर्ष का अद्वितीय थीम "दोस्ती, सच्चाई और स्नेह" के अनुरूप रहे। यह थीम हमारे माननीय प्रधानमंत्री की सोच के अनुरूप थी और इस थीम के अनुसार अद्वितीय गतिविधियाँ बुनी गई, जैसे कि अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पारंपरिक कलाकार श्री रहमत खां लंगा द्वारा राजस्थानी लोकगीत, प्रशिक्षकों द्वारा हस्तशिल्प, काष्ठ शिल्प, पर्यावरण, बुनाई, जिल्दसाजी, चित्रकारी, मिट्टी का काम, खादी का महत्व, कहानी सुनाना, सृजनात्मक लेखन, मिली-जुली गतिविधियाँ उल्लेखनीय हैं। राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर के दौरान अनेक कार्यशालाएँ आयोजित की गई जैसे जंगलों से दोस्ती, आओ चित्र बनायें, कहानियों का गुच्छा, मेरा अखबार, आओ सुनो कहानी आदि, जिन्हें बच्चों द्वारा वर्ष की सर्वाधिक प्रशंसनीय गतिविधि के रूप में सराहा गया। कार्यक्रम में अनेक नूतन प्रयोगों का समावेश किया गया। हमने अपने परिसर को बच्चों के लिए सरल पहुँच वाला बनाने के दृष्टिगत एवं उनकी अधिक सहभागिता हेतु प्रयास किए हैं, जिससे हमारे लक्ष्यों की सुस्पष्टता परिलक्षित होती है। गत दो वर्षों में परिसर का सौंदर्यकरण भी हमारा महत्त्वपूर्ण कदम रहा है।

अन्त में, मैं समूचे बाल भवन परिवार को धन्यवाद देना चाहूँगी, जो अपनी लगन और वचनबद्धता से हमारे दृष्टिकोण को प्रत्येक दिन उन्नति के सोपानों पर अग्रसर करने में निरंतर रूप से प्रयासरत हैं और इस आदोन्लन में अपना सम्पूर्ण जीवन लगाने के उपरान्त इस वर्ष भी हमारे अनेक स्टाफ सदस्य सेवानिवृत्त हो रहे हैं। मैं इनका शुक्रिया अदा करती हूँ और उनके जीवन में खुशहाली व समृद्धि की कामना भी। मैं इस परिवार में अपने वाले नये सदस्यों

का भी स्वागत करती हूँ, जो हमारी शक्ति एवं उत्साह में वृद्धि करेंगे। मैं सम्पूर्ण बाल भवन आन्दोलन, स्टाफ, देशभर में बाल भवन केन्द्रों में सभी बाल भवन सदस्यों को उनके सतत कड़े परिश्रम एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय को वर्ष पर्यन्त उनके सतत सहयोग एवं प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद देती हूँ। मैं बाल भवन आन्दोलन के लिए विपुल सम्भावनाओं के साथ-साथ और अद्भुत नए वर्ष के लिए उत्सुकतापूर्वक प्रतीक्षारत हूँ। हमें एक लम्बी दूरी तय करनी है और स्वामी विवेकानन्द के शब्दों में – "उठो, जागो और जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए, रूको मत।"

जय हिन्द।

Shalu Jindal

शालू जिन्दल
अध्यक्ष

निदेशक की कलम से

राष्ट्रीय बाल भवन सृजनात्मकता एवं आमोद-प्रमोद से परिपूर्ण एक केन्द्रीय स्थान है। राष्ट्रीय बाल भवन की वर्ष-पर्यन्त गतिविधियों के कैलेण्डर में अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता, सृजनात्मकता एवं अनुप्रयोगों पर आधारित गतिविधियाँ शामिल हैं। इस वार्षिक प्रतिवेदन के रूप में वर्ष 2016-2017 की उपलब्धियों का सारांश आपके समक्ष रखते हुए मैं गौरवान्वित महसूस कर रही हूँ।

राष्ट्रीय बाल भवन में 22 अप्रैल, 2016 को आयोजित पृथ्वी दिवस का वित्तपोषण "टेट्रापैक" द्वारा किया गया। 4 और 5 मई, 2016 को बाल श्री के चयनित राज्य स्तरीय सहभागियों हेतु राष्ट्रीय शिविर का आयोजन हुआ। 17 मई से 22 जून, 2016 तक ग्रीष्मकालीन सत्र का आयोजन हुआ। इस वर्ष ग्रीष्मकालीन सत्र में कुल 5958 बच्चों का पंजीकरण हुआ, जिसमें प्रत्येक दिन लगभग 3000 बच्चों ने भाग लिया। 4 जून, 2016 को पर्यावरण दिवस के कार्यक्रम के अवसर पर विशेषज्ञों ने यहां आकर रिसाइक्लिंग व वर्मी कम्पोस्ट खाद गतिविधि तथा पक्षियों के दीर्घ जीवन के लिए "पृथ्वी से समाधान की खोज" के महत्त्व पर प्रकाश डाला।

गत वर्ष "आज़ादी पखवाड़ा" एवं "स्वच्छता पखवाड़ा" का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम "आज़ादी - 70 : याद करो कुर्बानी" थीम पर देश भक्ति गीतों एवं भाव से परिपूर्ण था। "आजादी पखवाड़ा एवं स्वच्छता पखवाड़ा" राष्ट्रीय बाल भवन के साथ-साथ जवाहर बाल भवन, माण्डी और देशभर में राष्ट्रीय बाल भवन के सम्बद्ध बाल भवनों एवं बाल केन्द्रों में भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर सदस्य बच्चों, सदस्य स्कूली बच्चों एवं स्टाफ गण के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित कराई गईं। "हिन्दी पखवाड़ा" राष्ट्रीय बाल भवन का नियमित कार्यक्रम है।

14 से 16 नवम्बर, 2016 तक आयोजित "राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर" की थीम "दोस्ती, सच्चाई और स्नेह" थी। इस कार्यक्रम में देशभर से 300 सदस्य बच्चों तथा 80 अनुरक्षकों ने भाग लिया। राष्ट्रीय बाल भवन में बच्चों एवं उनके सम्पूर्ण विकास के विभिन्न पहलू ही हमारा केन्द्र बिन्दु हैं और जनसंख्या के इस घटक को संवेदनशील बनाना हमारा उद्देश्य है, जिनके सुकुमार कंधों पर राष्ट्र का भविष्य निर्भर है। हमारा दृष्टिकोण हमारा मिशन है।

अनामिका सिंह

निदेशक

राष्ट्रीय बाल भवन प्रबंधन बोर्ड के सदस्यों की सूची 31.03.2017 तक

1. श्रीमती शालू जिन्दल, अध्यक्ष
   कोटला रोड, नई दिल्ली–110002
   दूरभाष : 23222175
   ई–मेल : shallu@jindalsteel.com

2. डॉ0 इन्दुमती राव, उपाध्यक्ष
   गृह संख्या 134, प्रथम ब्लाक, 6 मेन
   बी.एस.के.–III स्टेज, बैंगलोर – 560085
   ई–मेल : ideasianetwork2013@gmail.com

3. प्रो0 आर0 गोविन्दा
   डी–504, प्रकृति अपार्टमेंटस
   सैक्टर–6, द्वारका, नई दिल्ली
   ई–मेल : aargovinda@gmail.com

4. श्री हरीश कुमार, निदेशक
   कमरा नं0 526, सी–विंग
   मानव संसाधान विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन
   नई दिल्ली, दूरभाष – 011–23385744
   ई–मेल : harishkumar.edu@nic.in

5. श्री अनिल काकरिया, उपसचिव (वित्त)
   स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग
   आन्तरिक वित्त विभाग
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली, दूरभाष : 23381877
   ई–मेल : kakria_anil@yahoo.co.in

6. श्रीमती लता वैद्यनाथन, बोर्ड सदस्य
   1601, टावर–5, साउथ अपार्टमेन्टस के पास
   निरवाना काउन्ट्री, गुडगांव, दूरभाष : 9818040735
   ई–मेल : latavaidyanathan@hotmail.com

7. डॉ0 सायरा वर्गीश, बोर्ड सदस्य
   सी–86, डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली
   दूरभाष : 9810526656
   ई–मेल : sairageorge@hotmail.com

8. श्री संतोष अमोनकर, निदेशक
   बाल भवन गोवा, परेड ग्राउंड के सामने
   कम्पल, पणजी, गोवा
   दूरभाष : 0996032274, 0832–2226823
   09823629718
   ई–मेल : goabalbhavan@yahoo.in

9. श्रीमती अनामिका सिंह
   निदेशक (सदस्य सचिव)
   राष्ट्रीय बाल भवन, कोटला रोड
   नई दिल्ली–110002
   दूरभाष : 011–23239141, 9013070924
   ई–मेल : nbb.director@gmail.com

परिचय

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अन्तर्गत राष्ट्रीय बाल भवन एक स्वायत्त शासी संस्था है। इस स्वायत्त शासी संस्था की स्थापना दिल्ली में 1956 में हुई थी। बच्चों में शिक्षा और सृजनात्मक क्षमता बढ़ाने हेतु यह एक अपने आप में शीर्षस्थ केन्द्र है। बाल भवन सम्पूर्ण देश में एक आन्दोलन के रूप में फैला हुआ है और इस समय राष्ट्रीय बाल भवन से मान्यता प्राप्त 134 बाल भवन तथा बाल केन्द्र कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त दिल्ली में 48 बाल भवन केन्द्र कार्यरत हैं, साथ-साथ दिल्ली के मांडी गांव में भी एक ग्रामीण जवाहर बाल भवन है। ये सभी संस्थायें बच्चों के लिए विविध गतिविधियों का संचालन करती हैं, जो उन्हें अन्यथा उपलब्ध नही हैं। बाल भवन के कार्यकलापों द्वारा बच्चों की आंतरिक क्षमता को उभारने का प्रयास किया जाता है।

इस संस्था का उद्देश्य बच्चों को विविध गतिविधियों, अवसर, विचार-विमर्श, अनुभव, सृजन द्वारा तथा उनकी आयु, दक्षता एवं सामर्थ्य के अनुसार एक सांझे मंच पर कार्य करके सृजनात्मक क्षमता विकास करना है। बाल भवन बच्चों को सम्पूर्ण सृजन की स्वतंत्रता प्रदान करने के साथ-साथ खेल-खेल की पद्धति से भी सीखने का अवसर प्रदान करता है तथा नृत्य, नाटक, संगीत, सृजनात्मक कला, छायांकन, कम्प्यूटर आदि के माध्यम से उनकी सृजनात्मक क्षमता का विकास करता है। राष्ट्रीय बाल भवन, सभी गतिविधियों के लिए एक केन्द्र स्थल बन बच्चों को एकत्रित करके उनके चहुंमुखी व्यक्तित्व विकास हेतु तनाव मुक्त वातावरण भी उपलब्ध कराता है।

प्रत्येक वर्ष कई हज़ारों बच्चे बाल भवन से जुड़ते हैं। सन् 1956 में मात्र 300 बच्चों की सदस्यता के साथ शुरू हुआ यह आन्दोलन अब लाखों बच्चों का सागर बन चुका है और बच्चे विविध अनुभवों का लाभ उठा रहे हैं। दूर-दराज़ इलाकों के बच्चों तक पहुंचने के लिए दिल्ली राज्य के कई क्षेत्रों में 48 बाल केन्द्रों की स्थापना की गई है। ये सभी प्रकार की पृष्ठ भूमि एवं परिवेश से आए बच्चों की जरूरतों को पूरा करते हैं। माण्डी स्थित जवाहर बाल भवन वस्तुत: राष्ट्रीय बाल भवन की ग्रामीण इकाई है, जो राष्ट्रीय बाल भवन के अधीन संचालित है तथा ग्रामीण जनसंख्या को समानांतर सेवाएं उपलब्ध कराती है। राज्य बाल भवन और बाल केन्द्र, देश के सभी भागों तथा दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों में खोले गए हैं और वे सभी जगह समान सेवायें प्रदान कर रहे हैं।

बाल श्री योजना मुख्य चार विधाओं अर्थात् सृजनात्मक कला, सृजनात्मक लेखन, सृजनात्मक प्रदर्शन एवं सृजनात्मक वैज्ञानिक नवप्रवर्तन में 1995 में देश भर में शुरू की गई थी, जिसके द्वारा सृजनशील बच्चों का चयन किया जाता है। 31 मार्च, 2017 तक देश भर में कड़ी चयन प्रक्रिया के माध्यम से 665 बच्चों को पुरस्कार हेतु चुना जा चुका है।

राष्ट्रीय बाल भवन सभी के लिए सृजनात्मकता, नवोन्मेष एवं अभिव्यक्ति हेतु सतत प्रक्रिया है, जो बच्चों को पूर्णरूपेण विकसित करने के लिए निरन्तर प्रयत्नशील है।

हमारा मिशन

प्रत्येक बच्चे को खुशहाल संसार में एक सृजनात्मक, मानवीय एवं नवोन्मेषी एवं अद्भुत परिवेश में पूर्ण रूप से योगदान करने और प्रयास करने के अवसर प्रदान करना।

हमारा दृष्टिकोण

उत्सुकता की उत्पत्ति एवं दृश्य कला, विज्ञान गतिविधि, शारीरिक क्रियाकलापों आदि के माध्यम से सम्भावनाओं के आनन्द का अवसर प्रदान करना। ऐसे मूल्यों का निर्माण करना जिससे आत्मविश्वास और विश्व के जिम्मेदार नागरिक की भावना विकसित हो सके।

उद्देश्य

राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों में विश्वास, आत्म-निर्भरता, धर्म-निरपेक्षता की प्रवृत्ति तथा मूल्यों के प्रति प्रेम जागृत करना जिससे वे राष्ट्र को शक्तिवान व सम्पन्न बनाने में योगदान दे सकें। ऐसे ही सृजनात्मक कला, सृजनात्मक लेखन, सृजनात्मक प्रदर्शन कला, शारीरिक शिक्षा, वैज्ञानिक नवप्रयोग, छायांकन, गृह प्रबंधन तथा संग्रहालय तकनीक आदि से शिक्षण की अनौपचारिक पद्धति के माध्यम से बच्चों को अपनी सृजनात्मकता को विकसित करने के अवसर प्रदान करना है। बाल भवन इस लक्ष्य की पूर्ति हेतु बाल भवन के दृष्टिकोण का प्रसार करते हुए कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों की सृजनात्मकता को पहचानता है व पोषित करता है।

राष्ट्रीय बाल भवन के उद्देश्य हैं :

1. बच्चों को शिक्षा और सृजनात्मकता के लिए अवसर प्रदान करना।
2. बच्चों को ऐसे अनुभव व कार्यकलाप प्रदान करना, जो उन्हें अन्यथा उपलब्ध नहीं होते।
3. स्थानीय विद्यालयों के लिए उनके पाठ्यक्रम संबंधी और पाठ्येत्तर कार्यकलापों को समृद्ध बनाने हेतु कुछ शैक्षणिक सेवाएं प्रदान करना।
4. कला और विज्ञान में सृजनात्मक अवधारणा के पोषण के लिए अध्यापन में नेतृत्व और मार्गदर्शन प्रदान करना।
5. मनोरंजनात्मक कामगारों और बच्चों के संग्रहालय के कार्मिकों को प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करना।
6. राष्ट्र के लिए प्रोटोटाईप शिशु बाल संस्थान प्रदान करना अर्थात् एक आदर्श बाल भवन स्थापित करना।
7. मनोरंजक और शारीरिक कार्यकलापों के माध्यम से बच्चों के व्यक्तित्व और उनकी प्रतिभाओं का विकास करना।
8. सभी वर्गों और समुदायों के बच्चों के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक मेल-मिलाप को प्रोत्साहित करना।
9. बच्चों में ऐसे मूल्य अंतर्विष्ट करना, जो उन्हें वैज्ञानिक प्रवृत्ति के साथ-साथ आधुनिक भारत को विकसित करने में सहायक हों।
10. उपरोक्त वर्णित कार्यकलापों को एक आंदोलन के रूप में प्रोत्साहित करना।

राष्ट्रीय बाल भवन की संगठनात्मक तालिका

सदस्यता संख्या 2016-17

राष्ट्रीय बाल भवन, जवाहर बाल भवन माण्डी तथा राष्ट्रीय बाल भवन के अन्तर्गत चल रहे दिल्ली के 48 बाल केन्द्रों में बच्चे वार्षिक सदस्यता प्राप्त करते हैं । इस वर्ष 6095 (1094 नि:शुल्क सदस्य, 3586 - लड़के, 2509 - लड़कियों सहित) बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन तथा 800 जवाहर बाल भवन माण्डी में और 10,993 बच्चों ने दिल्ली के 48 बाल केन्द्रों में सदस्यता प्राप्त की।

राष्ट्रीय बाल भवन का सभी क्षेत्रों के बच्चों का सृजनात्मक विकास करना ही केन्द्रीयभूत लक्ष्य है। राष्ट्रीय बाल भवन में बच्चे अनेकानेक गतिविधियों में भाग लेने के लिए स्वतंत्र हैं और ये गतिविधियाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास तथा उनकी दक्षता बढ़ाने के लिए तैयार की जाती हैं।

व्यक्तिगत सदस्यता के अलावा दिल्ली के सभी सरकारी स्कूलों को नि:शुल्क संस्थागत सदस्यता प्रदान की जाती है। 9 पब्लिक स्कूलों तथा सभी सरकारी विद्यालयो को वर्ष 2016-2017 के लिए राष्ट्रीय बाल भवन की सदस्यता प्राप्त हुई।

निम्नलिखित सदस्यता संख्या इस प्रकार हैं -

क्र.सं	बाल भवन	लड़के		लड़कियाँ		कुल	
		2015-16	2016-17	2015-16	2016-17	2015-16	2016-17
1.	राष्ट्रीय बाल भवन	3388	3586	2226	2509	5614	6095
2.	जवाहर बाल भवन, माण्डी	274	557	122	243	396	800
3.	बाल भवन केन्द्र	6067	5270	6342	5723	12409	10993

वार्षिक संस्थागत सदस्यता संख्या -

क्र.सं.	पब्लिक स्कूल		सरकारी स्कूल		नि:शुल्क संस्थाएँ	
	2015-16	2016-17	2015-16	2016-17	2015-16	2016-17
1	11	9	18	21	2	1

सदस्य पब्लिक स्कूलों की सूची

1 डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, पुष्पांजली एंक्लेव, आऊटर रिंग रोड, पीतमपुरा, दिल्ली–34

2 एसटी मार्कस सीनियर सैकेण्ड्री पब्लिक स्कूल, जनकपुरी, नई दिल्ली–58

3 रामजस पब्लिक स्कूल, आनन्द पर्वत, नई दिल्ली–05

4 स्वर्ण भारती पब्लिक स्कूल, सोनिया विहार, दिल्ली–94

5 भारत नेशनल पब्लिक स्कूल, राम विहार, कड़कड़डूमा, दिल्ली–92

6 हैप्पी इंगलिश स्कूल, शरद विहार, कड़कड़डूमा, दिल्ली–92

7 ग्रीन फील्डस स्कूल, ए–2 ब्लॉक, सफदरजंग एंक्लेव, नई दिल्ली–29

8 डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, आर.बी. एंक्लेव, पश्चिम विहार, नई दिल्ली–63

9 गुरूकुल दी स्कूल, एनएच–24, दशा रेलवे क्रॉसिंग के समीप, हापुड बाईपास, गाजियाबाद, उ.प्र.

निःशुल्क संस्थाएं

1. आर्य अनाथालय, पटौदी हाऊस, दरियागंज।

नोट : राष्ट्रीय बाल भवन में सभी सरकारी स्कूलों को निःशुल्क सदस्यता प्राप्त है।

गतिविधियाँ - एक नज़र में

सृजनात्मक कला

सृजनात्मक कला की गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य बच्चों को आत्म-अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान कर उनके सौंदर्यबोध की अलग-अलग विधाओं का विकास करना तथा उनके अंदर छिपी हुई प्रतिभा को पहचान कर उन्हें प्रोत्साहित करना और उनको कला तथा शिल्प की विभिन्न तकनीकों से अवगत कराना है। सृजनात्मक शिल्प कला में विविध गतिविधियाँ हैं जिन्हें विभिन्न उप-भागों में विभाजित किया गया हैं।

मिले-जुले क्रियाकलाप

मिले-जुले अनुभाग सभी आयु के बच्चों को समान रूप से आकर्षित करता है। अनुभाग में आने वाले बड़े बच्चे आमतौर पर हस्तशिल्प से संबंधित परम्परागत कला का काम करना बहुत पसंद करते हैं जबकि छोटे बच्चे हस्तशिल्प की कृतियाँ बनाना ज्यादा पसंद करते हैं। एक मल्टीमीडिया अनुभाग होने के कारण बच्चे यहाँ सरलता से एक मीडिया से दूसरे मीडिया पर जा सकते हैं। इस विभाग में सृजनात्मक और जीवन-मूल्यों पर आधारित खेल भी तैयार किए जाते हैं। प्राकृतिक रूप से प्राप्त रंग और तीलियों (ब्रश की बजाय) से बनाई गई परंपरागत लोक चित्रकला इस अनुभाग की अनूठी विशेषता है। बच्चे खिलौने और पेपरमैशी व कागज़ के शिल्प की कलात्मक वस्तुओं को बनाना भी यहाँ सीखते हैं।

चित्रकला

इस अनुभाग में बच्चे अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति को क्रेऑन, वाटर कलर, ऑयल कलर और पेंसिल द्वारा चित्र बनाकर अभिव्यक्त करते हैं। यह कार्यकलाप बड़े बच्चों को भी उतना ही भाता है जितना कि छोटी आयु के बच्चों को। सभी बच्चे इसमें उत्साह से भाग लेते हैं। छोटे बच्चे जहाँ एक ओर अपनी कल्पना के अनुसार चित्र बनाते हैं, वहीं बड़े बच्चे पोट्रेट बनाने, स्केच, प्राकृतिक दृश्य और विषय के आधार पर चित्र बनाने की कला का आनन्द उठाते हैं। बच्चों को बाटिक, टाई एण्ड डाई, ब्लॉक प्रिंटिंग इत्यादि कार्यकलापों की तकनीक भी सिखाई जाती है।

हस्तशिल्प

इस अनुभाग की गतिविधि भी एक लोकप्रिय क्रियाशील गतिविधि है, जिसमें बच्चों को काम में न आने वाली विभिन्न प्रकार की वस्तुओं जैसे - पुराने अखबार, पुरानी पत्रिकाएँ, गत्ते के खाली डिब्बे, पुराने कागज़, प्रयोग किए हुए डिब्बे, बल्ब, बटन, उभरे हुए कागज़, थर्मोकॉल, कतरनें, बीज, तार, पत्तियाँ व पेड़ों के तनों की छाल

इत्यादि पदार्थों के साथ प्रयोग करने की खुली छूट मिलती है। काम में न आने वाली वस्तुओं से बच्चों द्वारा बनाई गई सुंदर कृतियाँ और उत्पाद बच्चों की कल्पना और उनकी सृजनात्मक अभिव्यक्ति का परिणाम होते हैं।

बुनाई

इस अनुभाग की बुनाई गतिवधि भी बच्चों की एक लोकप्रिय गतिविधि है, यहाँ बच्चे कई प्रकार की कलात्मक कलाकृतियां जैसे – वॉल हैंगिंग, लैम्पशेड, टेपेस्ट्री, दृश्यावली इत्यादि बनाते हैं और बच्चों को बुनाई की कलाकृतियों की तकनीकों से अवगत कराया जाता है। उन्हें सौंदर्य की दृष्टि से सुंदर वस्तुओं के निर्माण करने की ओर प्रेरित किया जाता है। वे विभिन्न प्रकार की बुनाई, गाँठे लगाना व बुनाई की कई तकनीक सीखते हैं और आसन, दृश्यावली तथा छोटी दरियाँ व कालीन स्वयं बनाते हैं।

सिलाई–कढ़ाई

सिलाई–कढ़ाई की गतिविधियों में खिलौने बनाने, कठपुतली बनाने, मैक्रमे, क्रोशिया, सिलाई–कढ़ाई इत्यादि सम्मिलित हैं। बच्चे जहाँ एक ओर वस्त्रों की कटाई और सिलाई के मूल तत्वों को सीखते हैं, वहीं वे विभिन्न प्रकार के कपड़ों को डिज़ाईन करने, पैच वर्क बनाने और रचनात्मक कढ़ाई का काम भी करते हैं। रूई भर कर खिलौने बनाने की कला भी इस कक्षा की एक लोकप्रिय गतिविधि है। बच्चों को हैंगिंग्स बनाना, तरह–तरह सजावटी वस्तुएँ आदि तैयार करने का ज्ञान प्राप्त करते हैं जिससे उनकी सृजनशीलता का विकास होता है।

मिट्टी का काम

इस अनुभाग की गतिविधि 5 से 16 वर्ष की आयु के बच्चों के मस्तिष्क, हृदय और हाथों का समन्वय बैठाने में सहायक होती है जो बच्चों के मस्तिष्क और शरीर के स्वाभाविक विकास में भी सहायता करती है। यहाँ बच्चे मिट्टी के जानवर, मानव आकृतियाँ एवं मुख, चेहरे, दृश्य व डिज़ाईन इत्यादि बनाना सीखते हैं और साथ ही पेपरमैशी और प्लास्टर ऑफ पेरिस के सांचे बनाने, टेराकोटा काम के प्रयोग भी करते हैं। मिट्टी द्वारा कास्टिंग करते हुए यह अनुभाग बच्चों को नवप्रायोगिक कार्य करने और इस प्रकार उनकी सृजनात्मक क्षमता को विकसित करने के प्रयास करता है।

जिल्दसाज़ी

जिल्दसाज़ी अनुभाग की गतिविधि भी बच्चों को अत्यंत लोकप्रिय है क्योंकि इस गतिविधि के द्वारा बच्चे अपनी किताबों को सुरक्षित और सुन्दर बनाना सीखते हैं। यहाँ जिल्दसाज़ी की तकनीकी कुशलताओं को जानने के अतिरिक्त बच्चे

कार्डबोर्ड की सुंदर वस्तुओं का निर्माण करना भी सीखते हैं, जिनमें गत्ता काटना, चिपकाना व सिलाई करना इत्यादि शामिल हैं। बच्चों को कई अन्य सृजनात्मक गतिविधियाँ भी बताई जाती हैं और वे उसकी विभिन्न वस्तुएँ जैसे कैसेट स्टैण्ड, पेन स्टैण्ड, छोटी डायरी, फाइल कवर तथा अन्य कई नई प्रकार की वस्तुएँ बनाना यहाँ सीखते हैं।

काष्ठ शिल्प

काष्ठ शिल्प अनुभाग में बच्चों को सृजनात्मक विधि द्वारा कला का ज्ञान दिया जाता है। बच्चों को लकड़ी की वस्तुओं का निर्माण करने में काम आने वाली विभिन्न तकनीकों का ज्ञान कराया जाता है। बच्चे विभिन्न प्रकार की लकड़ियाँ, उनकी बनावट का आधार व उनकी टिकाऊपन की पहचान करना भी सीखते हैं। बच्चों को वुडन फ्रेम पर वुड कटिंग द्वारा म्यूरल बनाने की तकनीक, सॉ-डस्ट से पेपर पर चित्रांकन करना भी सिखाया जाता है तथा बच्चे विभिन्न प्रकार की लकड़ी से काम में आने वाली कई वस्तुओं जैसे :- पेन होल्डर, पेन-स्टैण्ड, छोटे बॉक्स, खिलौने, डिब्बे, पॉट कवर इत्यादि बनाना भी सीखते हैं। उन्हें लकड़ी में नक्काशी का काम भी सिखाया जाता है और वे नक्काशी द्वारा सुंदर वस्तुयें भी बनाना सीखते हैं। उन्हें बेकार लकड़ी के बुरादे व टुकड़ों को रचनात्मक रूप से जोड़कर सुंदर दृश्य एवं तरह-तरह की आकृतियाँ बनाना भी सिखाया जाता है।

विज्ञान कार्यकलाप

इस अनुभाग में विज्ञान, प्रयोगशाला का एक विषय न होकर एक बड़ी प्रयोगशाला का अंग है, जिसके माध्यम से बच्चा जिंदगी की दिन-प्रतिदिन होने वाली घटनाओं से वैज्ञानिक सिद्धांतों को जोड़कर अपने ज्ञान को बढ़ाता है। राष्ट्रीय बाल भवन बच्चों को विभिन्न दिलचस्प गतिविधियों में शामिल करके विज्ञान के आधारभूत सिद्धान्तों को बच्चों को समझाने में विश्वास रखता है। बाल भवन की विज्ञान-शिक्षण प्रणाली का एक और महत्वपूर्ण पक्ष है "एकीकृत पद्धति" जिसमें विज्ञान को अन्य गतिविधियों का अखण्ड हिस्सा बनाया गया है।

इस अनुभाग में पर्यावरण विज्ञान तथा प्रकृति और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ-साथ अपनी संस्कृति, कलाशिल्प, लोककला व साहित्य की परंपराओं और ऐतिहासिक स्मारकों के संरक्षण को भी महत्त्व दिया जाता है। यहाँ पर्यावरण से संबंधित कई परियोजनाओं के अतिरिक्त 'हरितवाहिनी' यानि बच्चों की हरित सेना द्वारा 'विशाल हरित क्रांति विषयक परियोजना' चलाई जा रही है। अधिकतम बच्चों तक पहुँचने के उद्देश्य से 1990 से ''राष्ट्रीय युवा पर्यावरण विज्ञानी सम्मेलन'' भी प्रारंभ किया गया। इस अद्वितीय और अर्थपूर्ण सम्मेलन में राष्ट्र के विभिन्न भागों के बच्चे भाग लेते हैं और पर्यावरण से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हैं। इसमें केवल भौतिक पर्यावरण ही नहीं होता, बल्कि सामाजिक, भावनात्मक और सांस्कृतिक पर्यावरण का भी समागम होता है। विज्ञान शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य बच्चों में "वैज्ञानिक प्रवृत्ति" का विकास करना है।

इस अनुभाग के विभिन्न उप-अनुभाग हैं जो बच्चों को विज्ञान के नियम और सिद्धांत सीखने में मदद करते हैं। बच्चों को भौतिक एवं प्राकृतिक विज्ञान के अतिरिक्त दैनिक जीवन में विज्ञान से भी परिचित कराया जाता है। इस अनुभाग के कार्यकलापों में रेडियो-इलेक्ट्रॉनिक्स, एअॅरो मॉडलिंग, मशीन मॉडलिंग, खगोल विज्ञान, कम्प्यूटर, मछलीघर एवं छोटा चिड़ियाघर, क्यों और कैसे क्लब और पर्यावरणीय कार्यकलापों के साथ-साथ क्षेत्रीय भ्रमण और वैज्ञानिकों से भेंट, आदि शामिल हैं। आई.बी.एम. ने राष्ट्रीय बाल भवन को भेंट स्वरूप दो कम्प्यूटर प्रदान किए हैं। इसमें उपलब्ध सॉफ्टवेयर विशेष रूप से आपसी क्रियात्मक (इन्टरएक्टिव) खेलों के माध्यम से बच्चों के लिए विज्ञान को सरल तथा मज़ेदार रूप में प्रस्तुत करते हैं । ये सॉफ्टवेयर खगोलशास्त्र, समुद्री जीवन, जीव-विज्ञान तथा भौतिक विज्ञान संबंधी खेल उपलब्ध कराते हैं। ट्राई साईस में इन कम्प्यूटरों के इस्तेमाल से बच्चे विश्व भर के

विज्ञान संग्रहालयों की यथार्थ यात्रा कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त वे इन पर यथार्थ परीक्षण, पोस्टकार्ड पोस्ट करना तथा अन्य कई गतिविधियाँ भी कर सकते हैं। बाल भवन में विज्ञान कार्यकलापों में भाग लेने के लिए यह आवश्यक नहीं है कि बच्चे स्कूल में विज्ञान के विद्यार्थी हों बल्कि आवश्यकता इस बात की है कि उसमें 'क्यों' और 'कैसे' की उत्सुकता और सीखने की इच्छा हो। विज्ञान शिक्षा के अंतर्गत निम्न उप-अनुभाग बच्चों के लिए कार्य करते हैं। इस अनुभाग में समय-समय पर विशेष फिल्म-शो तथा शिविर भी आयोजित किए जाते हैं:-

विज्ञान अनुभाग की निम्न गतिविधियाँ हैं :-

भौतिक एवं प्रकृति विज्ञान

1. भौतिकी, रसायन एवं जीव विज्ञान में प्रयोग
2. शैक्षिक यात्रायें
3. विषयक कार्यशालायें

परीक्षण व वैज्ञानिक खेलों के लिए बच्चों को प्रयोगशाला उपकरण भी उपलब्ध कराए जाते हैं।

कैसे और क्यों क्लब

इस अनुभाग में विज्ञान से सम्बंधित परियोजनायें लेने के इच्छुक बच्चों की जिज्ञासा का समाधान करने के लिए क्यों और कैसे क्लब का सृजन किया गया था। सृजनात्मक वैज्ञानिक मॉडल बनाना, शैक्षिक यात्रायें, वैज्ञानिक प्रश्नोत्तरी आदि क्यों और कैसे क्लब की कुछ गतिविधियाँ हैं जो बच्चों का ज्ञान बढ़ाती हैं और उन्हें नया सीखने को उत्साहित करती हैं।

अन्वेषक क्लब

इस अनुभाग में बच्चों को प्रयोग एवं नवोन्मेषी कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, क्योंकि वे मशीन मॉडलिंग के अवधारण से लेकर इन्हें डिज़ाइन करने तथा अन्तत: निर्माण करने से जुड़े विभिन्न पहलुओं द्वारा ज्ञानवर्द्धक कार्य सीखते हैं।

रेडियो और इलेक्ट्रॉनिक्स क्लब

रेडियो और इलेक्ट्रॉनिक्स क्लब में 10 से 16 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों को सदस्यता दी जाती है। यहाँ बिजली के मूल सिद्धांत, बिजली के तार लगाना और घरेलू उपकरणों की स्वयं मरम्मत करना, सर्किट के साथ नए प्रयोग, रेडियो और टी.वी. के पुर्ज़े जोड़ना जैसे अनेक कार्यकलाप हैं। यहाँ बच्चे डिजिटल घड़ियों और नई ऊर्जा-युक्तियों जैसे-सौर ऊर्जा के मॉडल के जटिल सर्किट का भी ज्ञान प्राप्त करते हैं। विश्व में बढ़ती हुई विकसित संचार व्यवस्था की आवश्यकता को देखते हुए अधिक से अधिक लोग 'हैम रेडियो क्लब' के सदस्य बन रहे हैं। राष्ट्रीय बाल भवन में भी रेडियो शौकीनों (एमेच्योर) के क्लब की शुरूआत की है, ताकि इस क्लब के सदस्य बच्चे अपने-अपने घरों में 'हैम स्टेशन' की स्थापना कर आपसी सम्पर्क स्थापित कर सकें।

एऑरो मॉडलिंग

राष्ट्रीय बाल भवन में बच्चों के लिए एऑरो मॉडलिंग जैसा महंगा शौक भी उपलब्ध है। यहाँ बच्चे वायुगति के मूलभूत सिद्धांतो से लेकर विभिन्न प्रकार के वायुयानों के मॉडल बनाना सीखते हैं इसके साथ ही विमानों के अपने मॉडल उड़ाने का आनन्द भी उठाते हैं। इस कार्यकलाप का उद्देश्य बच्चों में विमानन और उससे संबंधित विज्ञान में रुचि पैदा करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करना है। इस अनुभाग द्वारा 'मॉडल रॉकेट्री' की कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं।

कम्प्यूटर

कम्प्यूटर एक बहुत ही लोकप्रिय कार्यकलाप है जो दिन-प्रतिदिन अधिकाधिक बच्चों को आकृष्ट कर रहा है। बच्चे कम्प्यूटर की आरंभिक भाषा सीखने के साथ-साथ कार्यक्रम बनाना (प्रोग्रामिंग करना) भी सीखते हैं। बच्चों को बड़ी संख्या में यहाँ विज्ञान के विषयों पर सॉफ्टवेयर और कम्प्यूटर खेल उपलब्ध कराए जाते हैं। कम्प्यूटर का यह कार्यकलाप स्कूली शिक्षा का संपूरक है। राष्ट्रीय बाल भवन इंटरनेट सम्बंधी जानकारी भी उपलब्ध कराता है, ताकि बच्चे आधुनिकतम प्रणाली से अवगत हो सकें। इस अनुभाग में अनेक सार्थक एवं नई प्रणाली की कार्यशालाएँ तथा संगोष्ठियाँ भी आयोजित की जाती हैं।

पर्यावरण

हरित वाहिनी आंदोलन का आरंभ 19 नवम्बर 1986 में हुआ था। इसी मुहिम को आगे बढ़ाने हेतु पर्यावरण विभाग की स्थापना की गई थी। वनस्पति और जीव के अनुरक्षण के लिए पर्यावरण अनुभाग द्वारा जागरूकता फैलाई जाती है। फील्ड यात्रायें, सर्वेक्षण, व्यर्थ सामान आदि की री-साइक्लिंग जैसी गतिविधियों द्वारा बच्चों को उनके आस-पास के वातावरण के प्रति जागरूक किया जाता है।

खगोल विज्ञान

आकाश अपने भीतर अनजान आकाशगंगाओं से संबंधित अनेकानेक अनसुलझे रहस्यों को समेटे हैं। यह मानना है कि अतिप्राचीन काल से मनुष्य इन रहस्यों को समझने में लगा हुआ है। बाल भवन में कम लागत के एक तारामंडलीय एकक की स्थापना की गई है। बच्चे इस कार्यकलाप में आनंद लेते हैं। वे आकाश के ग्रहों और तारों आदि के बारे में अधिक जानकारी के लिए उत्सुक रहते हैं।

मछली घर तथा जीवजन्तु कार्नर से सम्बंधित गतिविधियाँ

इस अनुभाग में बच्चे जीव विज्ञान की मूलभूत जानकारी हासिल करते हैं। अनुभाग द्वारा "अपना मछलीघर बनाएं", जीवजन्तुओं से सम्बंधित कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। बच्चे मछली के अंगीकरण, अनुपालन, समुद्री जीवन, समुद्री वनस्पतियों आदि की अवधारणाओं को सीखने का ज्ञान प्राप्त करते हैं तथा वे जीव-जन्तुओं और

पालतू जानवरों की आदतों, खानपान व रहन-सहन की परिस्थिति अनुकूलन का ज्ञान प्राप्त करते हैं। इससे बच्चों में जीव जन्तुओं के प्रति अनुपालन की इच्छा पैदा होती है।

पुस्तकालय गतिविधियाँ

राष्ट्रीय बाल भवन का पुस्तकालय एक बहुत बड़ा पुस्तकालय है, जिसमें लगभग 45,000 पुस्तकें हैं। ये पुस्तकें कला, शिल्प, संस्कृति, साहित्य, विज्ञान, गणित, पत्रकारिता व कंप्यूटर, कहानियों और कविताओं आदि विषयों पर है। यहाँ एक संदर्भ अनुभाग भी है। पुस्तकालय में हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, तमिल व बंगला आदि अनेक भाषाओं की पुस्तकें भी हैं। बच्चों के लिए विभिन्न पत्रिकाएँ भी इस पुस्तकालय में उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त इस विभाग द्वारा सृजनात्मक लेखन की गतिविधि भी आयोजित की जाती है जिसमें बच्चे विभिन्न विषयों पर लिखते हैं।

बच्चों एवं स्टाफ के लिए साहित्यिक कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं। इन कार्यशालाओं के दौरान बच्चे विभिन्न लेखकों व कवियों आदि से परिचर्चा द्वारा अपनी लेखन क्षमता और कौशल को विकसित करते हैं। यहाँ पर कहानी सुनाने के सत्रो का आयोजन भी होता है। इस विभाग द्वारा प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम, पुस्तकों पर परिचर्चा, आशु-भाषण, विभिन्न सामाजिक एवं प्रासंगिक वाद-विवाद आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस अनुभाग में हर उम्र के बच्चे आनंद लेते हैं।

अनुभाग द्वारा कवि सम्मेलनों का आयोजन भी किया जाता है जो बहुत लोकप्रिय होते हैं। इन कवि सम्मेलनों में बच्चे न केवल अपनी रचनाओं का पाठ करते हैं, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी बढ़ता है और उनकी अभिव्यक्ति की क्षमता भी निखरती है। राष्ट्रीय बाल भवन बाल रचनाकारों को एक सामूहिक मंच प्रदान करता है। इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्ननुसार हैं :-

- वाचन प्रतियोगिता
- प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम

- सृजनात्मक लेखन
- कविता-रचना, काव्य-पाठ
- नवीन पुस्तकों की समीक्षा एवं परिचर्चा
- कहानी लेखन, आशुभाषण
- स्लोगन लेखन, आलेख लेखन

छायांकन (फोटोग्राफी)

राष्ट्रीय बाल भवन में छायांकन गतिविधि के अंतर्गत बच्चों को छायांकन से जुड़े विभिन्न कार्यों जैसे-फोटो खींचना, उनका प्रिंट तैयार करना और उन्हें बड़ा करना आदि से परिचित कराने के साथ-साथ अभिनव तरीकों का प्रयोग करने के लिए भी प्रेरित किया जाता है। छायांकन के द्वारा बच्चे विभिन्न प्रकार के व्यक्तियों, पशु-पक्षियों, उनकी आदतों, तरह-तरह की इमारतों, विभिन्न भौगोलिक स्थानों और वहाँ रहने वाले लोगों की जीवन शैली आदि का अनुभव एवं उनके विषय में जानकारी प्राप्त करते हैं। बच्चे रोचक दृश्यों को चित्रों द्वारा संजोने व आधुनिक तरीकों का प्रयोग कर छायांकन की दक्षता में निखार लाना भी सीखते हैं। डिज़िटल कैमरे का प्रयोग जैसी तकनीकों को भी बाल भवन की छायांकन कक्षाओं में शामिल किया गया है।

फोटो प्रभाग में बच्चों को कैमरा संचालन के तरीके, उसके विभिन्न अंग, उनकी कार्यप्रणाली, सही एक्सपोजर की आवश्यकता, फिल्म को डेवलप करना तथा कॉन्टैक्ट प्रिंटिंग की तकनीकें सिखाई जाती हैं जो उन्हें विषय का गहन ज्ञान पाने में सहायक होती है। इस विभाग द्वारा वीडियोग्राफी की कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं, जहाँ बच्चों द्वारा वीडियो कार्यक्रम निर्मित किए जाते हैं। स्क्रिप्ट लेखन, कैमरा संचालन, संवाद व ध्वनि रिकार्डिंग से लेकर फिल्म निर्माण तक सभी कार्य बच्चों की टीम द्वारा प्रशिक्षकों की देख-रेख में किए जाते हैं। इस विभाग द्वारा विभिन्न विषयों पर फोटोग्राफी प्रदर्शनियाँ भी लगाई जाती हैं जिनमें बच्चों द्वारा किए गए कार्य को प्रदर्शित किया जाता है।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार हैं :-

- रंगीन फोटोग्राफी
- फोटोग्राफों का विस्तार एवं स्लाईड बनाना
- उन्नत डिजिटल फोटोग्राफी (प्रिंटिंग, प्रोसेसिंग, स्कैनिंग)

प्रदर्शन कला

प्रदर्शन कला की विभिन्न गतिविधियाँ बच्चों को आत्म-अभिव्यक्ति के द्वारा अपनी कल्पना का विकास करने तथा उसे साकार रूप देने और अपनी प्रतिभा को पहचानने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराती है। इस विभाग में बच्चे नाटक, नृत्य, संगीत, वाद्य संगीत आदि कई प्रकार की सृजनात्मक गतिविधियाँ सीखते हैं। बच्चे अपने परंपरागत लोक संगीत एवं नृत्य की विभिन्न शैलियों के विषय में जानकारी व ज्ञान भी इस अनुभाग में प्राप्त करते हैं।

प्रदर्शन कला गतिविधि विभाग में निम्न उप-अनुभाग हैं :-

- कंठ संगीत (शास्त्रीय एवं लोक)

- वाद्य संगीत – सितार (तबला एवं हारमोनियम-केवल ग्रीष्मसत्र में)
- शास्त्रीय नृत्य (कत्थक, भरतनाट्यम)
- लोकनृत्य
- नाट्यकला (केवल ग्रीष्मसत्र में)

शारीरिक शिक्षा

खेल और शारीरिक गतिविधियाँ हर आयु के बच्चों को प्रिय हैं। राष्ट्रीय बाल भवन के शारीरिक शिक्षा अनुभाग बच्चों के लिए अनेक प्रकार की गतिविधियाँ उपलब्ध कराता है जैसे :- टेबल-टेनिस, बैडमिंटन, फुटबॉल, क्रिकेट, बास्केटबॉल व जूडो और स्केटिंग सिखाई जाती है। व्यायाम एवं शरीर को सुडौल बनाने के लिए इस विभाग के पास अपना जिम्नेज़ियम भी है। बच्चे प्रशिक्षकों की देखरेख में न केवल विभिन्न प्रकार के खेलों की जानकारी प्राप्त करते हैं, बल्कि उन्हें अपनी रचनात्मकता बढ़ाने और रचनात्मक खेलों को बनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

इस विभाग द्वारा आयोजित जूडो एक ऐसी गतिविधि है जिसके कारण इस संस्थान को बहुत सम्मान मिला है। राष्ट्रीय बाल भवन को ऐसे बच्चों को प्रशिक्षित करने का गौरव प्राप्त है, जिन्होंने न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सफलता पाई है। शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा अंतर्विद्यालय जूडो टूर्नामेंट आयोजित किए जाते हैं, जिनमें विभिन्न स्कूलों और संस्थाओं के बच्चे भाग लेते हैं और उसका आनन्द उठाते हैं।

स्केटिंग रिंक भी बच्चों के बीच बहुत लोकप्रिय है और संभवतः यह दिल्ली की सर्वोत्तम स्केटिंग रिंकों में से एक है। शारीरिक शिक्षा विभाग, अंर्तविद्यालयी क्रिकेट और फुटबॉल प्रतियोगितायें भी यहाँ आयोजित करता है, जिनमें विभिन्न स्कूलों के बच्चे भाग लेते हैं और इसका आनंद लेते हैं। राष्ट्रीय बाल भवन के खेल के मैदान और शारीरिक शिक्षा विभाग की अन्य सुविधाएँ बाल भवन के सदस्य विद्यालयों को भी उपलब्ध कराई जाती है। यह विभाग विभिन्न प्रकार की साहसिक यात्राएँ ट्रैक और फील्ड ट्रिप आदि भी आयोजित करता है।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार हैं :-

- इन्डोर व आउटडोर खेल (टेबल टेनिस, बैडमिंटन, क्रिकेट, बॉस्केट बॉल)
- जूडो
- स्केटिंग
- व्यायामशाला

गृह प्रबंधन

इस विभाग में बच्चों को अच्छी और सुचारू गृह-व्यवस्था के विभिन्न आयामों/पक्षों से परिचित कराया जाता है। यहाँ बच्चे विभिन्न प्रकार के भोज्य पदार्थो की नई-नई विधियाँ बनाना सीखते हैं। स्वास्थ्य के लिए पौष्टिक और लाभकारी भोजन बनाना सीखते हैं और बनाते हैं, जिससे बच्चे खाना बनाने में आत्मनिर्भर बनते हैं। बच्चों को रसोई का बजट

बनाना और उसमें आने वाले खर्च का आंकलन करना भी सिखाया जाता है। बच्चों के साथ स्वास्थ्य, स्वच्छता, साफ़-सफ़ाई के बारे में नियमित रूप से चर्चाएँ की जाती हैं। उनके लिए भोजन अनुरक्षण की प्रयोगात्मक कक्षाएँ भी आयोजित की जाती हैं जो उनके लिए लाभकारी होती हैं। गृह-प्रबंध अनुभाग द्वारा पुष्पसज्जा (इकेबाना), बेकरी आदि की विभिन्न कार्यशालाएँ भी संचालित की जाती हैं।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार है :-

- गृह-प्रबंधन
- पाक-कला, बेकिंग
- भोजन-परिरक्षण
- पुष्प-सज्जा

संग्रहालय तकनीक

राष्ट्रीय बाल भवन का राष्ट्रीय बाल संग्रहालय विभिन्न अवसरों पर थीम आधारित प्रदर्शनियाँ लगाकर बच्चों का ज्ञानवर्द्धन करता है। इस बाल संग्रहालय में कुछ स्थायी प्रदर्शनी की दीर्घाएं हैं, जिन्हें देखने के लिए प्रतिदिन हज़ारों बच्चे आते हैं और ये प्रदर्शनियाँ स्कूली शिक्षण पद्धति की अनुपूरक और प्रतिपूरक भी हैं। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय की एक गतिविधि है "संग्रहालय तकनीक क्लब", जिसमें मिट्टी के मोल्ड से सांचा बनाने तथा प्लास्टर ऑफ पेरिस द्वारा "कास्ट" (प्रतिकृति) बनाने की साधारण तकनीक से लेकर "पीस मोल्ड" बनाने जैसे जटिल कार्य भी सिखाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त इस विभाग में बच्चों को माउंटिंग, आलेख-लेखन एवं प्रदर्शनी लगाने की तकनीक इत्यादि से भी अवगत कराया जाता है। बच्चों को यहाँ इस प्रकार के अनुभव कराए जाते हैं, जिनसे उनके प्रकृति, इतिहास, संस्कृति, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संबंधी ज्ञान का विस्तार होता है।

विषयगत और पाठ्यक्रम पर आधारित कार्यशालाओं द्वारा बच्चों को अपने देश की प्राचीन सभ्यता, अपने इतिहास, उसकी प्राचीन धरोहर और संस्कृति से अवगत कराया जाता है, जिनमें बच्चों को उत्खनन-स्थलों पर ले जाकर प्रत्यक्ष अनुभव कराया जाता है। इस प्रकार का प्रत्यक्ष अनुभव उनके ज्ञान का विस्तार करता है। बच्चों के लिए विशेष कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं और बच्चों को अनुभव देने के लिए विभिन्न ऐतिहासिक स्मारकों पर भी ले जाया जाता है।

वार्षिक प्रतिवेदन 2016-17

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार हैं –

- सांचा बनाना एवं ढलाई
- प्रदर्शनी डिज़ाईन करना
- संग्रहालय की वस्तुओं का परिरक्षण एवं संरक्षण
- ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विषयों पर विचार–विनिमय
- फील्ड कार्य

प्रकाशन–संबंधी गतिविधियाँ

प्रकाशन संबंधी कार्यकलाप ग्रीष्मसत्र में चलाये जाने वाला एक अद्वितीय कार्यकलाप है, जिसमें बच्चों को उनकी अपनी पत्रिका, न्यूज़ लैटर, सुलक्ष्य तथा ग्रीष्मसत्र के दौरान निकाले जाने वाले बच्चों के विशेष समाचारपत्र अक्कड़–बक्कड़ टाइम्स के संपादन, चित्रांकन तथा निर्माण करना शामिल है। इस गतिविधि द्वारा बच्चे न केवल अखबार और पत्रिकाओं के निर्माण में काम आने वाली विभिन्न तकनीकों से परिचित होते हैं बल्कि उनमें सृजनशीलता एवं आत्मविश्वास का भी विकास होता है। बच्चों को विभिन्न प्रकाशन गृहों तथा समाचार चैनलों के कार्यालयों में भी ले जाया जाता है। इसके अतिरिक्त यह विभाग विभिन्न विषयों जैसे पुस्तक चित्रांकन, पुस्तक निर्माण, विज्ञापन तैयार करना तथा डिज़ाईन बनाना आदि पर कार्यशालाएँ भी आयोजित करता है, ताकि बच्चे प्रकाशन के विभिन्न पक्षों को जानें व समझ सकें। यह विभाग विभिन्न विषयों पर परिचर्चाओं का भी आयोजन करता है।

राष्ट्रीय बाल संग्रहालय

राष्ट्रीय बाल संग्रहालय, राष्ट्रीय बाल भवन का एक अभिन्न अंग है और इसे बड़े होते बच्चे की मनोवैज्ञानिक स्थिति और उसके अपने आसपास की दुनिया को देखने के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। संग्रहालय में बच्चों को आकर्षित करने वाली वस्तुओं का बड़ा संग्रह है, जिसमें कई देशों के खिलौने, गुड़ियाएँ, पत्थर एवं पीतल से बनी कृतियाँ, पारंपरिक आभूषण, बर्तन, कला एवं शिल्प कृतियाँ, वाद्ययंत्र, सिर की पगड़ियों के प्रदर्शन के साथ वायुयानों, सेटेलाइटों तथा ऐतिहासिक भवनों आदि की जानकारी भी एकत्रित है। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय देश में अपनी तरह की एक ही संस्था है जिसे राष्ट्रीय दर्जा प्राप्त है। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय इस तथ्य का समर्थन करता है कि बाल संग्रहालय बच्चों के ज्ञान को बढ़ाने और उन्हें विकसित करने का महत्वपूर्ण साधन है।

संग्रहालय अलग-अलग दीर्घाओं में दो प्रकार की प्रदर्शनियाँ प्रस्तुत करता है (i) स्थायी प्रदर्शनी (ii) अस्थायी प्रदर्शनी। संग्रहालय की एक दीर्घा को विशिष्ट रूप से केवल अस्थायी प्रदर्शनियों के लिए रखा गया है जहाँ समय-समय पर किसी विशिष्ट विषय से संबंधित प्रदर्शनी लगाई जाती रहती हैं। स्थायी प्रदर्शनियाँ भी संग्रहालय का विशेष आकर्षण है - इनमें प्रमुख हैं - **हमारा भारत** (8500 वर्ग फीट के दायरे में फैली यह प्रदर्शनी भारतीय जीवन, इसकी जीवन्त संस्कृति, समृद्ध कला एवं शिल्प, धर्मों एवं रीति-रिवाजों की विविधता तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की प्रगति आदि का मनोहारी चित्रण प्रस्तुत करती है।), **गौरव गाथा** (1855 वर्ग फीट के दायरे में फैली इस प्रदर्शनी में भारत के गौरवमयी अतीत, इसकी संस्कृति युद्धों को दर्शाने वाली मनमोहक कृतियाँ गुड्डे-गुडियों के माध्यम से क्रम से सजाई गई है।) **सूर्य** (8000 वर्ग फीट से भी अधिक क्षेत्र में 'सूर्य' नाम से लगाई गई इस प्रदर्शनी में भारतीय संस्कृति में 'सूर्य' के महत्व के साथ-साथ अन्य सभ्यताओं जैसे मिस्र, मेसोयोटामिया, चीन, ग्रीक आदि में भी सूर्य के स्थान और महत्व को दर्शाती है। सूर्य की उत्पत्ति अर्थात् सौरपरिवार और पृथ्वी आदि भी दिखाई गई है अर्थात् सूर्य का चित्रण पौराणिक तथा वैज्ञानिक, दोनों दृष्टिकोणों से किया गया है।) तथा **पारंपरिक कला एवं शिल्प : भावी पीढ़ी हेतु खजाना** (1700 वर्ग फुट के दायरे में फैली इस प्रदर्शनी में प्रसिद्ध कलाकारों की कलाकृतियों के नमूने प्रदर्शित किए गए हैं) ये सभी प्रदर्शनियाँ जन सामान्य हेतु खुली हैं।

1 अप्रैल, 2016 से 31 मार्च, 2017 तक यहाँ आने वाले पर्यटकों की संख्या निम्नलिखित थी

बच्चों की संख्या	वयस्कों की संख्या	स्कूलों की संख्या
35683	5240	195

1 अप्रैल, 2016 से 31 मार्च, 2017 के दौरान संग्रहालय द्वारा लगाई गई प्रदर्शनियों की सूची –

- बच्चों के सृजनात्मक कार्य - ग्रीष्मकालीन सत्र 2016
- "संग्रहालयों की खोज"

राष्ट्रीय प्रशिक्षण संसाधन केन्द्र

राष्ट्रीय प्रशिक्षण संसाधन केन्द्र का उद्देश्य सृजनात्मक कला, निष्पादन कला तथा विज्ञान आदानों के साथ समन्वित प्रशिक्षण प्रदान करना है। शारीरिक शिक्षा, खेलकूद, पुस्तकालय गतिविधियों को प्रशिक्षण हेतु अतिरिक्त आदानों के रूप में शामिल करने के प्रस्तावों पर भी विचार किया जा रहा है। इस अनुभूति की दिशा में प्रशिक्षण को गति प्रदान की जा रही है कि बच्चे के काम को पहचान दी जाए, भले ही बड़ों की दृष्टि में वह कितना नगण्य व सतही लगे, बच्चों की संरक्षण भावना और सृजन की पहल के लिए यह महत्त्वपूर्ण है।

बाल भवन में प्रयुक्त विभिन्न माध्यम एवं पद्धतियों के जरिए अध्यापकगण बच्चों को स्वयंमेव पहचानने; उनकी निर्बाध कल्पना व प्रयोगों को प्रोत्साहन तथा सृजनात्मक अभिव्यक्ति, नवोन्मेष व मौलिक तत्व की सामर्थ्य एवं क्षमता विकसित करते हैं। वे विपरीत परिस्थितियों को अनुकूल बनाने और वैज्ञानिक भावना के साथ सकारात्मक भावना आत्मसात करने के लिए सक्रिय माहौल बनाना भी सीखते हैं। कलाओं को शिक्षा एवं अभिव्यक्ति को एक सशक्त माध्यम बनाने में उनकी मदद के लिए ग्रामीण, अर्द्धग्रामीण तथा शहरी अध्यापकों के लिए व्याख्यान एवं कार्य प्रदर्शन की व्यवस्था की जाती है।

वर्ष 2016-2017 के दौरान संचालित किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रम –

- (आई. टी. पी.) – 15 मार्च, 2016 से 23 अप्रैल 2016 — 63 सहभागीगण
- (आई. टी. पी.) – 12 जुलाई, 2016 से 13 अगस्त, 2016 — 38 सहभागीगण
- (आई. टी. पी.) – 1 सितम्बर, 2016 से 5 अक्तूबर, 2016 — 21 सहभागीगण
- (आई. टी. पी.) – 27 दिसम्बर, 2016 से 31 जनवरी, 2017 — 64 सहभागीगण
- (आई. टी. पी.) – 28 फरवरी, 2017 से 1 अप्रैल, 2017 — 49 सहभागीगण

हमारे कार्यक्रम

देशभर में बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए कार्य करने वाली शीर्षस्थ संस्थाओं में से एक संस्था राष्ट्रीय बाल भवन है। राष्ट्रीय बाल भवन इस तथ्य को सामने रखकर कार्य करता है कि भारत में करोड़ों बच्चे ऐसे घर-परिवार से हैं, जो गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करते हैं और जिनके माता-पिता उनकी प्राथमिक आवश्यकताएँ भी पूरी नहीं कर पाते। इन सबको देखते हुए राष्ट्रीय बाल भवन अपने सभी संसाधनों का प्रयोग करते हुए बाल भवन आंदोलन को देश के कोने-कोने में फैलाने में प्रयासरत है।

राष्ट्रीय बाल भवन आज अपने 119 संबद्ध राज्य बाल भवनों एवं 15 बाल भवन केन्द्रों तथा राष्ट्रीय बाल भवन के अन्तर्गत दिल्ली में चल रहे 48 बाल भवन केन्द्रों के माध्यम से लाखों बच्चों तक पहुँचकर एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर रहा है। यह संस्थाएँ उन बाल भवनों/निजी संस्थाओं में खुले हुए हैं जो दूरदराज के क्षेत्रों में विभिन्न गैरसरकारी संगठनों के सहयोग से काम कर रहे हैं। राष्ट्रीय बाल भवन के बच्चों संबंधी कार्यकलाप केवल अपने देश तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि राष्ट्रीय बाल भवन संसार के दूसरे क्षेत्रों में रह रहे बच्चों को भी सांस्कृतिक आदान-प्रदान वाले कार्यक्रमों के माध्यम से अपना दर्शन उन तक पहुँचाने का प्रयास करता है। अत: राष्ट्रीय बाल भवन शैक्षिक व मनोरंजक तथा सृजनात्मक गतिविधियों द्वारा बच्चों को शिक्षा देने की कोशिश करता है बल्कि विविध स्थानीय, मंडल स्तरीय, राज्यस्तरीय, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों के द्वारा अधिक से अधिक बच्चों तक पहुँचने का एक संसाधन केंद्र है।

स्थानीय स्तर के कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन कई नवीन कार्यक्रमों के अतिरिक्त नियमित कार्यकलापों को भी आयोजित करता है जिसमें विभिन्न कार्यशालाएँ, सेमिनार एवं संगोष्ठियाँ आदि शामिल हैं। इन सब कार्यकलापों का उद्देश्य बच्चों को बहुआयामी कार्यकलापों में भाग लेने का अवसर देकर उनके अनुभव को बढ़ाना है। ये कार्यकलाप एक ओर उन्हें देश की राष्ट्रीय विरासत, परंपराओं, संस्कृति, कला, शिल्प, साहित्य तथा वैज्ञानिक प्रगति से अवगत कराते हैं तो दूसरी ओर बच्चों के क्षितिज का भी विस्तार करते हैं।

उल्लेखनीय कार्यक्रम 2016–17

क्र.सं.	तिथि	संचालित कार्यक्रम/कार्यशालायें	कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य	लाभान्वित बच्चों/स्टाफ/अध्यापकों की संख्या
1	22.4.2016	"पृथ्वी दिवस" कार्यक्रम टैट्रापैक के सौजन्य से।	बेकार सामग्री का जीवन में फिर से उपयोग, से अवगत कराना।	300 बच्चों ने भाग लिया।
2	4.5.2016–5.5.2016	चयन हेतु – "राष्ट्रीय बालश्री शिविर"	बच्चों में छिपी सृजनात्मक क्षमता को खोजने व सम्पोषण हेतु।	369 बच्चों ने भाग लिया।

3	6.5.2016-7.5.2016	राष्ट्रीय बाल संग्रहालय कार्यशाला "हमारी विरासत की खोज"	बच्चों को निर्वाचीन सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक विरासत को अक्षुण्य बनाए रखने हेतु जागरूक करना था।	35 बच्चों ने भाग लिया।
4	12.5.2016-14.5.2016	कम्प्यूटर जागरूकता कार्यक्रम	प्रत्येक व्यक्ति के जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में कम्प्यूटर का महत्व।	100 बच्चों ने भाग लिया।
5	17.5.2016	विश्व दूर-संचार दिवस	बच्चों को दूर-संचार के इतिहास और इसके महत्व से अवगत कराना।	30 बच्चों ने भाग लिया।
6	17.5.2016	इन्टरनेट सुरक्षा दिवस	इंटरनेट सुरक्षा से सम्बंधित जानकारी दी गई।	1500 बच्चों ने भाग लिया।
7	17.5.2016 से 22.6.2016	ग्रीष्मोत्सव कार्यक्रम	बच्चों ने 40 गतिविधियों में भाग लिया	5958 बच्चों ने पंजीकरण कराया और प्रतिदिन 3000 बच्चों ने गतिविधियों में भाग लिया।
8	26.5.2016	दिल्ली मेट्रो संग्रहालय का भ्रमण	बच्चों को ऐतिहासिक वस्तुओं की जानकारी से अवगत कराना।	30 बच्चों ने भाग लिया।
9	26.5.2016-21.6.2016	ग्रीष्मकाल के दौरान भारतीय बाल फिल्म समिति के सहयोग से बाल फिल्मोत्सव	बच्चों को फिल्म के जरिए ज्ञानवर्द्धक सीख दी गई।	प्रतिदिन 250 बच्चों ने भाग लिया।
10	27.5.2016	राष्ट्रीय डाक टिकट संग्रहालय का भ्रमण	बच्चों को अनेक तकनीकों तथा विश्व भर में भिन्न-भिन्न किस्म की टिकटों से अवगत कराया।	30 बच्चों ने भाग लिया।
11	27.5.2016	मौसम विभाग का भ्रमण	मौसम के पूर्वानुमान की जानकारी।	42 बच्चों ने भाग लिया।
12	27.5.2016	राष्ट्रीय कृषि विज्ञान संग्रहालय का भ्रमण	स्टेट आर्फ दी आर्ट व राष्ट्रीय कृषि विज्ञान केन्द्र क्रियाकलाप से अवगत कराया।	30 बच्चों ने भाग लिया।
13	28.5.2016-1.6.2016	न्यून लागत के मॉडल एवं फेब्रीकेशन कार्यशाला	इलैक्ट्रॉनिक्स को एक हॉबी के रूप में विकसित एवं बढ़ावा देना।	35 बच्चों ने भाग लिया।

14	28.5.2016	स्वच्छता से सम्बंधित एक नुक्कड़ नाटक का प्रस्तुतीकरण	बच्चों को अपने वातावरण को स्वच्छ रखने हेतु जागृत करना।	2500 बच्चों ने भाग लिया।
15	28.5.2016	मणिपुरी मार्शियल कला का प्रस्तुतीकरण।	अपने आस-पास को स्वच्छ रखने से स्वच्छ वातावरण की शुद्धता से परिचित करना।	2500 बच्चों ने भाग लिया।
16	31.5.2016	राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र का भ्रमण	बच्चों को विज्ञान से सम्बंधित जानकारी देना।	23 बच्चों ने भाग लिया।
17	1.6.2016–5.6.2016	पर्यावरण दिवस पर कार्यशाला	सौर कुकर, जीव एवं वनस्पतियाँ, सजीव और निर्जीव वस्तुएँ, ऊर्जा के स्वरूप का प्रदर्शन एंव जानकारी।	87 बच्चों ने भाग लिया।
18	2.6.2016–4.6.2016	स्टूडियो लाईटिंग कार्यशाला	अच्छी फोटोग्राफी से सम्बंधित जानकारी देना।	46 सहभागियों ने भाग लिया।
19	2.6.2016	एअर फोर्स संग्रहालय का भ्रमण	वायु सेना से सम्बंधित जानकारी देना।	30 बच्चों ने भाग लिया।
20	4.6.2016	राष्ट्रीय संग्रहालय का भ्रमण	ऐतिहासिक वस्तुओं की जानकारी दी गई।	27 बच्चों ने भाग लिया।
21	4.6.2016	पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण से सम्बंधित रैली	सुंदर एवं स्वच्छ वातावरण बनाए रखने की जानकारी प्रदान की गई।	3000 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।
22	7.6.2016	कविता लेखन व वाचन प्रतियोगिता।	उत्साह व लेखन के प्रति प्रोत्साहित करना।	29 बच्चों ने भाग लिया।
23	7.6.2016–9.6.2016	कम्प्यूटर असेम्बलिंग पर कार्यशाला	कम्प्यूटर प्रणाली का आन्तरिक कार्यकरण और कम्प्यूटर प्रणाली संरचना के कार्यान्वयन की जानकारी।	35 बच्चों ने भाग लिया।
24	7.6.2016–9.6.2016	पोट पेंटिंग कार्यशाला	पोट पेंटिंग की जानकारी प्रदान की गई।	30 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।
25	7.6.2016–18.6.2016	आइये अपनी मातृभूमि भारत को तलाशें	बच्चों को हमारी धरोहर से अवगत कराया।	35 बच्चों ने भाग लिया।

26	7.6.2016-18.6.2016	प्रदर्शनी - सृजनात्मक अभिव्यक्ति का प्रदर्शन	बच्चों एवं भ्रमणार्थियों को बाल भवन की गतिविधियों की जानकारी देना।	35 बच्चों ने भाग लिया।
27	8.6.2016	चण्डीगढ़ में बाल सभा और डिजिटल फोटोग्राफी कैम्प	बच्चों का आत्म विश्वास बढ़ाना।	25 बच्चों ने भाग लिया।
28	8.6.2016 9.6.2016	राजस्थानी लोकगीत कार्यशाला	बच्चों को राजस्थानी लोकगीतों की जानकारी देना।	40 बच्चों ने भाग लिया।
29	8.6.2016-9.6.2016	छाऊ नृत्य की कार्यशाला	बच्चों को छाऊ नृत्य की जानकारी देना।	38 बच्चों ने भाग लिया।
30	8.6.2016-11.6.2016	डिजीटल आर्ट कार्यशाला	बच्चों को सृजनात्मक बनने के अवसर प्रदान करना।	34 बच्चों ने भाग लिया।
31	10.6.2016-11.6.2016	थम्ब्स पेंटिंग एवं मार्बल टेक्सचर पेंटिंग कार्यशाला	थम्ब्स पेंटिंग एवं मार्बल टैक्सचर पेंटिंग की जानकारी दी गई।	27 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।
32	10.6.2016	कहानी सुनाना कार्यशाला	बच्चों को वीर और साहसी बनने के लिए प्रेरित करना।	50 बच्चों ने भाग लिया।
33	11.6.2016	खूब लड़ी मर्दानी वो तो झाँसी वाली रानी थी - प्रसिद्ध कविता का गायन एवं कहानी वाचन	बच्चों को राष्ट्र के प्रति जागरूक करना।	लगभग 2300 बच्चों ने भाग लिया।
34	12.6.2016	बाल मजदूरी के खिलाफ स्लोगन लेखन प्रतियोगिता	बच्चों को शिक्षित होने के लिए जागरूक करना।	40 बच्चों ने भाग लिया।
35	14.6.2016	कहानी लेखन कार्यशाला	बच्चों को अपनी प्रतिभा को निखारने व निपुण बनाने से अवगत कराना।	24 बच्चों ने भाग लिया।
36	16.6.2016-21.6.2016	हैम रेडियो कार्यशाला	बच्चों को हैम रेडियो के प्रति जागरूक करना।	32 बच्चों ने भाग लिया।
37	17.6.2016	इन्टरनेट सुरक्षा दिवस।	इंटरनेट सुरक्षा हेतु जागरूक करना।	1500 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।
38	18.6.2016	तीन लोकनृत्यों का प्रस्तुतीकरण	बच्चों को लोकनृत्य के ज़रिए पक्षियों के प्रति जागरूक करना।	लगभग 2500 बच्चों ने प्रर्दशन देखा।

39	21.6.2016	अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस	मनुष्य के जीवन में योग का क्या महत्व है से अवगत कराना था।	3000 बच्चों व स्टाफ ने भाग लिया।
40	22.6.2016	ग्रीष्मोत्सव का भव्य समापन समारोह	कला प्रदर्शन एवं प्रदर्शनी द्वारा बच्चों में उत्साह उत्पन्न करना।	3000 बच्चों ने भाग लिया।
41	15.7.2016-30.7.2016	एअरो मॉडलिंग कार्यशाला	एअरो मॉडल की जानकारी दी गई।	15 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।
42	9.8.2016-20.8.2016	एअरो मॉडलिंग कार्यशाला	एअरो मॉडलिंग फ्लाईंग की जानकारी दी गई।	30 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।
43	9.8.2016-23.8.2016	"आज़ादी पखवाड़ा" आज़ादी-70 - याद करो कुर्बानी कार्यक्रम	बच्चों को देश भक्ति, स्वतंत्रता रस एवं भाव से परिपूर्ण अवगत कराना था।	30 सदस्य बच्चों एवं स्टाफ ने प्रतिदिन भाग लिया। अंतिम दिन लगभग 300 बच्चों के साथ स्टाफ ने भाग लिया।
44	9.8.2016	स्लोगन लेखन प्रतियोगिता	स्लोगन लेखन द्वारा स्वतंत्रता सैनानियों को श्रद्धांजलि	27 सदस्य बच्चों एवं स्टाफ ने भाग लिया।
45	10.8.2016	वीर जवानों हेतु कार्ड बनाने की कार्यशाला	बच्चों में देशभक्ति की भावना को बढ़ाना।	सदस्य बच्चों एवं स्टाफ ने भाग लिया।
46	10.8.2016	डाइट कार्यशाला	अध्यापकों को सृजनात्मकता का महत्त्व समझाना।	100 अध्यापकों ने भाग लिया।
47	11.8.2016	आशुभाषण प्रतियोगिता	बच्चों में देशभक्ति की भावना को बढ़ाना।	28 सदस्य बच्चों एवं स्टाफ ने भाग लिया।
48	12.8.2016	पुस्तकालय दिवस कार्यक्रम पर कविता लेखन व वाचन कहानी लेखन, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता	बच्चों का ज्ञानवर्द्धन करना।	स्कूली बच्चों, सदस्य बच्चों एवं स्टाफ ने भाग लिया।
49	13.8.2016	निबंध लेखन कार्यक्रम	बच्चों का ज्ञानवर्द्धन करना।	बच्चों व स्टाफ ने भाग लिया।
50	16.8.2016	देश भक्ति गीतों का कार्यक्रम	बच्चों में देशभक्ति की भावना को बढ़ाना।	बच्चों व स्टाफ ने भाग लिया।
51	17.8.2016	राष्ट्र भक्ति के नाटक	बच्चों के प्रति देशभक्ति की भावना को बढ़ाना।	बच्चों व स्टाफ ने भाग लिया।

52	19.8.2016	पौधा रोपण कार्यक्रम	बच्चों को पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करना।	बच्चों व स्टाफ ने भाग लिया।
53	19.8.2016	विश्व छायांकन दिवस	बच्चों को विश्व छायांकन दिवस का महत्त्व समझाना।	बच्चों व स्टाफ ने भाग लिया।
54	20.8.2016	"आज़ादी आन्दोलन दौड़" कार्यक्रम	बच्चों में देशभक्ति की भावना को बढ़ाना।	400 बच्चों व स्टाफ ने भाग लिया।
55	23.8.2016	"आज़ादी पखवाड़ा" समापन समारोह	बच्चों को भारतीय कपड़ों के प्रति प्रेरित करना।	300 बच्चों व सभी स्टाफ ने भाग लिया।
56	23.8.2016–23.9.2016	डिजिटल फोटोग्राफी कार्यशाला	बच्चों को डिजिटल फोटोग्राफी की जानकारी देना।	52 सहभागियों ने भाग लिया (16+ आयु वर्ग हेतु)
57	1.9.2016–15.9.2016	"हिन्दी पखवाड़ा" तथा "स्वच्छता पखवाड़ा" कार्यक्रम	बच्चों एवं स्टाफ को हिन्दी में कार्य करने एवं स्वच्छता हेतु प्रेरित करना।	सदस्य बच्चों एवं स्टाफ ने भाग लिया।
58	6.9.2016–30.9.2016	एअरो मॉडलिंग कार्यशाला	बच्चों को ग्लाइडर बनाने की जानकारी देना।	10 बच्चों ने भाग लिया।
59	23.9.2016–24.9.2016	कहानी सुनो कार्यक्रम	बच्चों को कहानी द्वारा नैतिक मूल्य समझाना।	250 बच्चों ने भाग लिया।
60	27.9.2016–28.9.2016	कार्यालयी कामकाज के विकास पर कार्यशाला	स्टाफ को प्रशिक्षण देना।	20 स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।
61	27.9.2016–28.9.2016	सृजन एवं सांस्कृतिक कार्यशाला	सृजन एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के बच्चों के लिए प्रशिक्षण	रा.बा.भ. एवं मांडी के 20 सदस्यों ने भाग लिया।
62	2.11.2016	"सतर्कता जागरूकता सप्ताह"	स्टाफ ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया और शपथ ग्रहण की।	39 स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।
63	9.11.2016	"हिन्दी पखवाड़ा पुरस्कार वितरण कार्यक्रम"	बच्चों एवं स्टाफ को पुरस्कार वितरित करना।	लगभग 55 बच्चों एवं स्टाफ ने पुरस्कार प्राप्त किए।
64	14.11.2016	"मेरा अखबार" कार्यशाला	बच्चों को खुद का अखबार बनाने हेतु प्रेरित करना।	21 बच्चों ने भाग लिया।
65	14.11.2016–16.11.2016	राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर	बच्चों को दोस्ती, सच्चाई और स्नेह के प्रति जागरूक करना।	1700 बच्चों ने प्रथम दिन भाग लिया एवं शेष दिन 300 बच्चों ने भाग लिया। बच्चों के कलात्मक कार्यों, पोस्टरों की प्रदर्शनी लगाई गई।

66	22.11.2016-26.11.2016	कैलेण्डर बनाने की कार्यशाला	बच्चों को सृजनात्मक कैलेण्डर बनाने हेतु प्रेरित करना।	30 बच्चों ने भाग लिया।
67	26.11.2016	संविधान दिवस	संविधान प्रस्तावना का अनुसरण कराना।	50 बच्चों एवं स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।
68	30.11.2016	"आओ सुनो कहानी" कार्यक्रम	कहानी द्वारा बच्चों को प्रेरणा देना।	सृजन स्कूल, मॉडल टाऊन के 60 बच्चों एवं 19 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।
69	12.12.2016-24.12.2016	एअरो मॉडलिंग चक ग्लाइडर फ्लाईग कार्यशाला	बच्चों को चक ग्लाईडर फ्लाईग की जानकारी दी गई।	10 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।
70	16.12.2016	प्रशिक्षण कार्यक्रम	अल्फा अकादमी के प्रतिभागी।	
71	29.12.2016	गतिविधियों में सहभागिता	सरस्वती शिशु मंदिर, सुभाष नगर, दिल्ली के बच्चे।	95 बच्चों ने भाग लिया।
72	29.12.2016	हिन्दी कार्यशाला	"कार्यालयी कामकाज में राजभाषा हिन्दी का सरल प्रयोग"	03 अधिकारियों एवं 27 कर्मचारियों ने भाग लिया।
73	1.1.2017-31.1.2017	एअरो मॉडलिंग कार्यशाला	बच्चों को एअरो मॉडलिंग के सिद्धांत समझाना।	12 बच्चों ने भाग लिया।
74	3.1.2017	"आमोद दिवस"	बच्चों एवं स्टाफ के साथ खेलों द्वारा मनोरंजन करना।	150 स्टाफ एवं 39 बच्चों ने भाग लिया।
75	5.1.2017-24.1.2017	ईशू ट्रेकिंग सिस्टम कार्यक्रम मंत्रालय के सहयोग से	स्टाफ को प्रशिक्षित करना।	28 छात्रों ने भाग लिया।
76	10.1.2017-28.1.2017	एअरो मॉडलिंग चक ग्लाइडर फ्लाईग कार्यशाला	एअरो मॉडलिंग चक ग्लाईडर फ्लाईग की जानकारी देना।	120 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।
77	20.1.2017	पर्यावरण की गतिविधि	डाईट, राजेन्द्र नगर एवं महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल के प्रतिभागियों हेतु।	45 सहभागियों एवं 15 बच्चों ने भाग लिया।
78	21.1.2017	पर्यावरण की गतिविधि	डाईट, राजेन्द्र नगर के प्रतिभागियों हेतु।	50 सहभागियों एवं 10 बच्चों ने भाग लिया।
79	24.1.2017	पर्यावरण की गतिविधि	डाईट, राजेन्द्र नगर के प्रतिभागियों हेतु।	41 सहभागियों एवं 8 बच्चों ने भाग लिया।
80	1.2.2017-28.2.2017	चक ग्लाईडर फ्लाईग कार्यशाला	9 संस्थाओं के बच्चों हेतु चक् ग्लाइडर प्रशिक्षण।	274 छात्रों ने भाग लिया।
81	2.2.2017-4.2.2017	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	गर्वमेंट को.एजू. सीनियर सैकण्ड्री स्कूल, सै. 15 रोहिणी, दिल्ली के बच्चों हेतु गतिविधियों का आयोजन।	74 बच्चों ने भाग लिया।

82	8.2.2017	शिक्षण हेतु निरीक्षण	आर्मी इंस्टीट्यूट आर्फ एजूकेशन, पॉकेट पी-5, सैक्टर सीएचआई, ग्रेटर नोएडा के प्रतिभागियों हेतु।	69 सहभागियों ने भाग लिया।
83	10.2.2017	बालश्री दिशानिर्देश कार्यक्रम	राज्य स्तरीय मीटिंग	19 निदेशकों ने भाग लिया।
84	10.2.2017-11.2.2017	फन गेम	सरकारी स्कूल के बच्चों हेतु सृजनात्मक खेलों का आयोजन।	60 बच्चों ने भाग लिया।
85	14.2.2017-25.2.2017	गतिविधियाँ	एनजीओं एवं स्कूली बच्चों हेतु।	150 बच्चों ने भाग लिया।
86	21.2.2017-22.2.2017 व 25.2.2017	रा.बा.भ. की गतिविधियों में सहभागिता	रा.बा.भ. के उद्देश्य, दर्शन एवं पद्धति की जानकारी दी गई।	एमिटी इंटरनैशनल, नोएडा से 240 बच्चों व 14 अध्यापकों ने तथा एसीएमटी कालेज रिठाला से 72 छात्रों ने भाग लिया।
87	25.2.2017	गतिविधियाँ	एनजीओ-सेंटर फॉर सोशल सक्यूरिटी एंड रीसर्च के बच्चों हेतु।	50 बच्चों ने भाग लिया।
88	11.3.2017	होली उत्सव	बच्चों एवं स्टाफ को समाज में प्रेम एवं सौहादर्य की भावना का संदेश दिया।	53 बच्चों और 100 स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।
89	17.3.2017 व 24.3.2017	प्रत्येक शनिवार को कहानी सुनाने की गतिविधि	नैतिक मूल्यों की अलंकृत कहानियों से अवगत कराया गया।	10 बच्चों ने भाग लिया। 15 बच्चों ने भाग लिया।
90	14.3.2017-25.3.2017	वेस्टेज पेपर मेकिंग एअरोप्लेन कार्यशाला	3 संस्थाओं एवं रा.बा.भ. के सदस्य बच्चों हेतु	105 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।
91	21.3.2017	संगीत कला अकादमी द्वारा रा.बा.भ. का निरीक्षण	कठपुतली खेल दिखाया गया।	20 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।
92	22.3.2017	दांतों की जांच एवं स्वास्थ्य व स्वच्छता शिविर	दांतों के स्वास्थ्य व स्वच्छता से अवगत कराया गया।	155 बच्चों एवं 16 स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।
93	24.3.2017-26.3.2017	24वें राष्ट्रीय युवा पर्यावरणविद् सम्मेलन	बच्चों को छोटे-छोटे कार्य स्वय करने की प्रेरणा देना।	26 राज्य बाल भवनों एवं स्काउट विभाग के 120 बच्चों और 30 एस्कोर्टस ने भाग लिया।

विशेष उपलब्धियाँ

1. 4 और 5 मई, 2016 को बालश्री चयन हेतु "राष्ट्रीय बाल श्री शिविर" कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में पूरे देशभर से लगभग 369 बच्चों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के दौरान बच्चों में छिपी सृजनात्मक क्षमता को उभारा।
2. 6 मई से 7 मई, 2016 को "हमारी विरासत की खोज" में बच्चों को निर्वाचीन सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक विरासत को अक्षुण्य बनाए रखने के लिए जागरूक करने हेतु राष्ट्रीय बाल संग्रहालय की कार्यशाला का आयोजन किया गया।
3. 12 मई से 14 मई, 2016 को कम्प्यूटर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों एवं प्रत्येक व्यक्ति के जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में कम्प्यूटर के महत्व की जानकारी दी गई।
4. 17 मई, 2016 विश्व दूर-संचार दिवस कार्यक्रम मनाया गया जिसमें बच्चों को दूर-संचार के इतिहास और इसके महत्व से अवगत कराया गया।
5. 17 मई, 2016 से 22 जून, 2016 ग्रीष्मकालीन सत्र का आयोजन किया गया इस सत्र तक 5958 बच्चों ने पंजीकरण कराया और रा.बा.भ. में चल रही 40 गतिविधियों में प्रतिदिन 3000 बच्चों ने भाग लिया।
6. 26 मई, 2016 को बच्चों को ऐतिहासिक वस्तुओं की जानकारी से अवगत कराने के लिए बच्चों को दिल्ली मेट्रो संग्रहालय का भ्रमण कराया गया।
7. 27 मई, 2016 को बच्चों को अनेक तकनीकों तथा विश्व भर में भिन्न-भिन्न किस्म की टिकटों से अवगत कराने हेतु बच्चों को राष्ट्रीय डाक टिकट संग्रहालय का भ्रमण कराया।
8. 27 मई, 2016 को बच्चों को मौसम विभाग का भ्रमण, मौसम के पूर्वानुमान की जानकारी कैसे ली जाती है से अवगत कराने के लिए ले जाया गया।
9. 27 मई, 2016 को बच्चों को राष्ट्रीय कृषि विज्ञान संग्रहालय का भ्रमण हेतु ले जाया गया जिसमें बच्चों को दी स्टेट ऑफ आर्ट व राष्ट्रीय कृषि विज्ञान केन्द्र क्रियाकलाप से अवगत कराया गया।
10. 28 मई, 2016 को बच्चों के लिए न्यून लागत के मॉडल एवं फेब्रीकेशन कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें बच्चों द्वारा इलैक्ट्रॉनिक्स को एक हॉबी के रूप में विकसित एवं बढ़ावा देना था।
11. 31 मई, 2016 को बच्चों को राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र का भ्रमण कराया गया जिसमें बच्चों को विज्ञान से सम्बंधित जानकारी दी गई।
12. 1 जून, 2016 से 5 जून, 2016 तक बच्चों के लिए पर्यावरण दिवस पर कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें बच्चों को सौर कुकर, जीव एवं वनस्पतियों, सजीव और निर्जीव वस्तुएँ, ऊर्जा के स्वरूप का प्रदर्शन एवं जानकारी दी गई।

13. 2 जून, 2016 से 4 जून, 2016 तक बच्चों के लिए स्टूडियो लाईटिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों को अच्छी फोटोग्राफी से सम्बंधित जानकारी दी गई।

14. 2 जून, 2016 को बच्चों को एअर फोर्स संग्रहालय का भ्रमण कराया गया भ्रमण के जरिए वायु सेना से सम्बंधित जानकारी दी गई।

15. 4 जून, 2016 को बच्चों को राष्ट्रीय संग्रहालय का भ्रमण कराया गया इस भ्रमण के द्वारा बच्चों को ऐतिहासिक वस्तुओं की जानकारी दी गई।

16. 4 जून, 2016 को "पर्यावरण दिवस" के अवसर पर बच्चों ने पर्यावरण की रक्षा को लेकर रैली निकाली।

17. 7 जून, 2016 को कविता लेखन व वाचन प्रतियोगिता आयोजित की गई इस प्रतियोगिता द्वारा बच्चों को सुंदर एवं स्वच्छ वातावरण बनाए रखने की जानकारी प्रदान की गई।

18. 7 जून, 2016 से 9 जून, 2016 तक कम्प्यूटर असेम्बलिंग पर कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें बच्चों को कम्प्यूटर प्रणाली का आन्तरिक कार्यकरण और कम्प्यूटर प्रणाली संरचना के कार्यान्वयन की जानकारी दी गई।

19. 7 जून, 2016 से 9 जून, 2016 तक बच्चों के लिए पोट पेंटिंग कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें पोट पेंटिंग की जानकारी प्रदान की गई।

20. 7 जून, 2016 से 18 जून, 2016 तक बच्चों के लिए "आइये अपनी मातृभूमि भारत को तलाशें" कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें बच्चों को हमारी धरोहर से अवगत कराया गया।

21. 7 जून, 2016 से 18 जून, 2016 तक बच्चों के लिए प्रदर्शनी के द्वारा सृजनात्मक अभिव्यक्ति का प्रदर्शन किया गया जिसमें बच्चों एवं भ्रमणार्थियों को बाल भवन की गतिविधियों की जानकारी दी गई।

22. बाल सभा और डिजिटल फोटोग्राफी कैम्प चण्डीगढ़ में आयोजित किया गया जिसमें बच्चों को आत्म विश्वास बढ़ाने हेतु प्रेरित किया गया।

23. 8 जून, 2016 से 9 जून, 2016 तक बच्चों के लिए राजस्थानी लोकगीत कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें बच्चों को राजस्थानी लोकगीतों की जानकारी दी गई।

24. 12 जून, 2016 को बच्चों के लिए बाल मजदूरी के खिलाफ स्लोगन लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें शिक्षित होने के लिए जागरूक किया गया।

25. 15 जुलाई, 2016 से 30 जुलाई, 2016 तक एअरो मॉडलिंग कार्यशाला बच्चों के लिए आयोजित की गई जिसमें हवाई जहाज़ के मॉडल की जानकारी दी गई।

26. 9 अगस्त, 2016 से 20 अगस्त, 2016 तक एअरो मॉडलिंग कार्यशाला बच्चों के लिए आयोाजित की गई जिसमें हवाई जहाज़ उडा़ने जानकारी दी गई।

27. 9 अगस्त, 2016 से 23 अगस्त, 2016 को "आज़ादी पखवाड़ा" आज़ादी-70-याद करो कुर्बानी कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें बच्चों को देश भक्ति, स्वतंत्रता रस एवं भाव से परिपूर्ण अवगत कराया गया।

28. 9 अगस्त, 2016 से 23 अगस्त, 2016 को "आज़ादी पखवाड़ा" के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं रखी गई जिसमें रा.बा.भ. के सदस्य बच्चों, सदस्य स्कूली बच्चों एवं स्टाफगण ने भाग लिया।

29. 10 अगस्त, 2016 को डाइट, कार्यशाला आर.के. पुरम के छात्रों के लिए आयोजित की गई।

30. 12 अगस्त, 2016 को पुस्तकालय विज्ञान के जनक डॉ. एस.आर. रंगानाथन अय्यर के जन्म दिवस पर "आज़ादी–70–याद करो कुर्बानी" की थीम पर आधारित सदस्य बच्चों, सदस्य स्कूली बच्चों एवं सदस्य स्टाफ के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

31. 6 सितम्बर, 2016 से 30 सितम्बर, 2016 को एअरो मॉडलिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों को चक् ग्लाइडर बनाने की जानकारी दी गई।

32. 23 सितम्बर, 2016 से 24 सितम्बर, 2016 को "कहानी सुनो कार्यक्रम" आयोजित किया गया जिसमें बच्चों को कहानी द्वारा नैतिक मूल्यों से अवगत कराया गया।

33. 14 नवम्बर, 2016 को "मेरा अखबार कार्यशाला" आयोजित की गई जिसमें बच्चों को खुद का अखबार बनाने हेतु प्रेरित किया गया।

34. 14 नवम्बर, 2016 से 16 नवम्बर, 2016 तक राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर आयोजित किया गया जिसमें बच्चों को दोस्ती, सच्चाई और स्नेह के प्रति जागरूक किया गया।

35. 22 नवम्बर, 2016 से 26 नवम्बर, 2016 को कैलेण्डर बनाने की कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें बच्चों को सृजनात्मक कैलेण्डर बनाने हेतु प्रेरित किया गया।

36. 30 नवम्बर, 2016 को "आओ सुनो कहानी" कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कहानी द्वारा बच्चों को प्रेरणा प्रदान की गई।

37. 12 दिसम्बर, 2016 से 24 दिसम्बर, 2016 तक एअरो मॉडलिंग चक ग्लाईडर फ्लाईंग कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों को चक् ग्लाईडर फ्लाईंग की जानकारी दी गई।

38. 16 दिसम्बर, 2016 को अल्फा अकादमी के प्रतिभागियों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

39. 29 दिसम्बर, 2016 को सरस्वती शिशु मंदिर, सुभाष नगर के सहभागियों की गतिविधियों की सहभागिता रही।

40. 1 जनवरी, 2017 से 31 जनवरी, 2017 तक एअरो मॉडलिंग कार्यशाला में बच्चों को एअरो मॉडलिंग के सिद्धांतों के अवगत कराया गया।

41. 10 जनवरी, 2017 से 28 जनवरी, 2017 तक एअरो मॉडलिंग चक ग्लाईडर फ्लाईंग कार्यशाला के दौरान बच्चों को एअरो मॉडलिंग चक ग्लाईडर फ्लाईंग की जानकारी दी गई।

42. 20 जनवरी, 2017 को पर्यावरण की गतिविधि में डाइट, राजेन्द्र नगर एवं महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल के 45 प्रतिभागियों एवं 15 बच्चों ने सहभागिता प्राप्त की।

43. 21 जनवरी, 2017 को पर्यावरण की गतिविधि में डाईट, राजेन्द्र नगर के 50 प्रतिभागियों एवं 10 बच्चों ने सहभागिता प्राप्त की।

44. 24 जनवरी, 2017 को पर्यावरण की गतिविधि में डाईट, राजेन्द्र नगर के 41 प्रतिभागियों एवं 8 बच्चों ने सहभागिता प्राप्त की।

45. 1 फरवरी, 2017 से 28 फरवरी, 2017 तक चक ग्लाईडर फ्लाईंग कार्यशाला 9 संस्थाओं के 274 छात्रों हेतु आयोजित की गई।

46. 2 फरवरी, 2017 से 4 फरवरी, 2017 तक तीन दिवसीय गतिविधियों में गर्वमेंट को. एजू. सीनियर सैकण्ड्री स्कूल, सै. 15 रोहिणी, दिल्ली के 74 बच्चों ने सहभागिता प्राप्त की।

47. 8 फरवरी, 2017 को शिक्षण हेतु निरीक्षण कार्यक्रम में आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ एजूकेशन पॉकेट पी-5, सै. सीएचआई, ग्रेटर नोएडा के 69 सहभागियों ने सहभागिता प्राप्त की।

48. 10 फरवरी, 2017 को बालश्री निशानिर्देश कार्यक्रम के दौरान एक राज्य स्तरीय बैठक में 19 निदेशकों ने भाग लिया।

49. 10 फरवरी, 2017 से 11 फरवरी, 2017 को सरकारी स्कूल के बच्चों हेतु फन गेम द्वारा सृजनात्मक खेलों का आयोजन किया गया।

50. 14 फरवरी, 2017 से 25 फरवरी, 2017 को एनजीओ एवं स्कूली बच्चों हेतु गतिविधियाँ आयोजित की गई जिसमें 150 बच्चों ने भाग लिया।

51. 21 फरवरी, 2017 व 22 फरवरी, 2017 तथा 25 फरवरी, 2017 को गतिविधियों के जरिए रा.बा.भ. के उद्देश्य, दर्शन एवं पद्धति की जानकारी एमिटी इंटरनेशनल, नोएडा से 246 बच्चों व 14 अध्यापकों तथा एसीएमटी कालेज रिठाला से 72 छात्रों को दी गई।

52. 25 फरवरी, 2017 को एनजीओ - सेंटर फार सोसियल सक्यूरिटी एंड रिसर्च के बच्चों हेतु गतिविधियाँ आयोजित की गई।

53. 14 मार्च, 2017 से 25 मार्च, 2017 को "वेस्टेज पेपर मेकिंग एअरोप्लेन कार्यशाला" आयोजित की गई जिसमें 3 संस्थाओं एवं 105 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।

54. 17 मार्च, 2017 व 24 मार्च, 2017 को प्रत्येक शनिवार को कहानी सुनाने की गतिविधि आयोजित की गई जिसमें नैतिक मूल्यों की अलंकृत कहानियों से अवगत कराया गया।

55. 21 मार्च, 2017 को संगीत कला अकादमी द्वारा निरीक्षण किया गया। इस दौरान बच्चों को कठपुतली खेल दिखाया गया।

56. 24 मार्च, 2017 से 26 मार्च, 2017 को 24वें राष्ट्रीय युवा पर्यावरणविद् सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें बच्चों को छोटे-छोटे कार्य स्वयं करने की प्रेरणा प्रदान की गई इस कार्यक्रम में 26 राज्य बाल भवनों एवं स्काउट विभाग के 120 बच्चों और 30 एस्कोर्टस ने भाग लिया।

57. राष्ट्रीय बाल भवन की वार्षिक सदस्यता 6095 (3586 लड़के, 2509 लड़कियां)। जवाहर बाल भवन मांडी में 800 बच्चों ने पंजीकरण कराया। दिल्ली के 48 बाल भवन केन्द्रों में 10,993 बच्चों का पंजीकरण किया गया।

58. राष्ट्रीय बाल भवन के कुछ स्टाफगणों द्वारा राष्ट्रपति भवन के स्टाफ के बच्चों के लिए गतिविधियाँ आयोजित की गई।

सहयोगात्मक कार्यक्रम

- 22 अप्रैल, 2016 को "टैट्रापैक" के सहयोग से "पृथ्वी दिवस" कार्यक्रम आयोजन किया गया। इसमें लगभग 300 बच्चों ने भाग लिया।
- 17 मई, 2016 को इंटरनेट सुरक्षा दिवस के आयोजन में विशेषज्ञ डॉ. रतन दत्ता, कु. निशा दुआ द्वारा बच्चों को इंटरनेट सुरक्षा से सम्बंधित जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में 1500 बच्चों ने भाग लिया।
- 26 मई से 21 जून, 2016 तक भारतीय बाल चित्र समिति (सी एफ एस आई) के सहयोग से बाल फिल्मोत्सव का आयोजन किया गया, इसमें 3000 से ज्यादा बच्चों ने फिल्में देखीं।
- 28 मई, 2016 को "गौवंश" एनजीओ ने बच्चों के सम्मुख एक नाटक के जरिए "अपने आस-पास को स्वच्छ रखें" विषय पर मार्ग दर्शन दिया।
- 28 मई, 2016 को विशेषज्ञ - मणिपुरी मार्शियल कलाकार द्वारा मणिपुरी मार्शियल कला का प्रस्तुतीकरण द्वारा अपने आस-पास को स्वच्छ रखने से स्वच्छ वातावरण की शुद्धता से परिचित कराया।
- 8 जून, 2016 से 9 जून, 2016 को विशेषज्ञ - श्री स्वप्न आचार्य जी ने छाऊ नृत्य की कार्यशाला द्वारा बच्चों को छाऊ नृत्य की जानकारी दी।
- 8 जून, 2016 से 11 जून, 2016 को विशेषज्ञ - श्री तरूण अनेजा - व. ग्राफिक डिज़ाईनर द्वारा डिजीटल आर्ट कार्यशाला से बच्चों को सृजनात्मक बनने से अवगत कराया।
- 10 जून, 2016 को विशेषज्ञ - श्री रजनी कांत शुक्ल द्वारा कहानी सुनाना कार्यशाला द्वारा बच्चों को वीर और साहसी बनने के लिए प्रेरित किया।
- 11 जून, 2016 को विशेषज्ञ - कहानी वाचक - श्रीमती ऊषा छाबड़ा तथा गायक पं. अरूण कुमार मिश्रा ने खूब लड़ी मर्दानी वो तो झाँसी वाली रानी थी - प्रसिद्ध कविता का गायन एवं कहानी वाचन द्वारा बच्चों को राष्ट्र के प्रति जागरूक करने से अवगत कराया गया।
- 14 जून, 2016 को विशेषज्ञ - सुश्री रश्मि लूथरा ने कहानी लेखन कार्यशाला द्वारा बच्चों को अपनी प्रतिभा निखारने व निपुण बनाने से अवगत कराया।
- 16 जून, 2016 से 21 जून, 2016 तक "हैम रेडियो" कार्यशाला विशेषज्ञ - श्री संदीप बरूआ ने बच्चों के बीच बढ़ती अभिरूचि की जरूरतों को पूरा करने के लिए आयोजित की गई।

- 17 जून, 2016 को इंटरनेट सुरक्षा दिवस के दौरान लगभग 1500 सदस्य बच्चों को इंटरनेट सुरक्षा से जागरूक करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- 18 जून, 2016 को दाना–पानी की संस्था के सहयोग द्वारा पक्षियों की दीर्घायु व खुशहाल वातावरण के प्रति बच्चों को जगरूक किया।
- 22 जून, 2016 को ग्रीष्मोत्सव का भव्य समापन समारोह में आमंत्रित पद्मविभूषण श्री जतिन दास के सहयोग से कला प्रदर्शन एवं प्रदर्शनी द्वारा बच्चों में उत्साह उत्पन्न करना था।
- 27 सितम्बर से 28 सितम्बर, 2016 को सृजन एवं सांस्कृतिक कार्यशाला "स्वयं फाउण्डेशन" के सहयोग द्वारा आयोजित की गई जिसमें रा.बा.भ. एवं मांडी के 20 सदस्यों को सृजन एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए प्रशिक्षण दिया गया।
- 23 अगस्त से 23 सितम्बर, 2016 तक 16+ आयु वर्ग के लिए डिजिटल फोटोग्राफी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें 52 व्यक्तियों ने भाग लिया।
- 14 नवम्बर, 2016 से 16 नवम्बर, 2016 को "राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर" कार्यक्रम में देशभर से 17 राज्यों के मान्यता प्राप्त बाल भवनों तथा बाल केन्द्रों के 300 सदस्य बच्चों और 80 अनुरक्षकों और दिल्ली बाल केन्द्रों के 1000 सदस्य बच्चों एवं जवाहर बाल भवन मांडी के 100 बच्चों ने 14 नवम्बर, 2016 को भाग लिया।
- 14 नवम्बर, 2016 से 16 नवम्बर, 2016 को "राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर" में राष्ट्रीय बाल भवन, जवाहर बाल भवन मांडी तथा दिल्ली के बाल भवन केन्द्रों के 68 सदस्य बच्चों व 5 प्रशिक्षकों ने सहभागिता प्राप्त की।
- 14 नवम्बर, 2016 से 16 नवम्बर, 2016 को "राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर" के दौरान विभिन्न कार्यशालाओं एवं गतिविधियों में 11 सदस्य स्कूलों (सरकारी एवं प्राइवेट) के करीब 150 बच्चों ने भाग लिया।

स्टाफ सदस्यो के लिए कार्यक्रम

- 21 जून, 2016 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 3000 बच्चों एवं स्टाफ ने भाग लिया।
- 30 जून, 2016 को हिंदी कार्यशाला के आयोजन पर 22 सहभागियों ने भाग लिया।
- 30 जून, 2016 को राजभाषा की तिमाही बैठक के आयोजन पर 22 सहभागियों ने भाग लिया।
- 9 अगस्त, 2016 से 23 अगस्त, 2016 को बच्चों को देश भक्ति, स्वतंत्रता रस एवं भाव से परिपूर्ण अवगत कराने हेतु "आज़ादी पखवाड़ा" आज़ादी - 70 - याद करो कुर्बानी कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 30 सदस्य एवं स्टाफ ने प्रतिदिन भाग लिया। अंतिम दिन लगभग 300 बच्चों के साथ स्टाफ ने भाग लिया।
- 9 अगस्त, 2016 को स्वतंत्रता सैनानियों को श्रद्धांजलि देने के लिए स्लोगन लेखन प्रतियोगिता रखी गई जिसमें 27 सदस्य बच्चों एवं स्टाफ ने भाग लिया।
- 10 अगस्त, 2016 को बच्चों में देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देने के लिए वीर जवानों हेतु कार्ड बनाने की कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें सदस्य बच्चों एवं स्टाफ ने भाग लिया।

- 11 अगस्त, 2016 को बच्चों में देशभक्ति की भावना को बढ़ाने के लिए आशुभाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें 28 सदस्य बच्चों के साथ स्टाफ ने भाग लिया।
- 12 अगस्त, 2016 को पुस्तकालय दिवस कार्यक्रम पर कविता लेखन व वाचन कहानी लेखन, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता बच्चों का ज्ञानवर्द्धन बढ़ाने हेतु आयोजित की गई जिसमें स्कूली बच्चों, सदस्य बच्चों एवं स्टाफ ने भाग लिया।
- 13 अगस्त, 2016 को निबंध लेखन कार्यक्रम बच्चों का ज्ञानवर्द्धन बढ़ाने के लिए आयोजित किया गया जिसमें बच्चों व स्टाफ ने भाग लिया।
- 16 अगस्त, 2016 को देश भक्ति गीतों का कार्यक्रम द्वारा बच्चों में देशभक्ति की भावना को बढ़ाने के लिए आयोजित किया गया इस कार्यक्रम में बच्चों व स्टाफ ने भाग लिया।
- 17 अगस्त, 2016 को देश भक्ति नाटक कार्यक्रम बच्चों के अंदर देशभक्ति की भावना को जगाने के लिए आयोजित किया गया जिसमें बच्चों व स्टाफ ने भाग लिया।
- 19 अगस्त, 2016 को “आज़ादी पखवाड़ा” के अवसर पर पौधा रोपण का आयोजन हुआ जिसमें स्टाफ ने भाग लिया।
- 19 अगस्त, 2016 को विश्व छायांकन दिवस मनाया गया जिसमें बच्चों को विश्व छायांकन दिवस का महत्त्व समझाया। इस कार्यक्रम में बच्चों व स्टाफ ने भाग लिया।
- 20 अगस्त, 2016 को “आज़ादी पखवाड़ा” के अवसर पर आज़ादी आंदोलन दौड़ कार्यक्रम के अवसर पर स्टाफ ने टोपियाँ पहनकर 3 किलोमीटर की दौड़ पूरी की।
- 23 अगस्त, 2016 को “आज़ादी पखवाड़ा” के समापन समारोह के अवसर पर फैशन शो कार्यक्रम द्वारा बच्चों को भारतीय कपड़ों के प्रति प्रेरित किया गया। इस कार्यक्रम में 300 बच्चों व सभी स्टाफ ने भाग लिया।
- 1 सितम्बर से 15 सितम्बर, 2016 तक “स्वच्छता पखवाड़ा” के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिसमें बच्चों व स्टाफ ने भाग लिया।
- 1 सितम्बर से 15 सितम्बर, 2016 तक “हिंदी पखवाड़ा” के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिसमें बच्चों व 54 स्टाफ ने भाग लिया।
- 16 सितम्बर, 2016 को हिंदी कार्यशाला के आयोजन पर 21 सहभागियों ने भाग लिया।
- 16 सितम्बर, 2016 को राजभाषा की तिमाही बैठक में 13 सहभागियों ने भाग लिया।

- 27 सितम्बर, 2016 से 28 सितम्बर, 2016 को कार्यालयी कामकाज के विकास पर कार्यशाला द्वारा स्टाफ को प्रशिक्षण दिया गया जिसमें 15 सदस्यों ने भाग लिया।
- 27 सितम्बर, 2016 से 28 सितम्बर, 2016 को "स्वयं फाउण्डेशन" के सहयोग द्वारा सृजन एवं सांस्कृतिक कार्यशाला के ज़रिए बच्चों के लिए प्रशिक्षण दिया गया जिसमें रा.बा.भ. एवं मांडी के 20 सदस्यों ने भाग लिया।
- 2 नवम्बर, 2016 को "सतर्कता जागरूकता सप्ताह" मनाया गया जिसमें 39 स्टाफ ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया और शपथ ग्रहण की।
- 9 नवम्बर, 2016 को "हिंदी पखवाड़ा पुरस्कार वितरण कार्यक्रम" बच्चों व स्टाफ को पुरस्कार वितरित किए गए। इस कार्यक्रम में 55 बच्चों एवं स्टाफ ने पुरस्कार प्राप्त किए।
- 26 नवम्बर, 2016 को संविधान दिवस मनाया गया जिसमें 50 बच्चों एवं स्टाफ ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया।
- 29 दिसम्बर, 2016 को हिंदी कार्यशाला के द्वारा "कार्यालयी कामकाज में राजभाषा हिन्दी का सरल प्रयोग" कार्यक्रम में 30 कर्मचारियों ने भाग लिया।
- 29 दिसम्बर, 2016 को राजभाषा की तिमाही बैठक में 12 सहभागियों ने भाग लिया।
- 3 जनवरी, 2017 को आमोद दिवस मनाया गया। 150 स्टाफ एवं 39 बच्चों ने इसमें उत्साह के साथ भाग लेकर आनन्द उठाया।
- 5 जनवरी, 2017 से 24 जनवरी, 2017 तक स्टाफ को प्रशिक्षित करने के लिए ईशू ट्रेकिंग सिस्टम कार्यक्रम मंत्रालय के सहयोग द्वारा आयोजित किया गया।
- 11 मार्च, 2017 को होली उत्सव का आयोजन किया गया इस उत्सव के ज़रिए बच्चों एवं स्टाफ को समाज में प्रेम एवं सौहादर्य की भावना का संदेश दिया। इस कार्यक्रम में 100 स्टाफ एवं 53 बच्चों ने भाग लिया।
- 22 मार्च, 2017 को दांतों की जांच एवं स्वास्थ्य व स्वच्छता शिविर – मौलाना आज़ाद मेडिकल कालेज के डॉक्टरों के सहयोग द्वारा आयोजित किया गया। इस शिविर का उद्देश्य था – दांतों के स्वास्थ्य व स्वच्छता से अवगत कराना। इस कार्यक्रम में 155 बच्चों एवं 16 स्टाफ ने भाग लिया।

रिपोर्ट

पृथ्वी दिवस

22 अप्रैल, 2016 को **"पृथ्वी दिवस"** राष्ट्रीय बाल भवन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर "फ्रेंड ऑफ ट्रीस" की सुश्री रंजना सैकिया मुख्य अतिथि थीं। इस कार्यक्रम का वित्तपोषण टैट्रापैक के सौजन्य से किया गया। सदस्य बच्चों ने पोस्टर और बैनर बनाने के साथ-साथ व्यर्थ सामग्री के पुर्नप्रयोग गतिविधि में भाग लिया। सभी सहभागियों को सहभागिता की प्रत्येक श्रेणी में बच्चों को पुरस्कार और प्रमाण- पत्र प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम में लगभग 300 बच्चों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय बालश्री शिविर

राष्ट्रीय बाल भवन ने 1995 में राष्ट्रीय बालश्री योजना की शुरुआत की थी। राष्ट्रीय बालश्री सम्मान योजना चार प्रमुख क्षेत्रों में बच्चों की सृजनात्मक क्षमता को पहचान कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। बच्चों की सृजनात्मक क्षमता का विकास करने की दिशा में यह राष्ट्रीय बाल भवन की एक पहल है। इसे ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय बाल भवन ने बच्चों के लिए इसे और समावेशी बनाने एवं सृजनात्मक प्रतिभा की खोज करने के उद्देश्य से बालश्री योजना को 2015 में संशोधित किया।

बालश्री के चयनित राज्य स्तरीय सहभागियों हेतु 4 और 5 मई, 2016 को दो दिवसीय **"राष्ट्रीय शिविर"** का आयोजन किया गया। पूरे भारत भर के 404 बच्चों में से 369 बच्चों ने बालश्री की चार श्रेणियों की 16 उप-विधाओं में भाग लिया।

राष्ट्रीय बाल संग्रहालय कार्यशाला/कार्यक्रम

दिनाँक 6 और 7 मई, 2016 को राष्ट्रीय संग्रहालय द्वारा **"हमारी विरासत की खोज"** दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें दिल्ली की समृद्ध विरासतों को संजोने में योगदान करने तथा इसके प्रति अपना लगाव स्थापित करने के साथ-साथ अर्वाचीन सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एंव प्राकृतिक विरासत को अक्षुण्य बनाए रखने के लिए वे क्या कदम उठा सकते हैं, इसकी जानकारी प्रदान करना ही इसका उद्देश्य था।

दिनाँक 26 मई, 2016 को **"संग्रहालयों की खोज-हमारे गौरवमयी अतीत एवं विरासत का खजाना"** से जुड़े 30 सदस्य बच्चों को "दिल्ली मेट्रो संग्रहालय" भ्रमण के लिए ले जाया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को इस संग्रहालय की अवधारणा के पीछे के इतिहास की जानकारी देना दिल्ली मेट्रो के विकास के विभिन्न चरणों को क्रमबद्धता द्वारा महसूस कराना था कि इसके निर्माण में क्या-क्या और कैसे प्रयास करने पड़े। सार्वजनिक परिवहन की तीव्र आधुनिक पद्धति के विकास की कहानी को प्रदर्शित माध्यमों - सुरंग खोदने की मशीन तथा मैट्रो-ट्रैकों के निर्माण में प्रयुक्त औज़ारों, मैट्रो के निर्माण कार्य के दौरान विभिन्न क्षमताओं में काम करते समय इस चुनौतीपूर्ण कार्य आदि की प्रक्रिया को फोटोग्राफिक रूप से प्रदर्शित किया है, जिसे बच्चों ने देखा और सराहा, इसके पश्चात् बच्चों को डाक भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली स्थित - राष्ट्रीय डाक टिकट संग्रहालय के भ्रमण पर ले जाया गया। इनको बताया गया कि इस संग्रहालय का उद्देश्य लोगों को डाक प्रणाली के विकास और तकनीक के इतिहास को क्रमबद्ध रूप में प्रदर्शित करने के साथ-साथ लोगों को विभिन्न अवसरों पर जारी डाक टिकटों के संग्रह के बारे में शिक्षित करना है, जिसमें भारत के भीतर दुर्लभतम टिकटें भी शामिल हैं। बच्चों ने अनेकानेक तकनीकों तथा विश्व भर में विभिन्न अवसरों पर जारी की गई भिन्न-भिन्न किस्म की टिकटों के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस भ्रमण से बच्चों ने सीखा कि संग्रहालय हमारे अतीत से सम्बंधित पुरानी वस्तुओं का न केवल संग्रह, अनुरक्षण, प्रलेखन एवं प्रदर्शन करते हैं अपितु वे हमारी भावी पीढ़ी के लिए समकालिक वस्तुओं और जानकारी के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।

दिनाँक 2 जून, 2016 **"संग्रहालयों का इस्तेमाल"** - हमारे गौरवशाली अतीत एवं विरासत का खजाना' के अन्तर्गत बच्चों को पालम रोड़ स्थित एअर फोर्स संग्रहालय के भ्रमण पर ले जाया गया। पहले बच्चों को इंडोर गैलरी में घुमाया जिसमें भारतीय वायु सेना द्वारा किए गए विभिन्न महत्वपूर्ण आप्रेशनों में इस्तेमाल हथियार और औज़ारों को दर्शाते हुए जानकारी दी गई। इसके पश्चात् आउट डोर गैलरी में बच्चों को हैंगर में खड़े भारतीय वायु सेना के छोटे विमान के साथ-साथ युद्ध की ट्राफियाँ, रडार, उपकरण, तथा दुश्मन की सेना से छीने गए टैंक आदि की जानकारी दी गई।

दिनाँक 4 जून, 2016 **"संग्रहालयों का इस्तेमाल"** - हमारे गौरवशाली अतीत एवं विरासत का खज़ाना' के अन्तर्गत बच्चों को जनपथ स्थित राष्ट्रीय संग्रहालय भ्रमण हेतु ले जाया गया। यहां की हड़प्पा गैलरी से बच्चों ने सिन्धु घाटी यानी "हड़प्पा सभ्यता" की जानकारी ली, बच्चों ने प्राचीन सभ्यता के प्राचीन शहरों - हड़प्पा और मोहन जोदड़ो, उनके बर्तन, जेवरात, औज़ार और शहरों मौर्य, सुंगा, गंधारा, गुप्त, कांस्य, बुद्ध, मिनिएचर पेंटिंग व डेकोरेटिव आर्ट संग्रहालय आदि की जानकारी ली।

दिनाँक 7 से 18 जून, 2016 तक **"भारत की विविध संस्कृति, पारम्परिक कला और शिल्प की समृद्धि"** के बारे में तथा भारत की कम से कम एक पारम्परिक शिल्प की दक्षता सिखाने एवं उनमें इनके प्रति आकर्षण एवं गौरव की भावना का सूत्रपात करने के दृष्टिगत एक 10 दिवसीय कार्यक्रम "आइये अपनी मातृभूमि को खोजें" आयोजित किया गया। इसमें 35 बच्चों ने भाग लिया जिसमें बच्चों ने भारत के राज्यों की संख्या, भाषायें, मुख्य पर्व, पारम्परिक वेश-भूषा तथा प्रत्येक राज्य के मुख्य-मुख्य खान-पान की जानकारी प्राप्त की। 8 जून, 2016 को बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन में **"हमारा भारत प्रदर्शनी"** का भ्रमण किया जिसमें विशेष रूप से तैयार किए गए पावर प्वाइंट के जरिए भारत के प्रत्येक राज्य के पारम्परिक शिल्प के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। सहभागियों को वीडियो फिल्म के जरिए हमारे देश के विभिन्न शिल्पों जैसेः- धातु को ढालना, उड़ीसा में धागा रंगना तथा बुनाई, राजस्थान और गुजरात की ब्लॉक प्रिंटिंग, कर्नाटक की लकड़ी के खिलौने बनाने तथा शिल्प पर लैक्कर का रंग चढ़ाना व पश्चिम बंगाल का बर्त्तन निर्माण व टेराकोटा और रेशमी धागा बुनाई तथा इक्कत बुनाई का प्रदर्शन किया गया।

9 जून, 2016 को सहभागियों को **"राष्ट्रीय हस्तशिल्प एवं हथकरघा संग्रहालय"** प्रगति मैदान का भ्रमण कराया गया। यहाँ जाकर बच्चों ने बनारसी साड़ियों की बुनाई के विभिन्न पहलूओं की जानकारी प्राप्त की। 10 जून, 2016 को सहभागियों को सर्वप्रथम भारत के विभिन्न राज्यों के पेपर मैशी शिल्प के बारे में पॉवर प्वाइंट के जरिए

अवगत कराया गया, जिसमें उन्होंने जम्मू-कश्मीर व बिहार के पेपर मैशी की जानकारी प्राप्त की। 11 जून, 2016 को पेपर मैशी से बाऊल के साथ-साथ प्लेट बनाने की कला को प्रदर्शित करके कागज़ से पेपर मैशी के माध्यम से बाऊल अथवा प्लेट बच्चों द्वारा तैयार कराई गई। 14 जून, 2016 को बच्चों को रेगमार के साथ पेपर की बाऊल/प्लेटों को घिसने के बाद चीजों को सजाने संवारने की तकनीक सिखाई गई तथा रंग और ब्रश के इस्तेमाल से इनके ऊपर विभिन्न डिज़ाइन बनाने सिखाए गए। 15 जून को बच्चों को पेपर मैशी के साथ प्लाईवुड के एक पीस पर बिहार/गुजरात के पारम्परिक शिल्प को तैयार करने की तकनीक प्रदर्शित की गई तथा छोटे-छोटे शीशों द्वारा सजाने के तरीके बताए गए।

16 जून, 2016 को बच्चों ने प्राकृतिक खनिजों से पारम्परिक शिल्प की रंगाई करना सीखा। खड़िया मिट्टी और डस्ट व सफेद जैसे अन्य रंगों से इन्हें रंगा गया। 17 जून, 2016 को बच्चों को स्वयं की बनाई गई कलाकृतियों को प्रदर्शित करने के तरीकों से अवगत कराया। बच्चों को पेडस्टल व लेबल कैसे तैयार करें और विभिन्न वस्तुओं को प्रदर्शनी में किस तरह से प्रदर्शित करना चाहिए के तरीकों से भी अवगत कराया, तत्पश्चात् बच्चों ने 10 दिवसीय कार्यक्रम के अंत में एक प्रदर्शनी लगाई। 18 जून, 2016 को कुछ खेल आयोजित किए गए और बताई गई चीजों को लेकर एक प्रश्नोत्तरी के आयोजन को प्ले कार्यक्रम द्वारा आयोजित किया गया ताकि जानकारी की पुनरावृत्ति हो सके। कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों को सहभागिता प्रमाण पत्र तथा खेल व प्रश्नोत्तरी की विजेता टीमों के प्रत्येक सदस्य को पुरस्कार स्वरूप एक-एक चाकलेट वितरित की गई।

ग्रीष्मोत्सव रिपोर्ट, 2016

राष्ट्रीय बाल भवन में 17 मई से 22 जून, 2016 तक **ग्रीष्मोत्सव** का आयोजन किया गया। इस ग्रीष्मोत्सव में लगभग 5958 बच्चों ने पंजीकरण कराया। करीब 3000 बच्चों ने प्रति दिन राष्ट्रीय बाल भवन में चल रहीं 40 गतिविधियाँ जैसे – विज्ञान गतिविधियाँ – भौतिक एवं प्राकृतिक विज्ञान (क्यों और कैसे क्लब), आविष्कारक क्लब, रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक्स क्लब, ऍअरो मॉडलिंग, कम्प्यूटर, पर्यावरण, खगोल विज्ञान, मछलीघर, जीव एवं विज्ञान पार्क से संबंधित गतिविधियाँ, शिल्प एवं कला, चित्रकला, हस्तकला, बुनाई, सिलाई-कढ़ाई, काष्ठ कला, मिट्टी का काम, जिल्दसाज़ी, टाई और डाई इत्यादि में भाग लिया। प्रत्येक शनिवार को बच्चों के लिए खुले रंगमंच में विशेष बाल सभा का आयोजन किया गया जिसमें प्रत्येक शनिवार को लगभग 2500 बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम में बच्चों ने पूरे उत्साह से कत्थक, भरतनाट्यम व लोक नृत्य के भव्य रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

16 मई, 2016 से 21 जून, 2016 तक की सभा में बच्चों के लिए **"भारतीय बाल चलचित्र समिति"** के सहयोग से बाल फिल्मोत्सव का आयोजन किया गया इसमें कभी पास-कभी फेल, सिक्सर, छूलेंगे आकाश, गिल्ली गिल्ली अट्टा, बण्डू बाक्सर इत्यादि फिल्में दिखाई गईं।

28 मई, 2016 को **"गौवंश"** एनजीओ ने "अपने आस-पास को स्वच्छ रखें" विषय पर बच्चों के सम्मुख एक नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी। 4 जून, 2016 को बाल सभा की मुख्य थीम **"पर्यावरण के प्रति जागरूकता"** थी। बच्चों ने पर्यावरण से सम्बंधित तरह-तरह के गीत गाए और एक लघु नाटक की प्रस्तुति दी। तत्पश्चात् बच्चों ने बाल भवन परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया और पर्यावरण की रक्षा को लेकर एक रैली निकाली। इस बाल सभा के दौरान बच्चों को अपने आस-पास के स्वच्छ वातावरण के प्रति सचेत किया गया।

11 जून, 2016 की बाल सभा में आमंत्रित खास अतिथि गायक पं. अरूण कुमार मिश्रा ने **ध्रुपद** की एक प्रस्तुति दी और बच्चों से "खूब लड़ी मर्दानी वो तो झाँसी वाली रानी थी" प्रसिद्ध कविता का गायन किया। इसके साथ ही श्रीमती ऊषा छाबड़ा का स्टोरी टैलिंग सत्र एक और आकर्षण रहा – लर्निंग लिंक फाउण्डेशन ने बच्चों के लिए सूचना-प्रौद्योगिकी पर एक वीडियो प्रदर्शित किया।

17 जून, 2016 की बाल सभा में **"इन्टरनेट सुरक्षा दिवस"** कार्यशाला आयोजित हुई इसमें बृहद साईवर कार्नीवाल का आयोजन हुआ और बच्चों द्वारा एक विशाल रैली निकाली गई व एक नाटक एंव कठपुतली शो, खेल आदि का भी आयोजन किया गया छात्रों द्वारा इन्टरनेट सुरक्षा स्लोगन व तालिकाओं के साथ सेल्फी वाल की भी एक प्रदर्शनी लगाई गई। विशेष अतिथि डॉ. रतन दत्ता द्वारा प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। डॉ. रतन दत्ता ने छात्रों को इन्टरनेट सुरक्षा के सम्बंध में मार्गदर्शन दिया और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह कार्यक्रम लर्निंग लिंक फाउण्डेशन व जागो टीम्स फाउण्डेशन के सहयोग द्वारा सम्पन्न हुआ।

18 जून, 2016 को बाल सभा में राष्ट्रीय बाल भवन और बाल भवन केन्द – बृज पुरी के बच्चों ने तीन लोकनृत्य प्रस्तुत किए। पक्षियों विशेषकर चिड़िया के लिए काम कर रही **"दाना-पानी"** संस्था ने पक्षियों के बारे में पर्याप्त जानकारी दी। इस सभा का आधार विलुप्त हो रहे पक्षियों की दीर्घायु व खुशहाल वातावरण के प्रति जागरूक करना था। बच्चों ने "इन्टरनेट का बवाल" नामक एक नुक्कड़-नाटक का मंचन किया। तत्पश्चात् छात्रों द्वारा बनाए पोस्टरों की एक प्रदर्शनी का आयोजन भी हुआ।

21 जून, 2016 स्टाफ एवं बच्चों के आगमन के साथ ही **"अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस"** के आयोजन पर बच्चों को "योग" विषय पर एक वीडियो दिखाया गया, जिस पर बच्चों ने व्यक्ति के जीवन में योग के महत्त्व पर एक स्किट की प्रस्तुति दी और बच्चों ने मंत्रों के उच्चारण के बीच संगीतमय वातावरण में विभिन्न योगासनों पर आधारित सामूहिक प्रस्तुति भी दी। इस कार्यक्रम में स्टाफ सदस्यों व बच्चों ने एक विशेषज्ञ के मार्ग-निर्देशन में मूल योग की तकनीक सीखी। बच्चों ने प्ले-कार्ड और मुखौटे पहनकर अपने हाथों में योग के महत्त्व को दर्शाने वाली तख्तियों एवं बैनर प्रदर्शित करके एक रैली निकाली।

22 जून, 2016 को राष्ट्रीय बाल भवन के परिसर में बच्चों के कला प्रदर्शन के साथ ग्रीष्मकालीन सत्र का भव्य समारोह द्वारा समापन हुआ। इस अवसर पर पद्मविभूषण श्री जतिन दास मुख्य अतिथि थे, जिन्होंने राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा वर्ष पर्यन्त संचालित गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने वाले बच्चों को प्रोत्साहित किया।

इस सत्र के दौरान बच्चों के लिए अनेक दिलचस्प तथा नवोन्मेषी कार्यशालाएँ जैसे :- रेडियो जॉकिंग, व्यक्तित्व विकास तथा सम्प्रेषण दक्षता, सृजनात्मक लेखन व स्टोरी टैलिंग, जीवन पद्धति, टेराकोटा कला, पेपर-मैशी, याददाश्त व एकाग्रता बढ़ाना, उपहार की पैकिंग, गुलदस्ता पेंटिंग व थम्ब पेंटिंग, सिलाई कार्यशाला में जेवर के डिजाइन तैयार करना, हस्तशिल्प कार्यशाला, छोटे कार्पेट की बुनाई, क्ले कार्यशाला, आउटडोर फोटोग्राफी कार्यशाला (जिसमें बच्चों को चण्डीगढ़ का भ्रमण कराया) "विरासत की खोज" के साथ-साथ बच्चों को दिल्ली मेट्रो संग्रहालय, राष्ट्रीय डाक टिकट संग्रहालय, राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र, राष्ट्रीय कृषि संग्रहालय, एअर फोर्स संग्रहालय, राष्ट्रीय हस्तशिल्प एवं हथकरघा संग्रहालय, का भ्रमण कराया। बच्चों के लिए विशेष आकर्षण का केन्द्र थे – हैम रेडियो विषय पर चार दिवसीय कार्यशाला, बाटिक कार्यशाला, स्क्रीन प्रिटिंग, मेहन्दी रचाने की कला तथा मणिपुर के बच्चों के समूह द्वारा मार्शियल आर्ट और दो दिवसीय छाऊ नृत्य कार्यशाला जो श्री स्वपन आचार्य जी के सहयोग से सम्पन्न हुई।

इस दौरान बच्चों द्वारा निर्मित कलाकृर्तियों की एक प्रदर्शनी भी लगाई गई। ग्रीष्मकालीन सत्र की विशेष उपलब्धि यह रही की इसमें रा.बा.भ. के सदस्य बच्चों, 14 बाल केन्द्रों के 4401 सदस्य बच्चों, आर्य अनाथालय के बच्चों, सरकारी स्कूल के बच्चों ने प्रतिदिन भाग लिया। प्रत्येक दिन लगभग 3000 बच्चों को जलपान वितरण किया गया और सेंट जॉन एम्बुलेंस सेवा की टीम द्वारा प्राथमिक चिकित्सा की सुविधा दी गई।

हैम रेडियो कार्यशाला

रेडियो इलैक्ट्रॉनिक अनुभाग द्वारा दिनाँक 16 जून, 2016 से 21 जून, 2016 तक हैम-रेडियो विषय पर चार दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। बाल भवन में बच्चों के बीच बढ़ती अभिरूचि की जरूरतों को पूरा करने के दृष्टिगत 19 फरवरी, 1993 में बाल भवन हैम क्लब की स्थापना की गई थी। इन गतिविधियों से पूरे देश भर में बच्चों के बीच प्रभावी संचार सम्पर्क स्थापित होता है। बाद में ये बच्चे अपेक्षित लाइसेंस लेने के उपरान्त अपने-अपने घरों में अमेच्योर स्टेशन स्थापित कर सकते हैं। बाल भवन हैम क्लब का उद्देश्य बच्चों के बीच प्रभावी संचार के लिए इच्छुक बच्चों का अमेच्योर रेडियो गतिविधियों का संवर्द्धन एवं विकास करना है। विज्ञान प्रसार के वैज्ञानिक - श्री संदीप बरूआ को बच्चों के साथ विचार विमर्श तथा सहभागियों को अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने के दृष्टिगत विशेषज्ञ के रूप में आमन्त्रित किया गया था। उन्होंने बच्चों के साथ संचार के विभिन्न माध्यमों पर चर्चा की और विचारों का आदान-प्रदान किया। रेडियो संचार (मोर्स कोड टेलीफोन तथा कम्प्यूटर से कम्प्यूटर) प्रविधियों का सहभागियों के समक्ष प्रदर्शन किया गया। बच्चों को कम्पयूटर/प्रोजेक्ट के जरिए हैम रेडियो पर एक डाक्यूमेन्ट्री फिल्म भी दिखाई गई। बदलते वैश्विक परिदृश्य में संचार के विभिन्न माध्यमों, डिजीटल संचार एवं कम्प्यूटर और इन्टरनेट एवं दूर संचार के महत्त्व एवं इसकी भूमिका से बच्चों को अवगत कराया गया। सहभागियों ने अपने एफ. एम. ट्रांसमीटर को पूरा किया तथा एफ. एम. रिसीवर रेडियो के कार्यक्रम को जांचा। कार्यशाला के दौरान एक दूसरे से अपने विचारों का आदान-प्रदान कर बच्चे काफी प्रसन्न हुए और उन्हें इस विषय पर कहीं ज्यादा तकनीकी ज्ञान प्राप्त हुआ। यह कार्यक्रम अपने उद्देश्यों एवं लक्ष्यों की प्राप्ति में काफी सफल सिद्ध हुआ।

आज़ादी पखवाड़ा

दिनाँक 9 से 23 अगस्त, 2016 को **"आज़ादी पखवाड़ा"** का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की विशेषता **"आज़ादी-70-याद करो कुर्बान** थीम - देश भक्ति, स्वतंत्रता, रस एवं भाव से परिपूर्ण थी। आज़ादी की 70वीं वर्षगाँठ पखवाड़ा राष्ट्रीय बाल भवन तथा जवाहर बाल भवन मांडी और राष्ट्रीय बाल भवन के सम्बद्ध बाल भवनों एवं बाल केन्द्रों में भी मनाया गया। इस कार्यक्रम के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों, सदस्य स्कूली बच्चों एवम् स्टाफ गण ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

- प्रथम दिन, 9 अगस्त, 2016 को स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सभी प्रतिभागी बच्चों एवं स्टाफ ने देश भक्ति व स्वतंत्रता सेनानियों पर स्लोगन लिखे।

- दूसरे दिन, 10 अगस्त, 2016 को बच्चों एवं स्टाफ ने देश के वीर जवानों के लिए बहुत ही सुन्दर कार्ड बनाए।
- तीसरे दिन, 11 अगस्त, 2016 को आशुभाषण का आयोजन किया गया जिसमें आज़ादी के मायने, देश भक्ति की भावना, कुछ कर गुज़रने की तमन्ना इत्यादि विषयों पर स्टाफ व बच्चों के बीच चर्चा हुई और राष्ट्रप्रेम के प्रति सबने अपने-अपने मत प्रस्तुत किए।
- चौथे दिन, 12 अगस्त, 2016 को पुस्तकालय में **पुस्तकालय दिवस** मनाया गया जिसमें स्वतंत्रता दिवस से सम्बंधित कविता लेखन व वाचन, कहानी लेखन, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की गई। इन प्रतियोगिताओं में स्कूली बच्चों तथा सदस्य बच्चों एवं स्टाफ ने भाग लिया।
- पांचवे दिन, 13 अगस्त, 2016 को निबंध लेखन कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें बच्चों ने आज़ादी व देश भक्ति तथा स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन पर लेख लिखे।
- छठे दिन, 16 अगस्त, 2016 को देश भक्ति गीतों का आयोजन हुआ जिसमें बच्चों एवं स्टाफ ने उत्साह के साथ देश भक्ति के गीत गाये। इन गीतों से ऐसा लग रहा था जैसे देश भक्त युवा, बलिदानी स्वतंत्रता सेनानी आज भी हमारे बीच हैं और हमारे दिलों में जिंदा हैं।
- सातवें दिन, 17 अगस्त, 2016 को बच्चों व स्टाफ द्वारा देश भक्ति का नाटक प्रस्तुत किया।
- आठवें दिन, 19 अगस्त, 2016 को पौधारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें बच्चों एवं स्टाफ ने मिलकर पौधों व एक नव संरचना, नव जीवन का संचार किया। इसी दिन फोटोग्राफी अनुभाग द्वारा फोटोग्राफी दिवस मनाया गया इस दौरान फोटो प्रदर्शनी लगाई गई जिसका थीम स्वतंत्रता रखा गया। प्रदर्शनी का उद्‌घाटन प्रसिद्ध महिला फोटो जर्नलिस्ट सुश्री रेनूका पुरी जी, सम्पादक- श्री एस. गिरोटा जी तथा उपनिदेशक (प्रशासन) राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा किया गया।
- नौवें दिन, 20 अगस्त, 2016 को रा.बा.भ. के प्रांगण में आज़ादी आन्दोलन दौड़ का आयोजन हुआ। राष्ट्रीय ध्वज से सजी टोपियाँ पहन कर सभी बच्चों व स्टाफ ने लगभग 3 किलो मीटर की दौड़ को पूरा किया।
- दसवें दिन, 23 अगस्त, 2016 को समापन समारोह का शुभारम्भ राष्ट्रगान से हुआ। इस कार्यक्रम में लगभग 300 बच्चों ने भाग लिया। इन बच्चों ने तथा रा.बा.भ. निदेशक महोदया एवं उपनिदेशक-(प्रशासन) ने मिलकर राष्ट्रीय गान गाया। इसके पश्चात् वादन कक्ष की बच्ची ने मंगल ध्वनि की रचना जोकि राग-बिहाग पर आधारित थी, उसका प्रस्तुतीकरण किया। उसके पश्चात् कुछ बच्चों ने देश भक्ति गीत भी प्रस्तुत किया और कुछ बच्चों ने देशभक्ति नृत्य - वन्देमातरम् प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों एवं स्टाफ को खादी पहनने और भारतीय कपड़ों को अपनाने हेतु प्रेरित किया गया और इसके साथ ही अपनी भारतीय वेशभूषा का प्रदर्शन "फैशन शो" का आयोजन किया गया। इसके पश्चात् पुरस्कार वितरण समारोह हुआ।

डायट आर.के. पुरम के छात्रों के लिए कार्यशाला, सम्बंधी रिपोर्ट

राष्ट्रीय बाल भवन में 10 अगस्त, 2016 को डायट कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का विषय "एकीकरण" था तथा इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण, गणित और भाषा, कला में समन्वय युक्त गतिविधियों में सहभागिता थी। इस कार्यशाला में छात्र अध्यापकों के लिए सभी गतिविधियों के सम्बंध में अभ्यास शामिल था। छात्रों

को ऐसी विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया गया, जिन्हें वे प्राथमिक विद्यालयों की अपनी कक्षाओं में संचालित कर सकते हैं। उन्होंने अपने आस-पास से वस्तुओं, पत्तियों, संख्याओं, प्रकृति से प्रेरित होकर लघु कविताओं व कलाकृतियों आदि का निर्माण किया। इस दौरान छात्रों ने कुछ टूलस का निर्माण किया जिन्हें वे अपनी दैनिक कक्षा की गतिविधियों में प्रयोग कर सकते हैं और साथ ही उनसे मछली घर के साजो सामान, मछली आहार के सम्बंध में नोटिंग का प्रारूप तैयार कराया गया। व्यर्थ वस्तुओं के प्रबन्धन पर कक्षा का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस

दिनाँक 12 अगस्त, 2016 को पुस्तकालय अनुभाग में पुस्तकालय विज्ञान के जनक डॉ. एस.आर. रंगानाथन अय्यर के जन्म दिवस गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दिवस को "लाईब्रेरियन डे" के नाम से जाना जाता है। "आज़ादी-70-याद करो कुर्बानी" की थीम पर आधारित इस दिन सदस्य बच्चों, सदस्य स्कूली बच्चों एवं सदस्य स्टाफ ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं में कविता लेखन एवं वाचन प्रतियोगिता, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के जरिए सहभागियों को राष्ट्रभक्ति की ओर प्रेरित किया गया। कहानी लेखन प्रतियोगिता के ज़रिए बच्चों ने अपनी अनूठी प्रतिभा का परिचय दिया। सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में सहभागियों से हमारा भारत, हमारी संस्कृति, लोकनृत्य, वीर स्वतंत्रता सेनानी व वीरता सम्मान से सम्बंधित 50 प्रश्न पूछे गए। इस कार्यक्रम से बच्चे ज्ञानवर्धक सीख, देशप्रेम की ओर जागृत हुए।

डिजिटल फोटोग्राफी कार्यशाला, सम्बंधी रिपोर्ट

राष्ट्रीय बाल भवन में 23 अगस्त, 2016 से 23 सितम्बर, 2016 तक "डिजिटल फोटोग्राफी" कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 16+ आयु के 52 व्यक्तियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला में सहभागियों को फोटोग्राफी के इतिहास से लेकर नेगेटिव विधि तथा डिजिटल विधि एवं सभी प्रकार के कैमरों का उपयोग तथा अंतर इत्यादि सभी तकनीकी विधियों को बताया गया। इस दौरान सहभागियों को आऊटडोर फोटोग्राफी के लिए फिरोजशााह कोटला, ऐतिहासिक स्थल तथा दिल्ली हाट बाजार, आई.एन.ए. ले जाया गया। इनडोर फोटोग्राफी के लिए पोट्रैट तथा लाइट्स के साथ शूट करवाई गई। सहभागियों द्वारा खींची गई तस्वीरों को कार्यशाला समापन पर एक प्रदर्शनी के रूप में दर्शाया गया। अंत में सभी सहभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

हिन्दी पखवाड़ा और स्वच्छता पखवाड़ा, 2016 कार्यक्रम सम्बंधी रिपोर्ट

"हिन्दी पखवाड़ा और स्वच्छता पखवाडा" दिनाँक 1 सितम्बर, 2016 से 15 सितम्बर, 2016 तक मनाया गया। इस कार्यक्रम का शीर्षक – "स्वच्छ परिसर – रहे अग्रसर" था। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रत्येक दिन नई–नई गतिविधियों का आयोजन राष्ट्रीय बाल भवन के कर्मचारियों व सदस्य बच्चों के लिए किया गया।

1 सितम्बर, 2016 को "स्वच्छता" विषय पर स्लोगन लेखन एवं विज्ञापन तैयार करने की एक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में रा.बा.भ. के सदस्य बच्चों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। स्वच्छता की आवश्यकता के सम्बंध में कर्मचारियों व बच्चों के बीच अल्पकालिक परिचर्चा की गई जिसे बच्चों ने अपने स्लोगनों द्वारा स्पष्ट किया।

2 सितम्बर, 2016 को उपयोग किए हुए कागज़ को पुनः बनाने व उससे विभिन्न उत्पाद बनाने की गतिविधि का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 18 बच्चों व कर्मचारियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम सभी प्रतिभागियों को पेपर बनाने की प्रक्रिया, वीडियो एवं पेपर रिसाइकलिंग की प्रक्रिया को पावरपाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से दर्शाया व समझाया गया। सभी सहभागियों को पुराने पेपर से पुनः नया पेपर बनाना, कागज़ के पुनः उपयोग के विभिन्न लाभों की जानकारी जैसे प्रदूषण में कमी, कचरे में कमी, कागज़ बनाने की लागत में कमी, रसायनों के प्रयोग में कमी, पेपर मेशी बनाने का तरीका व कागज़ के बुक मार्क बनाने की विधि इत्यादि सिखाई गई।

इस दौरान राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों ने दिनाँक 3 सितम्बर, 2016 को स्वच्छता पर आधारित स्ट्रीट–प्ले का आयोजन किया। बच्चों ने दो ग्रुपों में नाटक पेश किए। प्रथम ग्रुप के बच्चों का नाटक का विषय : "स्वच्छ बच्चे, स्वस्थ बच्चे" रखा था तथा द्वितीय ग्रुप के बच्चों का नाटक का विषय: "स्वच्छ रहें, स्वस्थ रहें" था। दोनों ही ग्रुप के बच्चों ने स्वच्छता पर आधारित इस नाटक की मनमोहक व सीख भरी प्रस्तुति दी तथा स्वच्छता पखवाड़ा के कार्यक्रम – स्वच्छ परिसर – रहे अग्रसर को सफल रूप दिया।

6 सितम्बर, 2016 को कार्यक्रम के अन्तर्गत खाद बनाने की प्रक्रिया का आयोजन किया गया। बच्चों ने जो भी गिरे हुए, टूटे व बेजान फूल, पत्ते व झाड़ियों को एकत्रित कर उनके छोटे–छोटे टुकड़े किए और सब्जियों, व फलों के छिलके इत्यादि से भी खाद बनाने की प्रक्रिया से भाग लिया तथा खाद के प्रयोग व महत्त्व से भी परिचित हुए।

8 सितम्बर, 2016 को कविता लेखन एवं काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में रा.बा.भ. और जवाहर बाल भवन मांडी इन दोनों से करीब 15 बच्चों ने भाग लिया। बच्चों ने अपने दैनिक जीवन

पर कविता रचना की। इस प्रतियोगिता द्वारा बच्चों ने अपने आस-पास व स्वयं किस प्रकार साफ-सफाई करनी चाहिए का सजीव चित्रण प्रस्तुत किया।

9 सितम्बर, 2016 को बच्चों के लिए अनुपयोगी सामान को पुनः इस्तेमाल करने सम्बंधी गतिविधियों का आयोजन हस्तकला अनुभाग में किया गया, जिसमें 12 सदस्य बच्चों ने भाग लिया। इस दौरान बच्चों को बेकार सामान के पुनः इस्तेमाल के बारे में जानकारी दी गई तथा बेकार सामान का इस्तेमाल करके विभिन्न चीज़ें पेपर क्राफ्ट आदि बनाने की प्रक्रिया से अवगत कराया गया, मुख्यतः पुराने अखबारों का उपयोग कर कोलाज बनवाए गए जोकि स्वच्छ भारत विषय पर आधारित थे।

14 सितम्बर, 2016 को स्वच्छता पर आधारित छोटी-छोटी कहानियों का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने बन्द पर्चियों में दिए गए (छिपे हुए) विषयों पर छोटी-छोटी कहानियाँ व लेख लिखे। रा.बा.भ. के सदस्य बच्चों ने बहुत ही सुन्दर व रोचक कहानियाँ व अपने विचार प्रस्तुत किए। कहानियों का आधार बच्चों में नैतिक मूल्यों व व्यवहार कुशलता उत्पन्न करना तथा अपनी लेखनी को अपने जीवन में उतारकर अपने अन्दर आत्मविश्वास उत्पन्न करना था। अंत में राष्ट्रीय बाल भवन में स्वच्छता कार्यक्रम को दर्शाने के दृष्टिगत एक छायांकन-सर्वेक्षण किया गया।

उपनिदेशक (प्रशासन) एवं सहायक निदेशक (विज्ञान एवं प्रभारी कार्यक्रम) द्वारा सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

एअरो-मॉडलिंग पर कार्यशाला, सम्बंधी रिपोर्ट

राष्ट्रीय बाल भवन में 6 सितम्बर, 2016 से 30 सितम्बर, 2016 तक एअरो मॉडलिंग विज़य पर 20 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। एअरो मॉडलिंग भी राष्ट्रीय बाल भवन का एक महत्त्वपूर्ण अंग है। बच्चों के बीच बढ़ती जिज्ञासाओं को पूरा करने के लिए इस कार्यशाला को तैयार किया गया। इस कार्यशाला में कुल 10 बच्चों (2 लड़के और एनजीएस स्कूल की 8 लड़कियां) ने इस कार्यशाला में सहभागिता की। इस कार्यशाला में एअरो मॉडलिंग का परिचय, उड़ान के सिद्धांत तथा एअरो मॉडलिंग व एअरक्राफ्टों के इतिहास का परिचय देने के साथ कक्षाऐं प्रारम्भ की गई। इस कार्यशाला में रा.बा.भ. के परिसर में चक ग्लाईडर की उड़ान का प्रशिक्षण दिया गया। बच्चों ने स्वयं एअरक्राफ्ट के मॉडल बनाए। बच्चों ने व्यर्थ बालसा वुड का प्रयोग करते हुए 35 चक ग्लाइडर तैयार किए।

सृजन एवं संस्कृति पर कार्यशाला, सम्बंधी रिपोर्ट

राष्ट्रीय बाल भवन में 27 एवं 28 सितम्बर, 2016 को सृजन एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में विशेष जरूरतमंद बच्चों को प्रशिक्षण क्रियाकलाप में शामिल करने के लिए परिचर्चा के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय बाल भवन की उपाध्यक्ष डा. इन्दुमती राव ने स्वामी रामकृष्ण विवेकानन्द विश्वविद्यालय कोयम्बतूर के सहयोग से इस क्रियाकलाप को विकसित किया गया था। यह कार्यशाला स्वयं फाउण्डेशन के सहयोग से संचालित की गई। एफ.डी.एम.एस.ई., स्वामी विवेकानन्द विश्वविद्यालय, कोयम्बतूर के तीन संकाय सदस्यों व राष्ट्रीय बाल भवन और जवाहर बाल भवन, माण्डी के 20 सदस्यों ने इस कार्यशाला में सहभागिता की। एन.सी.ई.आर.टी. के डा. जनक वर्मा ने भी परिचर्चा में भाग लिया। राष्ट्रीय बाल भवन की अध्यक्षा श्रीमती शालू जिन्दल ने सहभागियों का स्वागत किया और कामना की कि विचार-विमर्श के सार्थक परिणाम निकलेंगे और समूचे समाज को इसका लाभ

मिलेगा। स्वयं फाउण्डेशन की संस्थापिका सुश्री स्मिनु जिन्दल भी सत्रों के दौरान उपस्थित रहीं और उन्होंने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए सहयोग का भरोसा दिलाया। बाल भवन गतिविधियों में दिव्यांगों को शामिल करने पर परिचर्चा की गई। राष्ट्रीय बाल भवन और जवाहर बाल भवन माण्डी के संकाय सदस्यों ने अपने अनुभव सांझा किए और इस गतिविधि को शामिल करने के लिए सुझाव भी दिए। गतिविधि के समापन सत्र में राष्ट्रीय बाल भवन की उपाध्यक्ष डा. इन्दुमती राव ने राष्ट्रीय बाल भवन की वैबसाइट पर अपलोड करने के लिए सहभागियों व इस क्षेत्र में काम कर रहे संगठनों से गतिविधि प्रारूप तैयार करने के लिए विषय-वस्तु तथा सुझाव देने को कहा।

राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर 2016 कार्यक्रम सम्बंधी रिपोर्ट

राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर, 2016 का आयोजन 14 नवम्बर से 16 नवम्बर, 2016 तक आयोजित किया गया। इस सभा का थीम “दोस्ती, सच्चाई और स्नेह” था। इस थीम का उद्देश्य बच्चों में सच्ची एवं चिरकालिक मित्रता का सृजन करना था। कार्यक्रम में देशभर से 17 राज्यों के मान्यता प्राप्त बाल भवनों तथा बाल भवन केन्द्रों के 300 सदस्य बच्चों तथा 80 एस्कोर्ट ने भाग लिया। उद्घाटन दिवस के अवसर पर दिल्ली के बाल भवन केन्द्रों से 1000 बच्चों तथा जवाहर बाल भवन, मांडी के 100 बच्चों ने भी भाग लिया। इस कार्यक्रम में कैम्प के दौरान राष्ट्रीय बाल भवन, जवाहर बाल भवन मांडी तथा दिल्ली के बाल भवन केन्द्रों के 69 सदस्य बच्चों के साथ रा.बा.भ. के 5 प्रशिक्षकों की सहभागिता भी सम्मिलित है। स्वच्छ खुले मैदान में ग्रामीण परिवेश के दौरान संचालित समस्त गतिविधियां एवं कार्यशालायें इसी थीम के इर्द-गिर्द रहीं। 14 नवम्बर, 2016 को इस सभा का उद्घाटन माननीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता सचिव-श्री विनय शील ओबराय ने पौधा-रोपण, गुब्बारे छोड़कर तथा दीप प्रज्ज्वलित करने से किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय बाल भवन और इसके सहायक मान्यताप्राप्त बाल भवनों व केन्द्रों द्वारा संचालित क्रियाकलाप बच्चों के लिए अत्यन्त उपयोगी हैं। इस संस्था की भूमिका है सहभागियों में दक्षता निमार्ण और आत्म-विकास की ओर अग्रसर करना। इस संस्था का माहौल और स्थिति भी “गुरूकुल” की भांति है जहाँ बच्चा तनाव मुक्त वातावरण में कार्य संचालन के ज़रिए नवोन्मेषी विषय चुनता है। स्वतंत्रता ही राष्ट्रीय बाल भवन की विशेषता है। राष्ट्रीय बाल भवन की सम्पूर्ण टीम के कड़े परिश्रम से तैयार किया गया रंगारंग कार्यक्रम भव्य था। बच्चों ने रेल गाड़ी की सवारी का भी आनन्द लिया।

इस दौरान बच्चों के कलात्मक कार्यो, पोस्टरों की एक प्रदर्शनी भी लगाई गई। जंगल के जीव-जन्तुओं के प्रारूप, खुले मैदान में गतिविधियाँ, स्टालों ने इस कार्यक्रम की ख्याति को चार चाँद लगा दिए। अन्य विख्यात संस्थाओं के सहयोग से विशेष कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जैसे कि जंगलों से दोस्ती, आओ बनाएँ चित्र, कहानियों का गुच्छा, आओ सुनो कहानी, मेरा अखबार आदि। उद्घाटन दिवस के अवसर पर दिल्ली के बाल भवन केन्द्रों से

1000 बच्चों तथा जवाहर बाल भवन मांडी के 100 बच्चों ने भी भाग लिया। बच्चों ने उनके लाभार्थ विभिन्न कार्यशालाओं के माध्यम से संस्कृति एवं विभिन्न कलाओं की काफी जानकारी प्राप्त की। सहभागी टीमों ने दोस्ती, सच्चाई और स्नेह की मुख्य थीम पर अपने गीत, स्किट और नृत्य को हमारे अध्यापकों व बच्चों के समक्ष प्रस्तुत किया। इस दौरान राष्ट्रीय बाल भवन में बच्चों के लिए विविध गतिविधियों का संचयन किया गया, जिनमें से हस्तशिल्प, काष्ठ शिल्प, पर्यावरण, बुनाई, जिल्दसाज़ी, चित्रकारी, मिट्टी का काम, खादी बुनाई, कहानी सुनना/सुनाना, सृजनात्मक लेखन, मिली-जुली गतिविधियाँ, एअरो-मॉडलिंग, फोटोग्राफी, खेल, रेडियो-इलैक्ट्रानिक्स प्रमुख हैं। 14 और 15 नवम्बर, 2016 को 11 सदस्य स्कूलों (सरकारी एंव प्राइवेट) के करीब 150 बच्चों ने गतिविधियों एवं कार्यशालाओं में भी भाग लिया।

कलरीपयत्तु प्राचीनतम कला है, जिसने दुनिया भर का ध्यान खींचा है। कलरीपयत्तु विद्या में इस कला के व्याख्यान एवं प्रदर्शन के इन्टर-एक्टिव सत्र में बच्चे संलिप्त रहे, जहाँ उन्हें कलरी केन्द्रम, दिल्ली के कलाकारों ने बच्चों को इस कला के स्वरूप की बारीकियों से अवगत कराया।

अन्तर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त पारंपरिक लोक कलाकार एवं राष्ट्रीय बाल भवन परिवार के सदस्य-श्री रहमत खां लंगा और उनके समूह ने राजस्थानी लोक गीतों की प्रस्तुति द्वारा श्रोताओं का मनोरंजन किया।

शिविर के दौरान बच्चों ने अपने नए मित्र बनाए। मैत्री के सुदृढ़ीकरण के लिए राष्ट्रीय बाल भवन ने खेल एवं संगीत से परिपूर्ण, होलिका (बोर्नफायर) का आयोजन मूँगफली, रेवड़ी, गज्जक के साथ किया गया जिससे सहभागियों ने सांस्कृतिक एवं वैचारिक आदान-प्रदान द्वारा मनोरंजन किया।

समापन समारोह के लिए "दोस्ती, सच्चाई और स्नेह" विषय पर सहभागी बाल भवनों के बच्चों ने मिले-जुले कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी और अंत में उपनिदेशक-(प्रशासन), उपनिदेशक-(कार्यक्रम) तथा सहायक निदेशक-(विज्ञान एवं प्रभारी कार्यक्रम) के हाथों द्वारा गीत, नृत्य एवं स्किट प्रतियोगिताओं के विजेतागण बच्चों को पुरस्कार वितरण किये गए। इस सभा के सभी सहभागी बच्चों को सहभागिता प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए, जिससे उनका हौंसला आगे बढ़ने में बुलंद हुआ। इस दौरान बच्चों ने अपने नए मित्र बनाने के साथ-साथ विशेष रूप से तैयार की गई गतिविधियों एवं कार्यशालाओं में भाग लिया जो उनके भावी जीवन में उपयोगी सिद्ध होंगी। बच्चों ने उनके लाभार्थ विभिन्न कार्यशालाओं के माध्यम से संस्कृति एवं विभिन्न कलाओं की काफी जानकारी प्राप्त की। विख्यात कलाकारों अथवा विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया। जिनसे बच्चों ने निम्नलिखित कलाओं को सीखा :-

"मेरा अखबार"	-	श्रीमती अनीता मनी तथा श्री कामना नन्दमिश्रा द्वारा सम्पन्न।
"आइये चित्र बनायें"	-	टाटा ट्रस्ट से चार सुयोग्य व्यक्ति ने श्री अतानु रॉय (केन्स फिल्म फेस्टीवल में 5 बार पुरस्कार विजेता), श्री प्रशान्त सोनी, श्री निलेश गहलोत, और सुश्री प्रोइती रॉय (पश्चिम बंगाल से सुविख्यात चित्रकार) द्वारा सम्पन्न।

"जंगलों से दोस्ती"	–	वाइल्डलाईफ एसओएस संस्था से सुश्री कादम्बरी, सुश्री रिया, सुश्री रोहिणी द्वारा सम्पन्न।
राजस्थानी "लोक गीत"	–	राष्ट्रीय बाल भवन के पूर्व सदस्य कर्मचारी श्री रहमत खान लंगा द्वारा सम्पन्न।
"आओ सुनो कहानी"	–	सुश्री चित्र चन्द्राशेखर एवं सुश्री ऋतुपर्ना घोष द्वारा सम्पन्न।
"कहानी वाचन"	–	सुश्री वलेंटीना त्रिवेदी एवं सुश्री कनू प्रिया सेखरी द्वारा सम्पन्न।

विश्व पर्यावरण दिवस

दिनाँक 4 जून, 2016 को पर्यावरण दिवस पूरे राष्ट्रीय बाल भवन में मनाया गया। इस अवसर पर पर्यावरण अनुभाग ने रिसाइक्लिंग, कम्पोस्ट व वर्मी कम्पोस्ट खाद गतिविधि का संचालन किया तथा हाइड्रोजन गैस का डेमो, पक्षी और उनके भोजन को चित्रों द्वारा दर्शाया गया जिससे बच्चे पक्षियों के दीर्घ जीवन के लिए पृथ्वी से समाधान की खोज प्राप्त कर सकें। इस अवसर पर राष्ट्रीय बाल भवन में बच्चों ने पौधा-रोपण के साथ-साथ वृक्षारोपण तथा सृजनात्मक उत्पादों का निर्माण किया। तत्पश्चात बच्चों ने पर्यावरण से सम्बंधित गीत गाए और एक लघु नाटिका पेश की तत्पश्चात बाल भवन में स्वच्छता अभियान चलाया जिसमें बच्चों ने "परिसर की स्वच्छता' गतिविधि में भाग लिया और कला प्रदर्शन अनुभाग के सदस्य बच्चों ने पर्यावरण की रक्षा को लेकर एक रैली निकाली। इस कार्यक्रम में करीब 3000 से भी ज्यादा बच्चों ने भव्य रंगारंग कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों में स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के प्रति जागरूकता लाना था।

संविधान दिवस सम्बंधी रिपोर्ट, 2016

राष्ट्रीय बाल भवन में 26 नवम्बर, 2016 को संविधान दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में सदस्य बच्चों के साथ सदस्य स्टाफ ने भी पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य संविधान के तात्पर्य और महत्त्व से अवगत कराना था। उपनिदेशक (प्रशासन) तथा सहायक निदेशक (विज्ञान एवं प्रभारी कार्यक्रम) ने संविधान की प्रस्तावना को पढ़कर उसका सभी सहभागियों को अनुसरण कराया। तत्पश्चात् सभी उपस्थित स्टाफ-सदस्यों को एक प्रश्नावली दी गई जिसमें भारत संविधान के सम्बंध में 11 प्रश्न थे। अगले सत्र में आशु-भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें पाँच विभिन्न नियमों में से एक पर वक्ता प्रतियोगी को अपने विचारों का प्रतिपादन किया। सभी नियम संविधान से सम्बंधित थे, इसका निर्माण कैसे हुआ और यह कैसे अस्तित्व में आया। इस कार्यक्रम में सहभागियों को भारत के संविधान से अवगत कराया गया।

आमोद दिवस रिपोर्ट, 2017

नए साल के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय बाल भवन में 3 जनवरी, 2017 को "आमोद दिवस" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय बाल भवन, बाल भवन केन्द्र, जवाहर बाल भवन मांडी के सभी कर्मचारियों तथा राष्ट्रीय बाल भवन के 24 बाल सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान सभी सहभागियों ने फन गेम, म्यूज़िकल

चेयर, रस्सा–कस्सी इत्यादि खेलों में सहभागिता प्रदान की और खेलों का आनन्द उठाया। कार्यक्रम के अंत में सभी सहभागियों को जलपान दिया गया। इस कार्यक्रम में 150 स्टाफ एवं 39 बच्चों ने भाग लिया।

राजकीय सहशिक्षा सीनियर सैकण्डरी स्कूल, सैक्टर –15 रोहिणी के छात्रों के लिए तीन दिवसीय कार्यशाला रिपोर्ट, 2017

पर्यावरण अनुभाग द्वारा कक्षा छठी, सातवीं और आठवीं कक्षा के छात्रों के लिए राष्ट्रीय बाल भवन में 2 से 4 फरवरी, 2017 तक तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें प्रत्येक दिन करीब 25–30 छात्रों ने भाग लिया। पहले दिन बच्चों को पर्यावरण अध्ययन की प्रस्तावना और इसके प्रति उन्हें जागरूक किया गया। बच्चों ने व्यर्थ सामान से बनाई गई विभिन्न चीज़ों को देखा। उन्होंने बुनाई प्रक्रिया द्वारा पुराने समाचार पत्रों से मैट बनाना सीखा। उन्होंने राष्ट्रीय बाल भवन की कागज़ रिसाइक्लिंग यूनिट का भी दौरा किया, जहाँ उन्होंने व्यर्थ कागज़ को छोटे–छोटे टुकड़ों में बाँटा और कागज़ रिसाइक्लिंग के लिए भिगो दिया। दूसरे दिन छात्रों ने रिसाइक्लिंग किए कागज़ से कागज़ बनाने की प्रक्रिया सीखी। अनुचर द्वारा कागज़ रिसाइक्लिंग मशीन को चलाया गया और बच्चों ने कागज़ की लुगदी से कागज़ बनाया। छात्रों ने एक–एक करके कागज़ बनाया और इसे सूखने के लिए रख दिया। तीसरे दिन छात्रों ने उसी तरीके से पेपर मैशी की वस्तुओं का निर्माण किया। उन्होंने लुगदी को पीसकर उसमें चाक पाउडर मिलाकर पेपर मैशी बनाना सीखा। उन्होंने विभिन्न वस्तुएं बनाने के साथ–साथ पेपर रिसाइक्लिंग से क्रमवार प्रक्रिया पर एक रिपोर्ट भी तैयार की।

फन गेम्स सम्बंधी रिपोर्ट, 2017

बच्चों के लिए राष्ट्रीय बाल भवन में 10 एवं 11 फरवरी, 2017 को फन गेम्स का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राजकीय सहशिक्षा सीनियर सैकण्डरी स्कूल, सैक्टर –15 रोहिणी, दिल्ली के 31 बच्चों एवं 12 सदस्य बच्चों ने भाग लिया। फन गेम्स के अंतर्गत बच्चों को तीन प्रकार के खेल कराए गए जैसे –

प्रथम खेल – ट्रेज़र हन्ट –

इस खेल का उद्देश्य बच्चों को अनेक पौधों की विशेषताओं से अवगत कराना था।

द्वितीय खेल – लिविंग लेबल्स नामक खेल –

इस खेल का उद्देश्य बच्चों को अपने आस–पास के विभिन्न उपादानों का चयन कर पर्यावरण के विभिन्न जैविक क्रियाकलापों व जैविक उपादानों की जानकारी से अवगत कराना था।

तृतीय खेल – दो लाईन ग्लाइडर रेसिंग गेम, पेपर कटिंग एअरोप्लेन बनाना –

इस खेल का उद्देश्य फ्लाईट के मूलभूत सिद्धांतों से अवगत कराना था।

चतुर्थ खेल – कंगारू दौड़, पिरामिड वाला खेल, वाटर सेव –

इत्यादि खेलों में बच्चों ने भरपूर आनन्द लिया।

होली उत्सव का आयोजन

राष्ट्रीय बाल भवन में सदस्य बच्चों एवं स्टाफ के लिए 11 मार्च, 2017 को होली उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें 53 बच्चों और 100 स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय बाल भवन के खुले रंगमंच में रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों द्वारा संगीत एवं नृत्य के अनेक कार्यक्रम पेश किए गए और उपस्थित जनों ने फूलों की होली खेली। इस वर्ष राष्ट्रीय बाल भवन के स्टाफ द्वारा पारम्परिक परिधान पहनकर नृत्य एवं गीत प्रदर्शन ने उत्सव की गरिमा में चार चांद लगाए।

श्री मुकेश गुप्ता–उपनिदेशक(प्रशासन) ने अपने मुख्य उद्बोधन में होली के त्यौहार की विशेषता, महत्व पर प्रकाश डाला और सभी उपस्थित सहभागियों को होली की शुभ–कामनाएं दी। सभी उपस्थित बच्चों और स्टाफ ने रंग, अवीर, गुलाल लगाकर एक–दूसरे को होली की मुबारकबाद दी और समाज में प्रेम एवं सौहादर्य की भावना का संदेश प्रसारित किया। इस अवसर पर सभी कलाकारों, दर्शकों, सहभागियों को अल्पाहार, गुजिया एवं चाय वितरित की गई। सभी इस अनूठे त्यौहार की भावना से प्रेरित एवं उल्लास में सराबोर थे।

प्रत्येक शनिवार को पुस्तक पाठन एवं कहानी सुनाने की गतिविधियों का आयोजन

राष्ट्रीय बाल भवन में पुस्तकालय में प्रत्येक शनिवार को बच्चों के लिए पुस्तक पाठन एवं उसके पश्चात् कहानी सुनाने की गतिविधि की एक नई परम्परा शुरू की गई है। इस गतिविधि में सहभागिता के लिए स्कूलों को आमन्त्रित किया गया है। इसके प्रथम सत्र की शुरूआत 17 मार्च, 2017 को मेखला झा सभागार में की गई जिसमें 10 बच्चों ने भाग लिया। बच्चों ने नैतिक मूल्यों से निहित रंग–बिरंगे चित्रों से अलंकृत कहानियों को पढ़ा व फिर सुनाया। 24 मार्च, 2017 को आयोजित कार्यक्रम में 15 बच्चों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय बाल भवन की गतिविधियों में बच्चों और छात्रों की सहभागिता

एक गैर–सरकारी संगठन सामाजिक सुरक्षा एवं अनुसंधान (सी एस एस ए आर) फरीदाबाद के 50 बच्चों ने 25 फरवरी, 2017 को राष्ट्रीय बाल भवन की कला, शिल्प और विज्ञान की गतिविधियों में भाग लिया। ये सभी बच्चे आर्थिक रूप से समाज के कमजोर वर्गों के थे और इन सुन्दर कार्यक्रमों से सीख पाकर उन्हें असीम आत्म–संतोष प्राप्त हुआ। बच्चों की छोटी रेलगाड़ी में नि:शुल्क यात्रा उनके लिए आकर्षण का एक और विषय रहा।

ए सी एम टी कालेज रिठाला के 72 छात्रों ने 25 फरवरी, 2017 को राष्ट्रीय बाल भवन की गतिविधियों (कला एवं शिल्प) में भाग लिया। इनका संचालन राष्ट्रीय बाल भवन के एनटीआरसी अनुभाग में अध्यापकों द्वारा किया गया और आगन्तुकों ने रा.बा.भ. के विभिन्न अनुभागों का भी दौरा कर अनुभागों के अध्यापकों/प्रशिक्षकों के साथ इन्टर एक्शन किया। इसके माध्यम से उन्होंने रा.बा.भ. के उद्देश्य, दर्शन एवं कार्य पद्धति के बारे में भी जाना।

एमिटी इन्टरनेशनल, नोएडा के 246 बच्चों व 14 अध्यापकों ने सृजनात्मक कला, प्रदर्शन कला व विज्ञान गतिविधियों में 21 और 22 फरवरी, 2017 को भाग लिया। बच्चों ने "बनाओ और ले जाओ" गतिविधि के अन्तर्गत तत्काल शिल्प की वस्तुएं तैयार की और यादगार के तौर पर इन कलात्मक वस्तुओं को अपने घर ले जाकर काफी खुश हुए।

दांतों की जांच एवं स्वास्थ्य व स्वच्छता शिविर

विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा मौलाना आज़ाद मेडिकल कालेज के सहयोग से 22 मार्च, 2017 को प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 1:00 बजे तक एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया इसमें करीब 30 बच्चों एवं राष्ट्रीय बाल भवन के 16 स्टाफ सदस्यों ने डाक्टरों से अपने दांतों की जांच कराई और

चिकित्सकों ने दांतों की सावधानी से देख-रेख करने के तरीकों को बताया। डाक्टरों द्वारा व्याख्यान एवं प्रदर्शन व स्लाईड शो की प्रस्तुति दी और इस जागरूकता कार्यक्रम में लगभग 155 बच्चों ने भाग लिया। डाक्टरों ने बच्चों के दांतों को ब्रश करने की समुचित पद्धतियों की विधि व सही खान-पान का उल्लेख किया ताकि जीवन पर्यन्त काम आने वाले दांतों को रोग एवं क्षति से बचाया जा सकें उन्होंने मसूडों, दांतों की कुछ वर्जिशों के बारे में भी बताया जिससे इन्हें मजबूती मिल सके। निष्कर्षतः यह शिविर बच्चों, स्टाफ और अध्यापकों के लिए लाभकारी रहा और अपने उद्देश्यों की प्राप्ति में सफल भी।

24वें राष्ट्रीय युवा पर्यावरणविद सम्मेलन की विस्तृत रिपोर्ट

24वां राष्ट्रीय युवा पर्यावरणविद सम्मेलन 24 मार्च से 26 मार्च, 2017 तक पर्यावरण शिक्षा केन्द्र, अहमदाबाद में आयोजित किया गया। बाल भवन अमरेली और पर्यावरण शिक्षा केन्द्र के सक्रिय सहयोग से इस कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम का विषय "स्मार्ट शहर - स्थायी शहर" था। इस सम्मेलन में 26 राज्य बाल भवनों ने तथा स्काउट विभाग के 120 बच्चों और 30 एस्कोर्ट ने भाग लिया। आशा लता बाल भवन के दिव्यांग बच्चों की सहभागिता ने सम्मेलन के गौरव को बढ़ाया। कार्यक्रम के दौरान सी ई ई परिसर में समृद्ध वनस्पति और जीव बच्चों के खास केन्द्र रहे। तस्वीरों और विचारों के आदान-प्रदान के लिए वाई.ई.सी नामक एक व्हाट्स एप समूह भी बनाया गया। 24 मार्च, 2017 को निगम चांसलर श्रीमती निशबेन झा द्वारा दीप प्रज्ज्वल से सम्मेलन का शुभारम्भ हुआ और सी ई ई के निदेशक - श्री कर्तिके वी. साराभाई मुख्य अतिथि थे। श्रीमती आशा भट्टाचार्जी - सहायक निदेशक विज्ञान एवं प्रभारी कार्यक्रम ने सम्मेलन के उद्देश्यों के बारे में बच्चों का मार्गदर्शन प्रदान किया और इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए अपनाई जाने वाली पद्धतियों की जानकारी दी। सी ई ई से श्रीमती राजेश्वरी ने सम्मेलन के कार्यक्रम -तालिका की जानकारी दी। बाल भवन राजकोट के अध्यक्ष एवं संस्थापक श्री मनसुख भाई भी इस अवसर पर उपस्थित थे। इस दिन मुख्य अतिथि श्रीमती निशाबेन झा ने पर्यावरण के मुद्दे पर वैश्विक चिन्ता व इसमें बच्चों की भूमिका पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर श्री कार्तिके ने सी ई ई की समृद्ध बाओडाइवर्सिटी के

बारे में बताया और छोटे शहरों के भविष्य को लेकर अपनी चिन्ता व्यक्त की। इस कार्यक्रम में बच्चों को सम्मेलन के विषय के अनुरूप लोथल, वाराणसी, पाटलिपुत्र व कावेरी नामक चार समूहों में विभक्त किया गया। आई आई एम, अहमदाबाद के एक विशेषज्ञ श्री अबरार अली सईद ने स्लाईड प्रदर्शन व स्थलों के बारे में रोचक कहानियाँ सुनाकर एक संयुक्त सत्र लिया। विशेषज्ञों में श्री अमर करन, श्रीमती राजेश्वरी गोराना, सुश्री सविता भारती और श्री विजय गोस्वामी शामिल थे जिन्होंने बच्चों हेतु अनेक गतिविधियाँ संचालित की और सम्बद्ध समूहों में खेल कराए गए। दो समूहों के शहरों ने कूड़ा प्रबंधन और संसाधनों पर कार्य किया। विशेषज्ञों में सुश्री पूजा देवी, सुश्री निवेदिता श्रीधर, श्रीमती राजेश्वरी गोराना और श्री अमर करण शामिल थे। सुश्री निवेदिता श्रीधर, श्रीमती राजेश्वरी गोराना और अमर करन ने समूह के विषयों को परस्पर बदलते हुए कार्य किया। सहभागियों को साबरमती नदी के पास साबरमती आश्रम का भ्रमण कराया गया।

25 मार्च, 2017 को प्रातःकाल में बच्चों को अदलय सीढ़ी वाले कुएँ में ले जाया गया। इस कुएँ में एक अद्वितीय स्मारक है जहाँ परम्परागत रूप से सूखे के क्षेत्रों में पानी का संग्रह किया जाता है। कुएँ से बच्चों को प्राचीन काल में वर्षा के जल के संग्रह की विधि का ज्ञान प्राप्त हुआ। इस अवसर पर श्री चेतनालय केदार चम्फेयर, सुश्री मीनाक्षी शुक्ला, श्री अमर खान और सुश्री श्वेता धीमान विशेषज्ञ के रूप में शामिल थे। सी ई ई के विशेषज्ञ श्री अमन करन द्वारा शहरी गतिशीलता विषय पर एक संयुक्त सत्र आयोजित किया गया। तत्पश्चात् बच्चों को बी आर टी राम आसरे मार्ग (बस रेपिड परिवहन) स्टेशनों का दौरा कराया और इनके व्यवहारिक कार्यकरण के बारे में विस्तार से बताया गया। छोटे शहरों में साइकिल के प्रयोग के महत्व पर बच्चों को एक लघु फिल्म भी दिखाई गई।

26 मार्च, 2017 को सायंकाल में स्काऊट भवन में एक सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। समापन समारोह के दौरान सभी चारों समूहों ने अपने-अपने विषयों के आधार पर प्रस्तुति दी और दृष्टिकोण रखा। इस कार्यक्रम में गुजरात विद्यापीठ विश्वविद्यालय के उप-कुलपति श्री अनामिक शाह मुख्य अतिथि थे। सभी सहभागी बाल भवनों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। श्री अनामिक शाह ने व्याख्यान में बताया कि उनका अपना परिसर किस प्रकार से दीर्घ-उपयोगी है और बच्चों के लिए उन्होंने यही आशा रखी। उन्होंने बच्चों को छोटे-छोटे काम करने जैसे अपने कमरे की सफाई, पौधों व जीवों की देख-रेख आदि स्वयं करने को प्रोत्साहित किया। इस कार्यक्रम के सभी सहभागियों को फीड बैक फार्म भी वितरित किए गए।

राजभाषा कार्यान्वयन

राष्ट्रीय बाल भपवन राजभाषा के प्रगामी प्रयोग के संबंध में सरकार के आदेशों का निष्ठापूर्वक कार्यान्वयन करता है। राज्य सेवाएं, स्थानीय निकायों तथा हिन्दी का प्रयोग करने वाले लोगों के साथ पत्राचार में हिन्दी का प्रयोग किया जाता है। बच्चों को निर्देश अधिमानतः हिन्दी में दिए जाते हैं। राष्ट्रीय बाल भवन में दिशाबोध हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषाओं में तैयार किए जाते हैं। राष्ट्रीय बाल भवन के राष्ट्रीय प्रशिक्षण संसाधन केन्द्र में वयस्कों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम का अनुपालन करते हुए वर्ष 2016–17 में प्रवीणताः प्राप्त कर्मचारियों के लिए व्यक्तिशः आदेश भी जारी किए गए। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय बाल भवन में नियमित रूप से राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों तथा हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। हिन्दी कार्यशालाओं में कर्मचारियों को राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित नवीन जानकारियाँ देने के उद्देश्य से विशेषज्ञों को भी आमंत्रित किया गया। ये कार्यशालाएं कर्मचारियों के लिए बहुत लाभप्रद रहीं। इसके अतिरिक्त एक एमटीएस स्टाफ जो कि पदोन्नति आधार पर अवर श्रेणी लिपिक के पद पर कार्यरत हैं उन्हें हिंदी टंकण प्रशिक्षण के लिए भेजा गया।

गत वर्ष भी नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों की बैठकों में कार्यालय के अधिकारियों ने नियमित रूप से भाग लिया।

हिन्दी पखवाड़ा

राष्ट्रीय बाल भवन में 2 से 16 सितम्बर, 2016 तक 'हिन्दी पखवाड़ा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान आयोजित प्रतियोगिताएं थीं – 'नोटिंग–ड्राफ्टिंग', 'क्रास वर्ड', 'आज़ादी के आंदोलन से जुड़े चित्रों पर स्वरचित कविता की रचना व उसकी प्रस्तुति', 'अपनी मातृभाषा की बोली जाने वाली 10 कहावतें/बोलियाँ व इन बोलियों को सुन्दर ढंग से लिखना और उसका अर्थ राजभाषा हिन्दी में लिखना', 'हिन्दी टंकण प्रतियोगिता', 'श्रुतलेख

प्रतियोगिता', 'वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखना', 'दिए गए अक्षरों से हिन्दी के शब्द लिखना' तथा 'एकांकी रचना'। इन प्रतियोगिताओं में से दो प्रतियोगिताएं एमटीएस स्टाफ के लिए विशेष रूप से आयोजित की गईं।

हिन्दी पखवाड़े की विशेषता रही राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों और सदस्य स्कूलों के बच्चों के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन। बच्चों में छोटी आयु से ही हिंदी के प्रति अनुराग उत्पन्न करने एवं उन्हें देश की राजभाषा तथा अपनी मातृभाषा के उपयोग के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से यह परम्परा गत वर्ष से आरंभ हुई तथा इस वर्ष भी इसका पालन किया गया। बाल भवन कर्मचारियों के अतिरिक्त राष्ट्रीय बाल भवन, जवाहर बाल भवन, माण्डी, बाल भवन केन्द्र के सदस्य बच्चों के साथ-साथ विभिन्न सदस्य स्कूली बच्चों ने इन प्रतियोगिताओं में बड़े उत्साह से भाग लिया। इस वर्ष प्रतियोगिताओं को नया रूप देने के उद्देश्य से कुछ नवीन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रत्येक प्रतियोगिता ज्ञानवर्द्धक, रोचक तथा सहभागियों के लिए प्रेरक सिद्ध हुई और यही राजभाषा के केन्द्रीय भाव अर्थात् प्रेरणा और प्रोत्साहन का तत्व बिन्दू है।

दिनाँक 9 नवम्बर, 2016 को राष्ट्रीय बाल भवन के पुस्तकालय अनुभाग में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। श्रीमती इन्द्राणी चौधूरी, उप निदेशक (कार्य.सम.एवं अनु.) (सम्प्रति स्थानांतरित जवाहर बाल भवन, माण्डी), उप निदेशक(प्रशासन) तथा सहायक निदेशक(विज्ञान) संप्रति इंचार्ज कार्यक्रम ने विजेता प्रतियोगियों को पुरस्कार वितरित किए। श्री मुकेश गुप्ता ने अपने सम्बोधन में श्रोताओं को बताया कि प्रशासनिक, शिक्षण और प्रशिक्षण कार्य में हिन्दी के प्रयोग में कोई व्यवहारिक कठिनाई नहीं है, ज़रूरत सिर्फ इस बात की है कि काम को पूरे मन से शुरू किया जाए। उन्होंने बच्चों को अपनी भाषा में निखार लाने के लिए प्रेरित किया तथा स्टाफ को सरल-सुबोध शब्दों को प्रशासनिक व्यवहार में कार्य रूप देने को कहा। उन्होंने पुरस्कार वितरण समारोह में आए बच्चों के प्रशिक्षकों, अभिभावकों के साथ हिन्दी पखवाड़े को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए डा. रश्मि शर्मा, संग्रहालयाध्यक्ष, श्रीमती विनोद सांगवान, हिन्दी आशुलिपिक तथा सुश्री नीता, वरि. पुस्तकालयाध्यक्ष के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

जवाहर बाल भवन, माण्डी

साठ के दशक के मध्य में, जवाहर बाल भवन स्थापित करने की एक योजना प्रारंभ की गई । देश के विभिन्न राज्यों में कई बाल भवन स्थापित किए गए और राज्यों में स्थित इन बाल भवनों के लिए एक "नोडल एजेंसी" के रूप में कार्य करने हेतु उन प्रदेशों में जवाहर बाल भवनों की स्थापना की गई। माण्डी स्थित जवाहर बाल भवन उसी योजना का विस्तार था, जिसे प्रारंभ में "नेहरू स्मारक निधि" द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की गई। माण्डी स्थित इस ग्रामीण बाल भवन ने सन् 1972 में माण्डी गाँव की 'चौपाल' में कार्य करना प्रारंभ किया।

3 फरवरी, 1973 को राष्ट्रीय बाल भवन की इस ग्रामीण इकाई का उद्घाटन श्रीमती इंदिरा गाँधी द्वारा किया गया और उसे नाम दिया गया जवाहर बाल भवन, माण्डी। माण्डी की ग्राम सभा द्वारा उपलब्ध कराई गई लगभग 4.75 एकड़ ज़मीन पर स्थित यह ग्रामीण केंद्र माण्डी, महरौली, जौनापुर, गदईपुर, सुल्तानपुर, मंगलापुरी व ग्वाल पहाड़ी, बंधावाड़ी, असोला, आयानगर, घिटोरनी, छतरपुर, मैदान गढ़ी, राजपुर, सतबाडी, चंदनहोला, फतेहपुर बेरी, डेरा, भाटी माइंस तथा नेब सराय के गांवों के बच्चों की जरूरतों को पूरा करता है। इस जवाहर बाल भवन में कम्प्यूटर, शारीरिक शिक्षा, कला व शिल्प, छायांकन, पुस्तकालय, क्ले मॉडलिंग तथा चित्रकला की गतिविधियाँ उपलब्ध हैं। माण्डी बाल भवन ने ग्रामीण बच्चों की रुचि का काफी परिष्कार किया है।

माण्डी तथा अन्य निकटवर्ती गाँवों के बच्चों के मानसिक, शारीरिक तथा सांस्कृतिक विकास में जवाहर बाल भवन, माण्डी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह ग्रामीण बाल भवन कम्प्यूटर, सिलाई तथा बुनाई मशीनों व पुस्तकालय आदि से सुसज्जित हैं। शिल्पकला, मूर्तिकला, चित्रकला, फोटोग्राफी आदि को सीखने के पर्याप्त अवसर यहाँ उपलब्ध हैं तथा आसपास के गाँवों के बच्चे अपने समग्र विकास हेतु इनका भरपूर उपयोग कर रहे हैं। बच्चों को विभिन्न विषयों संबंधी नवीन जानकारी प्रदान करने हेतु समय-समय पर यहाँ विभिन्न प्रकार की कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं। इन कार्यशालाओं में मेहंदी लगाने/रचाने की पारंपरिक कला, जिल्दसाज़ी, स्क्रीन-प्रिंटिंग,

पतंग बनाने की कला, पेपर-मैशी, मूकाभिनय, संगीत, एअॅरो मॉडलिंग, मछलीघर बनाने, मछली पालन तथा घरेलू उपकरणों की मरम्मत की कार्यशालाएँ विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं।

सत्र 2016-2017 वर्ष में 800 बच्चों का पंजीकरण हुआ तथा 2 प्राईवेट स्कूल एवं 3 सरकारी स्कूल संस्थागत सदस्य के रूप में पंजीकृत हुए। सैकड़ों बच्चों ने गतिविधियों में भाग लिया एवं हज़ारों ने जवाहर बालभवन, माण्डी का भ्रमण किया। 23 अगस्त, 2016 को "आजादी पखवाड़ा" कार्यक्रम जोकि राष्ट्रीय बाल भवन में आयोजित किया गया था, इसमें ज.बा.भ. माण्डी के 16 सदस्य बच्चों ने भाग लिया और पुरस्कार जीते। रा.बा.भ. में आयोजित "राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर - 2016" के दौरान 100 बच्चों ने भाग लिया एवं बाल सभा कैम्प में 12 बच्चे छात्रावास में ठहरे।

ग्रीष्मोत्सव समाप्त होने के बाद भी जवाहर बाल भवन, मांडी में बच्चों की चहल-पहल जारी है, जो गतिविधियों में भाग लेने के साथ-साथ आगामी कार्यक्रमों की तैयारी के लिए रोजाना बड़ी संख्या में आ रहे हैं।

बाल भवन आस्था और विश्वास के एकीकरण को बढ़ावा देने और प्रत्येक समुदाय के विभिन्न त्यौहार के आयोजन से इस भावना के संवर्द्धन में विश्वास करता है। जवाहर बाल भवन के बच्चों ने 9 जुलाई, 2016 को ईद मनाई। उत्सव से पूर्व बच्चों ने पारम्परिक सजावट की और विभिन्न कला प्रदर्शन के माध्यमों के जरिए 9 जुलाई को कार्यक्रम प्रस्तुत किए जो सांस्कृतिक सौहार्दय का सबसे उत्तम तरीका है।

सरदार पटेल विद्यालय और राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के अध्यापकों और छात्रों ने जवाहर बाल भवन के सदस्य बच्चों के साथ समारोह में भागीदारी की।

सम्पूर्ण कार्यक्रम सदस्य तथा पूर्व सदस्य बच्चों द्वारा आयोजित किया गया। उन्होंने न केवल कार्यक्रम का संचालन किया, बल्कि उन्होंने त्यौहार के बारे में संक्षिप्त जानकारी भी दी। राजकीय बाल विद्यालय, मांडी की श्रीमती मीना एवं सरदार पटेल विद्यालय के श्री धर्मवीर द्वारा कार्यक्रम एवं बच्चों द्वारा बनाई गई कला-कृतियों के उद्घाटन के साथ शुरू हुआ।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुंशी प्रेम चन्द की कहानी "ईदगाह" का मंचन शामिल था, जिसमें ईद के त्यौहार के वक्त "हामिद" किस प्रकार अपनी बूढ़ी दादी के बारे में सोचता है और बुजुर्गों की देखभाल करने के मानव मूल्यों को प्रतिस्थापित करता है। भारत की राष्ट्रीय भावना को प्रदर्शित करता "सत्यमेव जयते" नृत्य, "घर याद आता है मुझे" शीर्षक से छोटे बच्चों के नृत्य में सभी सम्प्रदाओं के लोगों को सद्भाव, शांति एवं भाई चारे की भावना के साथ रहने का संदेश दिया, "कर मेहरबानियां" एक पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किया गया। हमारे पूर्व-सदस्य बच्चों ने वालंटियर के रूप में एक बार फिर से सांस्कृतिक कार्यक्रम को तैयार कराने में मदद की।

ईद के त्यौहार के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम "कर मेहरबानियाँ" और "घर याद आता है मुझे" की प्रस्तुति।

जवाहर बाल भवन, मांडी के बच्चों ने 16 जुलाई, 2016 को जवाहर बाल भवन मांडी के एक सदस्य विद्यालय टेरी प्रकृति विद्यालय के आम उत्सव कार्यक्रम में भाग लिया। जवाहर बाल भवन, मांडी की कला और शिल्प अनुदेशिका मनीषा जैन के स्कूल के बच्चों, आगन्तुक बच्चों और मांडी बाल भवन के बच्चों के लिए ब्लॉक प्रिंटिंग गतिविधि को संचालित किया। बच्चों ने कपड़े और कागज़ पर आम की ब्लाक प्रिंटिंग की और रनर, थाल-पोश व कोस्टर बनाए। इस गतिविधि का संचालन जवाहर बाल भवन, मांडी के कला और शिल्प अध्यापिका श्रीमती मनीषा जैन ने किया। बच्चों

ने इस गतिविधि का बड़ा आनन्द उठाया तथा श्रीमती लता वैद्यनाथन, निदेशक, टेरी प्रकृति विद्यालय तथा राष्ट्रीय बाल भवन की कार्यक्रम समिति की अध्यक्ष ने बच्चों के कार्य को सराहा।

रोटरी क्लब दिल्ली रिज और इनर व्हील फाउण्डेशन के सहयोग से एक प्रिंटिंग व स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मांडी बाल भवन, सरदार पटेल विद्यालय व टेरी प्रकृति स्कूल के 5 से 8 वर्ष, 9 से 12 वर्ष और 13 से 16 वर्ष आयु वर्ग के करीब 100 बच्चों ने इन दो प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इस प्रतियोगिता का थीम "बेटी बचाओ" और "स्वच्छ भारत" था। इन तीन भिन्न वर्ग के पुरस्कार विजेता बच्चों ने रोटरी क्लब के पदाधिकारियों डा. कुसुम चोपड़ा, प्रेसीडेन्ट 2015–16 ई. आर. सन्त भूषण लाल, प्रेजीडेन्ट 2016–17 के कर–कमलों से प्राप्त किये। बच्चों (हरित वाहिनी सदस्यों समेत) तथा जवाहर बाल भवन मांडी के स्टाफ सदस्यों और रोटरी क्लब फाउण्डेशन व इनर व्हील संस्था के पदाधिकारियों ने मांडी बाल भवन के प्रांगण में 12 पौधे रोपित किए। सहभागी बच्चों को प्रतियोगिताओं के पुरस्कारों व अल्पाहार की व्यवस्था रोटरी क्लब दिल्ली रिज द्वारा की गई।

जवाहर बाल भवन मांडी के बच्चों द्वारा बनाए गए 35 पेन स्टैण्ड और गुलदस्तों को रोटरी क्लब दिल्ली रिज द्वारा स्मृति–चिन्ह के रूप में खरीदा गया। वास्तव में जवाहर बाल भवन मांडी की यह एक उपलब्धि है।

इस समय बच्चे राखियां बनाने के साथ–साथ स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम की तैयारियों में जुटे हैं।

दिल्ली में बाल भवन केन्द्रों की सूची

क्षेत्र	बाल भवन केन्द्रों की संख्या
दक्षिणी दिल्ली	12
पश्चिमी दिल्ली	12
उत्तरी दिल्ली	13
पूर्वी दिल्ली	11
कुल	**48**

ऐसे बच्चों की बढ़ती आवश्यकताओं और मांग को देखते हुए, जो किसी न किसी कारण के चलते बाल भवन तक पहुँच पाने में कठिनाई महसूस करते हैं, दिल्ली के विभिन्न भागों में बाल भवन केन्द्रों की स्थापना की गई। इन केन्द्रों का मूलभूत उद्देश्य आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टि से वंचित बच्चों के साथ-साथ स्कूली बच्चों की सहायता करना है, जो किसी भी कारणवश मुख्य बाल भवन की सुविधाओं का लाभ नहीं उठा सकते।

बाल भवन केन्द्र दिल्ली के दूर-सुदूर क्षेत्रों में बच्चों को उनके द्वार पर सृजनात्मक अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान करते हैं। वर्ष 2015-16 में 1075 बच्चों ने राष्ट्रीय बाल सभा कार्यक्रम में भाग लिया। सी.एच.जी. बाल केन्द्र के 50 बच्चों तथा बालिका गृह व बाल निकेतन के 90 बच्चों ने 29 जुलाई, 2015 और 22 अगस्त, 2015 को राष्ट्रीय बाल भवन की गतिविधियों में भाग लिया। ग्रीष्म उत्सव के दौरान 9784 बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन का दौरा किया एवं गतिविधियों में भी भाग लिया।

दिल्ली में स्थित बाल केन्द्रों की सूची

दक्षिणी दिल्ली

1. राजा राम मोहन राय
सर्वोदय कन्या विद्यालय
हौजरानी गाँव, मालवीय नगर
नई दिल्ली-110017

2 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
हुमायूँपुर गाँव
नई दिल्ली-110029

3 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
सब्ज़ी मण्डी के समीप, के ब्लॉक
कालकाजी, नई दिल्ली-110019

4 चिल्ड्रन्स होम फोर बॉयस (सी.एच.बी.)
डिपार्टमेंट ऑफ सोशल वेलफेयर
गर्वमेंट ऑफ एन.सी.टी. आर्फ दिल्ली
कस्तूरबा निकेतन कॉम्पलेक्स
लाजपत नगर, नई दिल्ली-110024

5 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
जी - ब्लॉक कृष्णा मार्किट, गुरूद्वारा के सामने
लाजपत नगर, नई दिल्ली-110024

6 देव समाज मॉर्डन स्कूल नं. 2
सुखदेव विहार, मसीह गढ़ समीप
एस्कोर्ट हार्ट अस्पताल, नई दिल्ली-110022

7 केन्द्रीय विद्यालय
एन.सी.ई.आर.टी. कैम्पस
कुतुब होटल के सामने, दिल्ली–110026

8 केन्दीय विद्यालय
आई.आई.टी. गेट, दिल्ली–110030

9 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
सैक्टर–9, आर.के. पुरम, दिल्ली–110022

10 योगी अरविन्द सर्वोदया विद्यालय
सैक्टर–5, डॉ. अम्बेडकर नगर, दिल्ली–110062

11 गर्ल्स सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल
मदन पुर खादर, दिल्ली–110076

12 प्रयास ऑबजर्वेशन होम फोर बॉयस
कोटला फिरोज़शाह क्रिकेट स्टेडियम के पीछे
दिल्ली गेट, नई दिल्ली–110002

पश्चिमी दिल्ली

1 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
आदर्श नगर (समीप, मदर डेयरी, आदर्श नगर पार्क), दिल्ली–110033
सर्वोदया कन्या विद्यालय
राजौरी गार्डन एक्सटेंशन, नई दिल्ली–110027

2 कॉन्टोनमेंट बोर्ड सैकेण्ड्री स्कूल
वार सेमेन्ट्री रोड, उरी एंक्लेव
बरार स्क्वेयर, दिल्ली कैन्ट, दिल्ली–110064

3 बाबा खड़क सिंह मार्ग
डीआईजेड क्षेत्र, ब्लॉक नं. 82
दिल्ली–110092

4 गेरराज़ बी, 89 के समीप, ब्लॉक राजा बाजार
(बंग्ला साहिब के सामने)
नई दिल्ली–110001

5 बाल निकेतन
निर्मल छाया कॉम्पलेक्स
जेल रोड, हरी नगर के पास, दिल्ली

6 एम. सी. प्राइमरी स्कूल
प्रभात रोड, रामजस लेन, करोल बाग
नई दिल्ली–110005

7 एम. सी. आदर्श स्कूल
रानी बाग मुल्तानी मौहल्ला, नई दिल्ली

8 सर्वोदया कन्या विद्यालय
डिस्ट्रीक्ट सेंटर, विकास पुरी, दिल्ली–110018

9 एम.सी. प्राइमरी बॉयस मॉर्डन स्कूल
मज़लिस पार्क–2, गली नं. 12
जल बोर्ड के समीप, दिल्ली–110033

10 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
मेट्रो पिल्लर नं. 224, शादी खामपुर गाँव
पश्चिमी पटेल नगर, नई दिल्ली–110008

11 बालिका गृह
निर्मल छाया कॉम्पलेक्स
बालिका गृह, जेल रोड
हरी नगर, दिल्ली–110064

12 गर्वमेन्ट गर्ल्स सैकेण्ड्री स्कूल
डिप्टी गंज, सदर बाजार, दिल्ली–110006

उत्तरी दिल्ली

1 एम.सी. मॉडल स्कूल
आई–ब्लॉक, जहाँगीर पुरी मार्किट के समीप
दिल्ली–110033

2 झरोंदा कलाँ वेलफेयर सी.आर.पी.एफ.
झरोंदा कलाँ केन्द्र, दिल्ली–110072

3 एम.सी. मॉडल स्कूल
सी–7, लारेंस रोड, गुरूद्वारा के समीप
दिल्ली– 110035

4 बाल सहयोग भवन डिसपेंसरी
ई–ब्लॉक, नाँगलोई नं. 2, दिल्ली

5 ग्रामीण महिला सिलाई संघ
पल्ला डी.टी.सी. बस स्टाप के समीप
दिल्ली–110036

6 गवर्मेंट को-एजूकेशनल सैकेण्ड्री स्कूल
सैक्टर-2, रोहिणी, दिल्ली-110085

7 सर्वोदय विद्यालय
रोहिणी सैक्टर-7, नाहर पुर
दिल्ली-110085

8 एम.सी. बालिका विद्यालय
बी.टी. ब्लॉक, समीप सिंगलपुर गाँव
पानी की टंकी, शालीमार बाग, दिल्ली

9 सर्वोदय विद्यालय
जे.जे. कॉलोनी, वज़ीरपुर, दिल्ली-110052

10 नगर निगम प्रतिभा विकास विद्यालय
निमड़ी कॉलोनी, निमड़ी कॉलोनी बस
स्टाप के पास, दिल्ली

11 नवोदया विद्यालय
मुंगेशपुर, कुतुबगढ़ गाँव के समीप
नई दिल्ली-110039

12 रिचमण्ड ग्लोबल स्कूल
एन.एस. रोड, मिंयावाली नगर
इन्द्र एंक्लेव के सामने, पश्चिम विहार
नई दिल्ली-110081

13 प्रतिभा विकास विद्यालय
रोहिणी सैक्टर-11, दिल्ली-110085

पूर्वी दिल्ली

1 गवर्मेंट सर्वोदय सीनियर सैकेण्ड्री
को-एजूकेशन विद्यालय
आनन्द विहार रेलवे स्टेशन आनन्द विहार
दिल्ली-110092

2 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
राठी मील के पीछे, बलबीर नगर
शाहदरा, दिल्ली-110032

3 बाबू राम सीनियर सैकेण्डरी स्कूल
भोला नाथ नगर, गऊशाला के समीप
शाहदरा, दिल्ली-110032

4 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
ढक्का चौक के समीप और ढक्का बस स्टॉप
ढक्का गाँव, दिल्ली-110009

5 एम.सी.डी. प्रोजेक्ट कार्यालय
पुरानी इमारत, ई-ब्लॉक
मेन बस स्टैण्ड के समीप
हनुमान मन्दिर के पीछे, कृष्णा नगर
दिल्ली-110051

6 सर्वोदय गवर्मेंट गर्ल्स सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल
विवेक विहार, दिल्ली

7 राजेन्द्र आश्रम (डी.पार्क के समीप)
एस-160, पाण्डव नगर, दिल्ली-110092

8 सर्वोदय बाल विद्यालय
पूर्वी विनोद नगर, पॉकेट-सी
मयूर विहार, फेस-II, बस स्टॉप के पास
दिल्ली-110091

9 शिब्बन मॉर्डन पब्लिक स्कूल
डी-ब्लॉक मेन रोड, बृजपुरी
दिल्ली-110094

10 प्रतिभा विकास विद्यालय
ईएसआई के समीप, इन्दिरा गाँधी अस्पताल
गेट नं. 4, सूरजमल विहार, दिल्ली-110092

11 बाल विकास विद्यालय
त्रिलोक पुरी
बी-ब्लॉक, त्रिलोकपुरी
चाँद सिनेमा के पास, दिल्ली

संबद्ध राज्यों से प्राप्त रिपोर्ट

बाल भवनों से वर्ष-पर्यन्त निम्नलिखित कार्यक्रमों की विस्तृत रिपोर्ट

क्र.सं.	बाल भवन/बाल भवन केन्द्र का नाम	गतिविधियाँ	भाग लेने वाले बच्चों की संख्या
1	बाल भवन श्री महात्मा गाँधी, पोबंदर, गुजरात	17	7503
2	जवाहर बाल भवन, इलाहाबाद	34	3873
3	बाल भवन सोसायटी, वडोदरा, गुजरात	18	3921
4	किलकारी बाल भवन, बिहार	9	5585
5	डिस्ट्रीक बाल भवन, चित्तूर, आन्ध्र प्रदेश	11	2625
6	मिजोरम बाल भवन सोसायटी, आइजोल	4	410
7	स्टेट जवाहर बाल भवन, भुवनेश्वर	5	475
8	बाल भवन, गोपेश्वर, चमोली, उत्तराखण्ड	35	5290
9	अमित बाल भवन, गाँधी पार्क, फिरोज़ाबाद, उ.प्र.	96	30600
10	भारती बाल केन्द्र, भाटी मथुरा	22	3436
11	बाल भवन, अमरोहा	2	–
12	अनुभूति बाल भवन, बैंगलोर	5	2387
13	जवाहर बाल भवन, कोलोम, केरल	2	1074
14	बाल भवन, कोटकापुरा, पंजाब	7	361
15	बाल भवन, दमन	14	2285
16	रंगप्रभात बाल भवन, केरल	5	925
17	ताराबाई शंकर पवाँर बाल भवन, नागपुर	3	80
18	बाल भवन, सेलम	2	228

19	रूपायातन बाल भवन, जूनागढ़, गुजरात	9	1849
20	शीशू विहार बाल भवन, भावनगर, गुजरात	22	3351
21	साँई बाल भवन, औरंगाबाद	5	418
22	बाल भवन, गोवा	14	19890
23	कुसुमबेहेन आदानी बाल भवन, जूनागढ़	3	350
24	कानपुर बाल भवन	5	3963
25	मणिपुर स्टेट बाल भवन	3	92
26	बाल भवन बोर्ड, दिउ	10	933
27	जवाहर बाल भवन, मुम्बई	8	-----
28	गरवारे बाल भवन, औरंगाबाद	25	5969 नारी-595. स्कूल-30
29	बाल भवन नागालैण्ड, कोहिमा	1	100
30	चाचा बाल भवन, राजम श्री काकूलम	5	1750
31	जवाहर बाल भवन, पुद्दूचेरी	11	5585
32	विद्या बाल भवन, कर्नाटक	35	----
33	बाल भवन, अमरेली, गुजरात	32	5516
34	बाल भवन, राजकोट, गुजरात	86	21182
35	यूनिटी चिल्ड्रन अकेदमी बाल भवन केन्द्र, सिरसी सम्भाल	5	27833

भारत में संबद्ध बाल भवनों एवं बाल भवन केन्द्रों की सूची

पूर्वी क्षेत्र

पश्चिम बंगाल

1. जवाहर शिशु भवन
   94/1, चौरंगी रोड़, कोलकाता-700020 (पश्चिम बंगाल)
   फोन नं. 2223-1551/6878/6667, ई-मेल : ncm.va.academy@gmail.com

2. जवाहर शिशु भवन
   पोस्ट ऑफिस बालिटीकुरी, जिला हावड़ा-711113 (पश्चिम बंगाल)
   फोन नं. 033-26532317, ई-मेल : prabal.jsb@gmail.com

ओडिशा

3. राज्य जवाहर बाल भवन
   सरकारी स्टेट, पोखारीपुट मेन रोड़, एरोड्रोम एरिया, भुवनेश्वर-751020 (ओडिशा)
   फोन नं. 0674-3269166, मो. नं. 09237197667 ई-मेल : madhushreya73@rediffmail.com

4. जिला जवाहर बाल भवन (ज्योतिर्मयी महिला समिति)
   आर-8, ग्वाल सिंह, पोस्ट ऑफिस ठाकुरपटना, केंद्रपाड़ा-754250 (ओडिशा)
   ई-मेल : jyotiramayee2000@yahoo.co.in

5. जिंदल बाल भवन
   जेएसपीएल टाउनशिप, पो.ओ. जिंदल स्कूल कैम्पस, जिंदल नगर, अंगुल-759001, (ओडिशा)
   ई-मेल : opjs@angul.jspl.com

मणिपुर

6. मणिपुर बाल भवन
   सामाजिक अधिकारिता विभाग, निदेशालय परिसर, एम.आर. गेट, इम्फाल-795001 मणिपुर सरकार
   फोन नं. 0385-2448532, मोबाईल नं. (0)8794611546

झारखण्ड

7. झारखण्ड स्टेट बाल भवन
   सिटीजन फाउंडेशन, 7, बेतार केन्द्र, निवारन पुर, रांची-834002 (झारखण्ड)
   फोन नं. 651-2482777, 2481777, ई-मेल : mail2cf@gmail.com

8. आशा-लता बाल भवन
सैक्टर 5-डी, बोकारो स्टील सिटी-827006, जिला बोकारो (झारखंड)
ई-मेल : ashalatakendra@yahoo.co.in

नागालैंड

9 बाल भवन
सामाजिक अधिकारिता विभाग, नागालैंड, कोहिमा-797001
फोन नं. : 0370-2245761 ई-मेल : socialwelfarengl@gmail.com

मिज़ोरम

10. बाल भवन
मिज़ोरम बाल भवन सोसाइटी, गृह नं0 वाई/ए-46, मिज़ोरम सरकार, सामाजिक अधिकारिता विभाग
मिज़ोरम सरकार, आईज़ोल-796007 (मिज़ोरम)
फोन नं.: 0389-2390866, ई-मेल : avzawni@gmail.com

बिहार

11. बिहार बाल भवन ''किलकारी''
राष्ट्र भाषा परिषद कैम्पस, सैदपुर, राजेन्द्र नगर, पटना-800004 (बिहार)
फोन नं.: 0612-2661295, ई-मेल : kilkari2008@yahoo.co.in

12. यूनिक बाल भवन
रन बाय यूनिक क्रिएटिव एजुकेशनल सोसाइटी, स्टेशन रोड़, सिंघीयाघाट
जिला समस्तीपुर-848236 (बिहार) फोन नं. : 06275-244442, ई-मेल : ucesociety80@gmail.com

पश्चिमी क्षेत्र

संघ शासित प्रदेश

13. बाल भवन बोर्ड
सरकिट हाऊस के सामने, दादर एवं नगर हवेली संघ क्षेत्र, सिलवासा-396230
फोन नं. : 0260-2642287, ई-मेल : sonimonika72@gmail.com

14. बाल भवन बोर्ड
फुटबाल पार्क, मोती दमन-396220 संघ शासित प्रदेश दमन और दीव
फोन नं.: 0260-2230941, ई-मेल : balbhavandaman@gmail.com

15. बाल भवन बोर्ड
समीप जिला पुस्तकालय, लूहारवाडा, दीव -362520 (दमन और दीव)
फोन नं.: 02875-254516, ई-मेल : balbhavandiu@gmail.com

महाराष्ट्र

16. महाराष्ट्र राज्य जवाहर बाल भवन
नेताजी सुभाष मार्ग, चरनी रोड़ (पश्चिम), मुम्बई-400004 (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 022-23614189, ई-मेल : jawaharbalbhavan.mumbai@gmail.com

17. सांई बाल भवन
श्री माता निर्मला देवी नृत्या झंकार, प्लॉट नं0 68, सैक्टर-ए, 4 नं0 पुलिस चौकी के पास
सिडको, औरंगाबाद-430001 (महाराष्ट्र) ई-मेल : meera.pauskar@gmail.com

18. जय हिंद बाल भवन
जय हिंद कॉलोनी, दिओपुर, धुले-424002 (महाराष्ट्र) ई-मेल : jaihindbalbhawan@gmail.com

19. गरवारे बाल भवन
एन-7, बी-1, सिडको, औरंगाबाद-431003 (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 0240-2484794, 2472234 ई-मेल : gcccidco@gmail.com

20. ताराबाई संगरपवार बाल भवन
221/बी, बजाज नगर, नागपुर-440010 (महाराष्ट्र)
बाल मंदिर संस्था बाल भवन
बजाज नगर, नागपुर (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 0712-2243127 ई-मेल : bmsanstha@gmail.com

गुजरात

21. बाल भवन
चिल्ड्रन ड्रीम लैंडस, नेहरू उद्यान रेस कोर्स, राजकोट-360001 (गुजरात)
फोन नं.: 0281-2440930, ई-मेल : balbhavanrajkot@gmail.com

22. बाल भवन सोसाइटी
सायाजी बाग के पीछ, करेलिबौग, वड़ोदरा-390018 (गुजरात)
फोन नं.: 0265-2792718-2795937, ई-मेल : balbhavanbrd@gmail.com

23. कुसम बहन अदानी बाल भवन
अक्षयगढ़-362229, केशोड, जिला जूनागढ, (गुजरात)
ई-मेल : balbhavan@gurukulmail.com

24. रूपायतन बाल भवन
गिरी टेलेटी, भवनाथ, जूनागढ़- 362004 (गुजरात)
फोन नं.: 0285-2627573, ई-मेल : rupayatanbalbhavan@gmail.com

25. बाल भवन
सैक्टर-28, बी/एच दत्त मंदिर, गाँधीनगर-382028 (गुजरात)
फोन नं.: 079-23210477, ई-मेल : balbhavangn18@gmail.com

26. लालचंद भाई वोरा बाल भवन
द्वारा बाल केलावनी मंदिर, बागासरा, जिला अमरेली (गुजरात)
फोन नं.: 0796-222479, ई-मेल : vvmst@rediffmail.com

27. श्री महात्मा गाँधी बाल भवन
श्री स्वामीनारायण गुरूकुल कैम्पस, छाया मेन रोड़, पो.ओ.-छाया, जिला पोरबंदर-360575 (गुजरात)
फोन नं.: 0286-2243790, फैक्स नं. 0286-2240791, ई-मेल : swamijipbr@gmail.com

28. श्री एन. के. सोलंकी (मोगर) बाल भवन
समीप ओवरब्रिज, आश्रम रोड, जिला नादियाड-387001 (गुजरात)
फोन नं.: 0268-2568851

29. बाल भवन
श्री गिरधरभाई बाल संग्रहालय कैम्पस, पुस्तकालय चौक, अमरेली-365601 (गुजरात)
ई-मेल : nileshkumarpathak@yahoo.com

30. सरदार पटेल बाल भवन
सामने मिल रोड आरटीओ, नादियाड, जिला खेडा-387001 (गुजरात)
फोन नं.: 0286-2566196

31. पार्थ एक्टविटीज बाल भवन
अनेरी महिला विकास मंडल, प्लाट नं. 2225/बी, 'पूजा पार्क', सामने अंखर वाड़ी मंदिर
वाघावाडी रोड़, भावनगर-364002 (गुजरात)
फोन नं.: 078-2470523, ई-मेल : privij64mehta@gmail.com

32. शिशु विहार बाल भवन
शिशु विहार सर्कल, नियर क्रिसेंट, कृष्णा नगर, भावनगर-364001 (गुजरात)
फोन नं: 0278-2512850, ई-मेल : mail@shishuvihar.org

33. श्री स्वामीनारायण बाल भवन
धर्मपुर, मालानपाडा, तलुक धर्मपुर, जिला-वलसाड-396050 (गुजरात)
फोन नं.: 02633-240107, 9913458525, ई-मेल : gandhinagargurukul@gmail.com

गोवा

34. बाल भवन बोर्ड
परेड ग्राउंड के सामने, केंपेल, पणजी-403001, (गोवा)
फोन नं. 0832-2226823 फैक्स : 0832-2223001
ई-मेल : panajibalbhavan@gmail.com

राजस्थान

35. बाल भवन जयपुर
508, अंजनी मार्ग, हनुमान नगर, एक्सटेंशन, सिरसी रोड, जयपुर-302021 (राजस्थान)
फोन नं. 0141-2359917, ई-मेल : balbhavanjaipur@gmail.com

36. वीना मेमोरियल बाल भवन
वीना मेमोरियल एसएसईईडब्ल्यूए सोसायटी, वीना मार्ग
गुलाब बाग, करौली-322241 (राजस्थान)
ई-मेल : pvms525@gmail.com

उत्तरी क्षेत्र

संघशासित

37. बाल भवन चंडीगढ़
द्वारा इंडियन कांउसिल फॉर चाइल्ड वेलफेयर, यू.टी. ब्रांच, सैक्टर 23-बी, हरियाणा सरकार
चंडीगढ़-160023 (हरियाणा) मो. 09780300625 कार्या0: 01722337093

हरियाणा

38. बाल भवन हिसार
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद, जिला ब्रांच, हिसार (हरियाणा)
फोन नं. : 01662-237027 मोबाईल : 09896890315
ई-मेल : dccw.hisar@gmail.com

39. बाल भवन
द्वारा बाल कल्याण जिला परिषद, सैक्टर 13, अर्बन स्टेट, कुरूक्षेत्र (हरियाणा)
फोन नं. : 01744-222340, 220271, ई-मेल : dccwkurukshetra@gmail.com

40. बाल भवन रोहतक
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद, जिला ब्रांच, रोहतक-124001 (हरियाणा)
फोन नं. : 01262-253819, ई-मेल : dcworohtak@gmail.com

41. सलवान बाल भवन
सलवान पब्लिक स्कूल, सैक्टर-15 (भाग-II), गुड़गांव-122001 (हरियाणा)
फोन नं. 0124-4886050-90, ई-मेल : balbhavan@salwangurgaon.com

42. पठानिया बाल भवन
पठानिया पब्लिक स्कूल, 8 केएम स्टोन, गोहाना रोड, रोहतक, हरियाणा
मो. 09254377414, 09254350347, ई-मेल : ppsrohtak@gmail.com

43. बाल भवन, फरीदाबाद
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद, जिला शाखा, एन.आई.टी. बस स्टैंड के पास
फरीदाबाद-121001 (हरियाणा), फोन नं. : 1290-2418215

44. बाल भवन
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद बरनाला रोड, सिरसा-125055 (हरियाणा)
ई-मेल : dccwsirsa1976@gmail.com

पंजाब

45. बाल भवन
सदाराम बंसल मैमोरियल सीनियर सैकेंडरी स्कूल
बसंल एवन्यू, जैतू रोड़, कोटकपूरा-151204 (पंजाब)
फोन नं. : 01635-221186, ई-मेल : srbm_kkp@rediffmail.com

जम्मू व कश्मीर

46. जम्मू बाल भवन
87-पंजीतिरथी, जम्मू-18001(जम्मू व कश्मीर)
ई-मेल : razdansushil@yahoo.co.in

47. शांति निकेतन बाल भवन
गार्डन एवेन्यू, लेन नं 1, गेस्ट हाऊस रोड़, डाकघर विनायक बाजार
जम्मू तवी-180001(जम्मू व कश्मीर), ई-मेल : listenrenu@yahoo.com

48. कश्मीर बाल भवन
मजलीसन-निसा जम्मू व कश्मीर, सौपोर कश्मीर-193201
फोन नं: 01954-223507, मो. 09419039827
ई-मेल : meerasmahalmuseum@gmail.com

उत्तराखण्ड

49. आर्च बाल भवन
एमडीडीए डुप्लेक्स विला 3, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून, उत्तराखंड 248001
ई-मेल : arch.birdcount@gmail.com

50. बाल भवन
द्वारा जन शिक्षा समिति, गोपेश्वर, चमोली-246401(उत्तराखंड)
फोन नं. : 01372-252381, 253300,
ई-मेल : vinodrawatnd@gmail.com

हिमाचल प्रदेश

51. आधारशिला बाल भवन
पालमपुर, जिला कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश), पिन-176102
फोन : 09218606017, निवास : 09218506018, ई-मेल : kherrk@hotmail.com

52. आवर ओन बाल भवन
शाहपुर, जिला कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश) पिन-176206
फोन नं. 01892-238112, 239002, ई-मेल : awasthi35@yahoo.com

दक्षिणी क्षेत्र-1

आंध्र प्रदेश

53. बाल भवन
कॉलेज रोड़ गड़वाल, जिला - महबूब नगर, आंध्र प्रदेश-509125 (तेलंगाना)
फोन नं. : 09441255177

54. जिला बाल भवन
द्वारा बापुर कलैक्टोरेट बिल्डिंग, ग्रामसपेट, कलेक्टोरेट पोस्ट ऑफिस, जिला चित्तूर, आंध्र प्रदेश-517001
फोन नं. : 09440315924 ई-मेल : distbalabhavan@gmail.com

55. जिला बाल भवन
द्वारा जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम, हनमकोंडा, जिला वारंगल-506001 (आंध्र प्रदेश)
फोन नं. : 09912500516, ई-मेल : jhansi.bbwgl@gmail.com

56. जिला बाल भवन
तिलक रोड, फायर स्टेशन के सामने, निज़ामाबाद-503001 (तेलंगाना)
फोन नं. : 08462-225503, ई-मेल : saiprabhu11@gmail.com

57. बाल भवन
द्वारा आंध्र एकेडमी ऑफ आर्टस, मुतयलमपडु, एसबीआई के समीप, विजयवाड़ा, कृष्णा जिला- 500011 (आंध्र प्रदेश) फोन नं. : 09989361436, कार्यालय-9989911160

58. चाचा नेहरू बाल भवन
एसबीआई के समीप, मेन रोड, राजम, जिला श्रीकाकुलम - 532127 (आंध्र प्रदेश)
फोन नं. : 09348363738, 09440585616, ई-मेल : drsunkariramesh@gmail.com

59. जिला बाल भवन
क्वार्टर नं0 ए/285, हिल कालोनी, नालगौंडा जिला, नागार्जुन सागर, आंध्र प्रदेश, पिन- 508202
फोन नं. : 08680-276622

60. वीसीएसपी बाल भवन
विशाखा चाइल्ड स्पोनसरशिप प्रोग्राम, जी-3, सूर्या किरन अपार्टमेंट, पैलेस लेआउट,
पेडावालटेर, विशाखापटनम-530017, (आंध्र प्रदेश)
फोन नं. : 0891-2732171, ई-मेल : vcspbalbhavan@yahoo.in

61. बाल भवन
द्वारा स्पेस केन्द्रीय स्कूल, स्पेस विभाग आईएसआरओ, श्रीहरिकोटा-524124 (आंध्र प्रदेश)
फैक्स नं 08623-225123, ई-मेल : sradha@shar.gov.in

62. नेल्लोर बाल भवन
120, द्वारका टावर, टेकेमिट्टा, नेल्लोर -524003 (आंध्र प्रदेश)
ई-मेल : subhadra.govindaraju@gmail.com

63. जिला बाल भवन

107, आर एण्ड बी बिल्डिंग, सरोजिनी देवी रोड, समीप रंजना पार्क, तिरूपति, जिला चित्तूर - 517501 (आंध्र प्रदेश) फोन नं.: 917723445, 08897393736, ई-मेल : dbbtpt@gmail.com

64. जवाहर बाल भवन

तेलंगाना सरकार, शिक्षा विभाग, पब्लिक गार्डन्स, हैदराबाद

कर्नाटक

65. बाल भवन सोसाइटी

कुब्बन पार्क, डिपार्टमेंट ऑफ वुमन एण्ड चाइल्ड डवलपमेंट, कर्नाटका सरकार, बैंगलूरू-560001 (कर्नाटक) फोन नं.: 080-22864189, मो. 9341052284, ई-मेल : secybalbhavan.bng@gmail.com

66. अनुभूति बाल भवन

192, ब्लाक 4, 12-ए मेन रोड, कोरमंगला लेआउट, बेंगलूरू-560034 (कर्नाटक) फोन नं: 080-25581238, ई-मेल : manjularaman@gmail.com

67. नतनम बाल नाट्य केन्द्र

प्रथम क्रास, चेनल एरिया, राजेन्द्र नगर, शिमोगा-577201 (कर्नाटक) फोन नं. 08182-223402 फैक्स नं 08182-277251, ई-मेल : manjuk821@gmail.com

68. माउंटेन व्यू बाल भवन

विद्या नगर, चिकमंगलूर-577101 (कर्नाटक) फोन नं.: 08262-223140, मो. 9611967170, ई-मेल : mvi_school@yahoo.co.in

69. बाल भवन

एन 13/28 जोसफ नगर, सागर-577401 (कर्नाटक) फोन नं.: 08183-236228, ई-मेल : rpssagara@gmail.com

70. विद्या बाल भवन

सामने रेलवे स्टेशन, बनवारा, आरसिकेरे-तालुक हसन जिला-573103 (कर्नाटक) फोन नं.: 01874-235018, 7026418709, ई-मेल : kgnataraj1970@gmail.com

71. जिला जवाहर बाल भवन

बन्नीमनताप, मैसूर-570015 (कर्नाटक) फोन नं.: 09060300196, 9448914794, ई-मेल : rpssagar@gmail.com

दक्षिणी क्षेत्र - II

केरल

72. जवाहर बाल भवन

चेम्बुक्कवु, त्रिचूर-680020 (केरल) फोन : 0487-2370560, 2332909, ई-मेल : balbhavanthrissur@gmail.com

73. जवाहर बाल भवन
शास्त्री जंक्शन, कोल्लम-691001 (केरल)
फोन नं.: 0474-2741711, ई-मेल : balbhavanklm@gmail.com

74. जवाहर बाल भवन
पैलेस वर्ल्ड, अल्पुझा-6880011 (केरल) फोन नं.: 0477-2260622

75. केरल राज्य जवाहर बाल भवन
कनककुन्नु, विकास भवन, पोस्ट ऑफिस, तिरुवनंतपुरम-695033 (केरल)
फोन नं.: 0471-2316477, ई-मेल : jawaharbalbhavantvm@gmail.com

76. रंग प्रभात बाल भवन
अलुम्तरा, वेंन्जारामुडु, पोस्ट ऑफिस, तिरुवनंतपुरम-695607 (केरल)
फोन नं. 0472-2872344, ई-मेल : rangaprabhath@yahoo.com

77. सुहरूथ बाल भवन
सुरूथ नाटक कलारी, विथुरा-695551(केरल)
फोन नं.: 04722-858688, ई-मेल : vithurasuhruthbalbhavan@gmail.com

78. श्री सत्य सांई बाल भवन
श्री सत्य सांई ओरफांगे ट्रस्ट, 9/1108 अजित बिल्डिंग संस्था मंगलम, तिरूवनंतपुरम-695010 (केरल)
फोन नं. : 0471-2721422, 2115161, ई-मेल : saigramam@gmail.com

तमिलनाडु

79. जवाहर बाल भवन
सरकारी सगीत कालेज कैंपस, ग्रीनवेज रोड, चेन्नई-600004 (तमिलनाडु)
फोन नं. : 044-28192152 मो. 9444461186

80. जवाहर बाल भवन
सिंधरम पिल्लै प्राइमरी स्कूल, विल्लीवक , पैरियार नगर, चेन्नई-600008 (तमिलनाडु)

81. जवाहर बाल भवन
व्यासर पाडी, चेन्नई-6001018 (तमिलनाडु)

82. जवाहर बाल भवन
नं. 73-ए, मीतू स्ट्रीट, कांचीपुरम - 631502, जिला-तमिलनाडु
फोन नं. : 044-23624238 मो. 944133105, ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

83. जवाहर बाल भवन
तिरूमति लक्ष्मीलोकनाथन, आरकोट, जिला वेलोर (तमिलनाडु)

84. जवाहर बाल भवन
तिरूवनमलय, तमिलनाडु

85. जवाहर बाल भवन
सरकारी संगीत स्कूल कैम्पस, शारदा कॉलेज रोड, फेयरलैंड पोस्ट-सेलम-636016 (तमिलनाडु)
फोन नं. : 0427-2443594, 2330021

86. जवाहर बाल भवन
राथिनासभापति पर्यावरणीय कैंपस, 117-ए, डॉ. सान सलैई, एल.आई.सी. के पीछे,
नामक्कल-637001 (तमिलनाडु)

87. जवाहर बाल भवन
सम्पत नगर, ईरोड, (तमिलनाडु)

88. जवाहर बाल भवन
उथगामंडलम, (तमिलनाडु)

89. जवाहर बाल भवन पुड्डूकोट्टई
क्षेत्रीय आर्ट एवं कल्चर सेन्टर, 22/13 स्मद स्कूल स्ट्रीट, काज़ा नगर, त्रिचुरापल्ली-620020 (तमिलनाडु)
फोन नं.: 0431-2423122 मो. 09443153122, ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

90. जिला जवाहर बाल भवन
करूर-639001 (तमिलनाडु)

91. जवाहर बाल भवन
तंजावुर, रजियोनल असिस्टेंट कल्चर, क्षेत्रीय आर्ट सकंल्चर सैंटर नं. 5, मणी महलाई स्ट्रीट, मुथमैल नगर,
मैडिकल कॉलेज रोड, तंजावुर-613009 (तमिलनाडु) फोन नं.: 04362-30121

92. जवाहर बाल भवन
राज्य सरकारी संगीत स्कूल कैंपस, कार्पोरेशन प्ले ग्राउंड, विल्लूपुरम्-605602 (तमिलनाडु)

93. जवाहर बाल भवन
जिला सरकारी संगीत विद्यालय कैम्पस-2, पुडुयीरू, कडलूर-607001 (तमिलनाडु)

94. बाल भवन
आर्ट एवं कल्चर सैंटर 16/157, अलागार कोविल सलाई, मदुरै-625009(तमिलनाडु)
फोन नं. : 0452-22661795 मो. 09842761765
ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

95. जवाहर बाल भवन
नं. 84, सत्यमूर्ति स्ट्रीट, शिवगंगा-630561

96. जवाहर बाल भवन
अली नगराम, थेनी(तमिलनाडु)
फोन नं. : 0452-22661795 मो. 09842761765
ई-मेल :artandculture@tngovt.in

97. जवाहर बाल भवन
क्षेत्रीय आर्ट एवं कल्चर सैंटर, तमिलनाडु, देव कल्चर सैंटर बिल्डिंग, 820/8, ट्रैक्टर स्ट्रीट,
एन.जी.ओ.ए. कॉलोनी, तिरूनलवेल्ली-627011(तमिलनाडु)
फोन नं. : 04651-281622, ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

98. जवाहर बाल भवन
थिरूचन्दूर सलाई, तूतीकोरिन-628008(तमिलनाडु)

99. जवाहर बाल भवन
नागरकोईल, जिला कन्याकुमारी (तमिलनाडु)

संघशासित क्षेत्र

100. जवाहर बाल भवन
नं. 1, मरियामलाई, अदिगल सलाई, पुराने बस स्टैंड के पास, पुडूचेरी–605001
फोन नं. 0413–2225751, 2207206, 2207201, ई–मेल : jbbpondy@gmail.com

मध्य क्षेत्र

उत्तर प्रदेश

101. बाल भवन
16/99–ए, फूल बाग, कानपुर–208009 (उत्तर प्रदेश)
फोन नं.: 0512.2313129, ई–मेल : balbhawan3129@gmail.com

102. जवाहर बाल भवन
जवाहर लाल नेहरू मेमोरियल फंड, आनंद भवन, इलाहाबाद–211002 (उत्तर प्रदेश)
फोन नं.: 0532–2467078, मो. 09335411450, ई–मेल : jlnmfald@dataone.in

103. बाल भवन
एनएच–2, क्वाटर नं. डी–215, एनटीपीसी कॉलोनी, रिहंद नगर, जिला–सोनभद्र–231223 (उत्तर प्रदेश)
फोन नं.: 05446248280, ई–मेल : hkjain@ntpc.co.in

104. बाल भवन
ऊर्जा विहार, एन.टी.पी.सी. फिरोज गाँधी, थर्मल पावर प्रोजेक्ट, डाकघर, ऊँचाहार,
जिला रायबरेली–229406 (उत्तर प्रदेश)
फोन नं.: 05311–232430 मो. 09871094763, ई–मेल : balbhawanunchahar@gmail.com

105. पंडित कन्हैया लाल पुंज बाल भवन
सीतामणि, संत रविदास नगर, जिला, भदौही–221309 (उत्तर प्रदेश)
दूरभाष: 9838335726, 05414–236762, ई–मेल : balbhavansitamarhi@rediffmail.com

106. अमित बाल भवन
गांधी पार्क, 439, इन्द्रा कॉलोनी, स्ट्रीस नं. 4, रायपुर रोड़, फिरोज़ाबाद–283203 (उत्तर प्रदेश)
ई–मेल : dr.amit0190@gmail.com

107. बाल भवन
एनटीपीसी पोस्ट ऑफिस, टाउनशिप, सै.–33, विद्युत नगर, जिला– गौतमबुद्ध नगर–201008 (उत्तर प्रदेश)
फोन नं.: 0120–2805846 मो. 9871864951/9650994626, ई–मेल : balbhavandadri@gmail.com

108. बाल भवन
नवादा ग्रामोद्योग विकास समिति, मोहल्ला बागला, अमरोहा, जे.पी. नगर–244221 (उत्तर प्रदेश)
फोन नं.: 05922–259665, 094110071882

109. बाल भवन
यूनिटी चिल्ड्रन एकेडमी सिरसी, मो. सराय सदाक, डालन सिरसी, मुरादाबाद-248001 (उत्तर प्रदेश)
मो. 09411431912, ई-मेल : kingshabih@gmail.com

110. शिव शारीरिक शिक्षा एजुकेशन पर्यावरण सोसाइटी (स्पीडस)
460, समीप गायत्री मंदिर, आंतिया तलाब, झांसी-284001 (उत्तर प्रदेश)
ई-मेल : speedjhansi@gmail.com

मध्य प्रदेश

111. संभागीय बाल भवन
(महिला एवं बाल विकास विभाग), स्टेडियम मध्य प्रदेश सरकार,
129, मयूर नगर, ग्वालियर-474011 (मध्य प्रदेश) ई-मेल : vijaybalvikas@gmail.com

112. इंदौर बाल भवन
29/3, ओल्ड पलासिया, महिला एवं बाल विकास विभाग, मध्य प्रदेश सरकार, इंदौर-452001(मध्य प्रदेश)
फोन नं.: 0731-2576332 मो. 09826816863, ई-मेल : balbhavanind@gmail.com

113. संभागीय बाल भवन
केशरवानी कॉलेज, लोहियापुल, गराह फाटक, जबलपुर (मध्य प्रदेश) फोन नं.: 9479756905

114. बाल भवन सागर
मध्य प्रदेश सरकार, एचआईजी-1, पदमाकर नगर राजाकेदी, मकरोनिया, सागर-470003 (मध्य प्रदेश)
फोन नं.: 07582-230221, मो. 09425096898, ई-मेल : divbalbhavansagar@gmail.com

115. जवाहर बाल भवन
1250-II स्टॉप, तुलसी नगर, भोपाल-462003 (मध्य प्रदेश)
फोन नं.: 0755-2558059, ई-मेल : balbhavan3@gmail.com

116. अभिनव बाल भवन
केयर ऑफ कैरियर वेलफेयर सोसायटी, 239, पुतलीघर कॉलोनी, शाहजहांनाबाद,
भोपाल-462001 (मध्य प्रदेश) मो. 9753589295, ई-मेल : abhinavbb.123@gmail.com

117. बाल भवन उज्जैन
वुमन एण्ड चाइल्ड डवलपमेंट सेक्शन मध्य प्रदेश सरकार, विक्रम कीर्ति मंदिर के समीप,
काठी रोड, उज्जैन-456010 (मध्य प्रदेश) मो. 98930-08817

118. बाल भवन
पीली कोठी, रीवा-486001 (मध्य प्रदेश) फोन नं.: 07662-254379

छत्तीसगढ़

119. जिंदल बाल भवन
जिंदल स्टील एवं पावर लिमिटेड, पोस्ट बाक्स नं. 16, खर्सिया रोड़ रायगढ़-496001 (छत्तीसगढ़)
फोन नं.: 07762-227001, मो. 9303451988, ई-मेल : shishir.sinha@jspl.com

31.03.2017 को राष्ट्रीय बाल भवन कार्मिकों की सूची

ग्रुप क

1. श्रीमती अनामिका सिंह, उपसचिव, म.सं.वि.मं. (रा.बा.भ. में निदेशक के रूप में अतिरिक्त प्रभार)
2. श्रीमती इंद्राणी चौधुरी, उप निदेशक (कार्यक्रम समन्वयक एवं अनुसंधान)
3. श्री मुकेश गुप्ता, उप निदेशक (प्रशासन)
4. श्रीमती आशा भट्टाचार्जी, सहायक निदेशक (विज्ञान)

ग्रुप ख

5. डॉ. रश्मि शर्मा, क्यूरेटर (संग्रहालय)
6. श्री राजेन्द्र कुमार वधवा, प्रभारी अधिकारी (फोटोग्राफी)
7. श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा, प्रभारी अधिकारी (बा.भ.के.)
8. श्री जगदीप सिंह बेदी, प्रभारी अधिकारी (प्रदर्शन कला)

ग्रुप ग

9. श्री राजीव गुप्ता, सहायक लेखा अधिकारी (30–12–2016 को सेवानिवृत्त)
10. श्री दिनेश कुमार, अनुभाग अधिकारी
11. श्री एस. एन. शर्मा, सुरक्षा अधिकारी व केयरटेकर (31–07–2016 को सेवानिवृत्त)
    श्री ए. ए. मल्लिक, सुरक्षा अधिकारी व केयरटेकर (02–08–2016 को नियुक्ति)
12. श्रीमती गुरदीप कौर, कार्यालय सहायक
13. श्री राजू टंडन, कार्यालय सहायक
14. श्री जगदीश कुमार कोली, प्रबंधक (प्रकाशन)
15. श्रीमती परमिंदर बासु चौधुरी, कार्यक्रम संयोजक
16. श्री अश्विनी कुमार भट्ट, संयोजक (आविष्कारक क्लब)
17. श्री ऋषभ अरोड़ा, वरिष्ठ प्रशिक्षक (कम्प्यूटर)

18. श्री आशीष भट्टाचार्जी, वरिष्ठ प्रशिक्षक (छायांकन)

19. श्री जय भगवान राणा, वरिष्ठ प्रशिक्षक (शारीरिक शिक्षा)

20. श्री मनोज कुमार मिश्रा, वरिष्ठ प्रशिक्षक (रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक)

21. श्री रहमत खान लंगा, कलाकार (प्रदर्शन कला) - (31-07-2016 को सेवानिवृत्त)

22. श्री भगवती प्रसाद पाण्डेय, कलाकार (प्रदर्शन कला) - (31-12-2016 को सेवानिवृत्त)

23. श्री चन्द्रमणि, कलाकार (प्रदर्शन कला)

24. श्रीमती नेहा वत्स, कलाकार (प्रदर्शन कला)

25. श्री मोती लाल, कनिष्ठ मॉडलर - (31-05-2016 को सेवानिवृत्त)

26. श्री मेहताब हुसैन, कनिष्ठ प्रशिक्षक (काष्ठ शिल्प)

27. श्री नागेन्दर सिंह बिष्ट, कनिष्ठ प्रशिक्षक (मिट्टी)

28. श्री देवेन्द्र कुमार, कनिष्ठ प्रशिक्षक (जिल्दसाज़ी)

29. श्री जय प्रकाश तँवर, कनिष्ठ प्रशिक्षक (काष्ठ शिल्प)

30. श्री काशी नाथ, कनिष्ठ प्रशिक्षक (मॉडलिंग)

31. श्री राजीव कुमार, कनिष्ठ प्रशिक्षक (बुनाई)

32. श्री अमित सिंह, कनिष्ठ प्रशिक्षक (डार्क रूम)

33. मो. अनिरूल इस्लाम, कनिष्ठ प्रशिक्षक (चित्रकला)

34. श्रीमती उषा किरण बरूआ, कनिष्ठ प्रशिक्षक (शारीरिक शिक्षा)

35. श्री नीरज कुमार, कनिष्ठ प्रशिक्षक (जूडो)

36. श्री मोहन कुमार, कनिष्ठ कलाकार (जूडो)

37. श्री ओ. पी. शर्मा, कलाकार - (30-11-2016 को सेवानिवृत्त)

38. श्री वासुदेव, कनिष्ठ कलाकार

39. श्रीमती स्मृति अरोड़ा, कनिष्ठ कलाकार (संग्रहालय)

40. श्री सतीश पारचा, पर्यवेक्षक (बा.भ.के.-उच्च ग्रेड)

41. श्रीमती चन्द्रकांता शर्मा, पर्यवेक्षक (बा.भ.के.)

42. श्री संजय कुमार जैन, पर्यवेक्षक (बा.भ.के.)

43. श्री चमन लाल, उ.श्रे.लिपिक

44. श्री विनोद सिंह बिष्ट, उ.श्रे.लिपिक

45. श्रीमती सीमा चौहान माथुर, उ.श्रे.लिपिक

46. श्री जगदम्बा प्रसाद, उ.श्रे.लिपिक

47. श्रीमती माया रानी, उ.श्रे.लिपिक

48. श्री चिरंजी लाल, उ.श्रे.लिपिक

49. श्री गोपाल राम आर्या, नि.श्रे.लिपिक

50. श्रीमती विनोद सांगवान, कनिष्ठ आशुलिपिक (हिन्दी)

51. श्रीमती अनीता राय, कनिष्ठ आशुलिपिक (हिन्दी)

52. श्री मदन लाल मेहता, इलैक्ट्रीशियन

53. श्री अरविंद कुमार चौहान, स्टेज टेक्नीशियन व इलैक्ट्रीशियन

54. श्री मनोज कुमार वर्मा, कनिष्ठ इलैक्ट्रीशियन

55. श्री सुनील कुमार, चालक

56. श्री बृज कुमार, चालक

57. श्री हर्ष मणि सेमवाल, चालक

58. श्री प्रदीप भट्ट, चालक

59. श्री आर. के. रामास्वामी, तकनीकी सहायक

60. श्री अश्विनी कुमार, तकनीकी सहायक

61. श्रीमती रजनी देवी, वार्डन, हॉस्टल

62. सुश्री नीता, वरिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष व प्रशिक्षक

63. श्रीमती प्रतिज्ञा, कनिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष व प्रशिक्षक

64. सुश्री निधि सरियाल, कनिष्ठ खोजबीन सहायक (संग्रहालय)

रख-रखाव विभाग (ग्रुप डी)

65. श्री राम सिंह साही, रसोईया

66. श्री स्वरूप राम, बस कंडक्टर व क्लीनर

67. श्री गैंदा राम, माली

68. श्री रमेश कुमार, माली

69. श्री सुरेन्द्र सिंह, माली

70. श्री रति राम, माली

71. श्री साहब सिंह मीना, माली

72. श्री जय राम, माली

73. श्री सुखदेव, चपरासी - (30-10-2016 को सेवानिवृत्त)

74. श्री रमेश प्रसाद यादव, चपरासी

75. श्री प्रेम सिंह साही, चपरासी

76. श्रीमती गीता साही, चपरासी

77. श्री जगदीश चन्द्र, चपरासी

78, श्री सुधीर कुमार, चपरासी

79. श्री मुन्ना लाल, मददगार

80. श्री जसवंत सिंह सैनी, मैदान रक्षक

81. श्री महेश कुमार, मैदान रक्षक

82. श्री कैलाश चन्द, अनुभाग परिचारक

83. श्री गोविंद सिंह बिष्ट, अनुभाग परिचारक

84. श्री नेत्र सिंह बिष्ट, अनुभाग परिचारक

85. श्री राम दीन, अनुभाग परिचारक

86. श्री राम विनोद सिंह, अनुभाग परिचारक

87. श्री तारकेश्वर गोंद, अनुभाग परिचारक

88. श्री मोहन सिंह सैनी, बेलदार

89. श्री लायक सिंह, बेलदार

90. श्री राम दुलारे, बेलदार

91. श्री महादेव, बेलदार

92. श्री कँवर भान, चौकीदार

93. श्री मोहन लाल, चौकीदार

94. श्री डूँगर सिंह, चौकीदार

95. श्री अशोक कुमार तोमर, चौकीदार

96. श्री धनपाल सिंह, चौकीदार

97. श्री जय चंद, चौकीदार

98. श्री हरेन्दर सिंह, चौकीदार

99. श्री दुर्गा प्रसाद, चौकीदार

100. श्री महिन्द्र सिंह, चौकीदार
101. श्री उमेश कुमार, चौकीदार
102. श्री किशन लाल, सफाई कर्मचारी
103. श्री बिल्लू, सफाई कर्मचारी
104. श्री बिशन स्वरूप, सफाई कर्मचारी
105. श्रीमती किरन देवी, सफाई कर्मचारी
106. श्री दास, सफाई कर्मचारी
107. श्री होरी लाल, सफाई कर्मचारी
108. श्री नितिन, सफाई कर्मचारी
109. श्रीमती अनुराधा, सफाई कर्मचारी
110. श्री बाबू लाल मीना, सफाई कर्मचारी

भाग ख

वार्षिक लेखा
2016-17

राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN

SINGH CHHABRA & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS

लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

सेवा में,
प्रबंधक मंडल
राष्ट्रीय बाल भवन

हमने 31 मार्च 2017 तक के लिए **राष्ट्रीय बाल भवन (NBB)**, कोटला रोड़, नई दिल्ली–110002 के संलग्न तुलनपत्र तथा इसी तिथि को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष के लिए तैयार एवं इसके साथ संलग्न आय एवं व्यय खाते की भी लेखा परीक्षा की है। ये वित्तीय विवरण राष्ट्रीय बाल भवन के प्रबंधक मंडल का उत्तरायित्व है। हमारा उत्तरदायित्व इन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर विचार व्यक्त करना है।

हमने भारत में सामान्य रूप से स्वीकश्त लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार अपनी लेखा परीक्षा का आयोजन किया है। इन मानकों की अपेक्षा है कि हम लेखा परीक्षा की आयोजना और निष्पादन इस बात का पर्याप्त आश्वासन प्राप्त करने के लिए करें कि इन वित्तीय विवरणों में किसी भी प्रकार की वास्तविक प्रकशति की मिथ्या सूचना शामिल नहीं है। लेखा परीक्षा में वर्णित वित्तीय विवरणों में दी गई राशियों तथा निष्कर्षो की उपयुक्तता की जांच के लिए नमूना आधार पर परीक्षण शामिल है।

अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर, हम यह रिपोर्ट देते हैं कि :

i) हमारे विचार में तथा हमें प्राप्त सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपरोक्त लेखों को जब अन्य नोट्स के साथ पढ़ा गया तो इन्हें अनुरक्षित लेखा बहियों के अनुरूप पाया गया।

ii) हमारे विचार में तथा हमें प्राप्त सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपरोक्त लेखों तथा वित्तीय विवरणों से अधिनियम में अनिवार्य सब सूचनायें प्राप्त होती हैं तथा इनमें भारत में सामान्यतः स्वीकश्त लेखाकरण सिद्धांतों का अनुपालन किया गया है।

(क) तुलनपत्र के विषय में, **31 मार्च 2017** को राष्ट्रीय बाल भवन की वित्तीय स्थिति।

(ख) इसी तिथि को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते तथा घाटे की स्थिति।

कश्ते सिंह छाबड़ा एण्ड कम्पनी के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट

SINGH CHHABRA & CO. Chartered Accountants New Delhi

हरीश कुमार छाबड़ा
(पार्टनर)
एम नं0 500104
स्थान : दिल्ली
तिथि : 07.06.2017

Delhi Office : 305, V 4 Tower, Plot No. 14, Karkardooma Community Centre, Delhi-92, Tel.: +91(11)43632552
Dehradun Office : Lane No. 9, Turner Road, Clement Town, Dehradun-248002
Email : singhchhabraco@gmail.com Website : www.singhchhabra.com

31 मार्च 2017 को तुलनपत्र

राशि रूपयों में

निधि के स्रोत	अनुसूची	2016-17	2015-16
समग्र/पूंजी निधि	1	(5268,91,377)	(4619,45,178)
निर्धारित/निश्चित की गई/इंडोमेंट निधि	2	2,50,835	2,50,835
ऋण देयता		-	-
वर्तमान देयताएं एवं उपबन्ध	3	6817,21,118	6192,59,427
कुल		**1550,80,576**	**1575,65,084**

पूंजी अनुप्रयोग			
अचल परिसंपत्तियां	4	553,62,610	574,85,292
मूर्त परिसंपत्तियां			
अमूर्त परिसंपत्तियां			
पूंजी गत चल रहे कार्य			
निश्चित/इंडोमेंट निधि से निवेश	5	-	-
दीर्घ अवधि			
लघु अवधि			
अन्य निवेश	6	-	-
वर्तमान परिसंपत्तियां	7	183,81,529	141,03,803
ऋण/अग्रिम एवं जमा	8	813,36,437	859,75,988
कुल		**1550,80,576**	**1575,65,084**
मुख्य लेखाकरण नीतियां	23		
लेखा नोट्स	24		

गुरदीप कौर — तैयार किया गया

जांच किया गया

मुकेश गुप्ता — उप-निदेशक(प्रशा.)

मीनाक्षी गोपीनाथ — निदेशक

31 मार्च 2017 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय तथा व्यय खाता

राशि रूपयों में

विवरण	अनुसूची	2016-17	2015-16
आय			
शैक्षिक प्राप्तियां	9		-
अनुदान/सब्सिडी	10	1431,25,686	1777,48,961
निवेश से आय	11		
अर्जित ब्याज	12	10,24,847	11,73,898
अन्य आय	13	4,48,176	2,64,131
गत अवधि की आय	14	2,05,006	26,47,244
कुल (क)		**1448,03,715**	**1818,34,234**
व्यय			
कर्मचारी वेतन एवं हितलाभ (स्थापना व्यय)	15	864,42,574	782,20,098
सेवानिवृत्ति लाभ	15	837,10,873	1376,65,648
अनुदान एवं उपदान आदि पर व्यय	10		
शैक्षिक व्यय	16	97,79,687	103,68,543
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	17	225,08,941	391,07,200
परिवहन व्यय	18	2,56,303	5,10,846
मरम्मत एवं अनुरक्षण	19	17,97,865	11,07,326
वित्त लागत	20	-	-
मूल्य ह्रास	4	49,80,089	47,84,157
अन्य व्यय	21	57,104	89,270
गत अवधि के व्यय	22	39,53,875	18,31,943
कुल (ख)		**2134,87,311**	**2736,85,032**
व्यय पर आय की अधिकता के कारण शेष (क-ख)		(686,83,596)	(2295,16,446)
मुख्य लेखाकरण नीतियां	23		
लेखा नोट्स	24		

तैयार किया गया	जांच किया गया	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

31 मार्च 2017 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति तथा अदायगी खाता

प्राप्तियां	2016-17 योजनागत	2016-17 योजनेत्तर	2016-17 कुल	2015-16
I. आरंभिक शेष				
क. नकद शेष (एच.क्यू.)	–	947	947	18,335
ख. बचत खाता (एच.क्यू.)	137,19,939	5,779	137,25,718	71,06,178
II. प्राप्त अनुदान भारत सरकार से				
क) मानव संसाधन विकास मंत्रालय से				
– पूंजीगत व्यय के लिए	50,00,000	–	50,00,000	137,00,000
– राजस्व व्यय के लिए	413,98,000	1111,56,000	1525,54,000	1706,54,000
(यदि पूंजीगत एवं राजस्व व्यय के लिए अनुदान उपलब्ध हैं तो अलग-अलग दिखाया जाए।)				
III. शैक्षिक प्राप्तियां			–	–
IV. विविध देनदार			–	–
V. स्थाई परिसंपत्तियों की बिक्री			–	28,759
VI. अन्य निधियों में निवेश से आय				
VII. निम्न लिखित पर प्राप्त ब्याज				
क. बैंक जमा पर				
ख. ऋण तथा अग्रिम पर			–	19,345
ग. बचत बैंक खाते पर	7,49,682	2,75,165	10,24,847	11,54,553
VIII. अन्य आय	2,39,859	82,059	3,21,918	26,089
XI. जमा एवं अग्रिम				
प्रतिभूति जमा	80,207	3,319	83,526	26,150
अग्रिम की वसूली	41,36,548	4,17,150	45,53,698	1,13,541
कार्य निष्पादन गारण्टी				66,870
कुल	**653,24,235**	**1119,40,419**	**1772,64,654**	**1929,13,820**

अदायगियां	2016-17 योजनागत	2016-17 योजनेत्तर	2016-17 कुल	2015-16
I. व्यय				
क. स्थापना व्यय	201,30,183		201,30,183	189,14,094
– वेतन एवं भत्ते		571,89,976	571,89,976	518,00,187
– अन्य व्यय		336,74,021	336,74,021	30,18,317
ख. शैक्षिक व्यय	97,62,231		97,62,231	103,68,543
ग. प्रशासनिक व्यय	192,20,202	31,91,044	224,11,246	389,39,796
ध. परिवहन व्यय	2,25,580	30,723	2,56,303	5,10,846
ड. मरम्मत एवं रखरखाव	15,13,793	2,84,072	17,97,865	10,87,288
च. पूर्व अवधि के व्यय	1,08,730	10,358	1,19,088	13,99,882
छ. अन्य व्यय	46,746		46,746	23,938
II. प्रायोजित परियोजनाओं/ योजनाओं के प्रति भुगतान - राज्यों को सहायता	**12,11,641**		**12,11,641**	**11,21,930**
III. स्थायी परिसंपत्तियों एवं प्रगतिरत पूंजीगत कार्यों पर व्यय				49,46,374
क. स्थाई परिसंपत्तियाँ (अनुसूची 4)	28,00,715	56,691	28,57,406	
IV. संविधिक भुगतान सहित अन्य भुगतान				
सप्लायर/ लेनदारों को भुगतान	18,20,906	13,559	18,34,465	2,34,894
शुल्क एवं कर		1,00,850	1,00,850	14,69,619
देय सामान्य व्यय	–	22,30,281	22,30,281	236,65,596
देय वेतन व्यय		33,57,338	33,57,338	41,67,691
V. जमा एवं अग्रिम	11,33,549	11,41,732	22,75,281	85,19,951
कार्य निष्पादन गारण्टी	6,289		6,289	
VI. पूंजीगत व्यय हेतू अग्रिम			–	89,99,156
VII. अंतिम शेष				
क. नकद शेष (एच.क्यू.)		–	–	
ख. बचत खाते में (एच.क्यू.)	73,43,670	106,59,774	180,03,444	137,25,718
कुल	**653,24,235**	**1119,40,419**	**1772,64,654**	**1929,13,820**

तैयार किया गया	जांच किया गया	उप-निदेशक (प्रशा.)	निदेशक

अनुसूची-1 – पूंजीगत निधि

राशि रूपयों में

विवरण	2016-17	2015-16
वर्ष के आरंभ में शेष	(4619,45,178)	(3766,99,419)
जोड़ें : पूंजीगत निधि में अंशदान		-
जोड़ें : पूंजी व्यय हेतु प्रयुक्त सीमा तक भारत सरकार की ओर से अनुदान	37,37,397	66,05,039
जोड़ें : निश्चित निधियों से क्रय की गई परिसंपत्तियां	-	-
जोड़ें : प्रायोजित परियोजनाओं से क्रय की गई परिसंपत्तियां जिस पर संस्था का स्वामित्व है	-	-
जोडें : दान स्वरूप प्राप्त परिसंपत्तियां/उपहार	-	-
घटायें : लेखा परीक्षा आपत्ति के अनुसार समायोजन	-	-
जोड़ें : आय तथा व्यय खाते से अंतरित व्यय पर आय की अधिकता	-	-
कुल	(5268,91,377)	(4619,45,178)
(घटायें) आय तथा व्यय खाते से अंतरित घाटा	(686,83,596)	(918,50,798)
वर्ष के अंत में शेष	**(5268,91,377)**	**(4619,45,178)**

अनुसूची-2 – निर्धारित/निश्चित/एंडोमेंट निधि

राशि रूपयों में

विवरण	कुल	
	2016-17	2015-16
क		
क. आरंभिक खाता शेष	2,50,835	2,50,835
ख. वर्ष के दौरान परिवर्धन		
ग. निधि से किये गये निवेश से आय		
घ. निवेश/अग्रिम पर प्रोदभूत ब्याज		
ड़. बैक बचत खाते पर ब्याज		
च. अन्य परिवर्धन (श्रेणी निर्दिष्ट करें)		
कुल (क)	**2,50,835**	**2,50,835**
ख.		
निधियों का निर्धारित उद्देश्य हेतु प्रयोग/व्यय		
i. पूंजीगत व्यय		
ii. राजस्व व्यय		
कुल (ख)	-	
वर्ष के अंत में अंतिम शेष (क - ख)	2,50,835	2,50,835
प्रस्तुत की गई		
नकद तथा बैंक शेष निवेश पर प्रोदभूत ब्याज परंतु देय नहीं		
कुल	**2,50,835**	**2,50,835**

अनुसूची-3 – वर्तमान देयताएं एवं उपबन्ध

राशि रूपयों में

विवरण	योजनागत	योजनेत्तर	2016-17	2015-16
क. वर्तमान देयताएं				
1. कर्मचारियों से जमा				
2. विद्यार्थियों से जमा				
3. विविध लेनदार	20,67,934	1,27,290	21,95,225	28,18,698
क. आर ओ से			–	–
ख. अन्य	12,51,814	78,496	13,30,311	20,40,661
4. जमा-अन्य (ई.एम.डी., प्रतिभूति जमा सहित)	8,16,120	48,794	8,64,914	7,78,037
5. सांविधिक देयताएं (जी.पी.एफ., टी.डी.एस., डब्लयू.सी. टैक्स, सी.पी.एफ, जी.आई.एस., एन.पी.एस.)	–	9,97,750	9,97,750	11,02,391
क. अतिदेय	–	–	–	–
ख. अन्य	–	9,97,750	9,97,750	11,02,391
6. अन्य वर्तमान देयताएं	95,793	140,28,323	141,24,116	46,56,998
क. वेतन		33,66,442	33,66,442	33,57,338
ख. प्रायोजित परियोजनाओं के प्रति प्राप्तियां			–	
ग. प्रायोजित फेलोशिप और छात्रवृत्तियों के प्रति प्राप्तियां			–	
घ. अप्रयुक्त अनुदान	31,143	106,59,774	106,90,917	
ड. अग्रिम अनुदान			–	
च. अन्य निधियां			–	
छ. अन्य देयताएं	64,650	2,107	66,757	12,99,660
कुल (क)	**21,63,727**	**151,53,363**	**173,17,091**	**85,78,087**
ख. उपबन्ध				
1. कराधान के लिए			–	
2. उपदान	–	415,91,642	415,91,642	446,24,797
3. अधिवर्षिता पेंशन	–	5927,52,347	5927,52,347	5338,22,231
4. संचयित छुट्टी नकदीकरण	–	300,60,038	300,60,038	322,34,312
5. ट्रेड वारंटियां/दावे			–	
6. व्यय हेतु प्रावधान			–	
कुल (ख)	–	**6644,04,027**	**6644,04,027**	**6106,81,340**
कुल (क + ख)			**6817,21,118**	**6192,59,427**

अनुसूची-4 – अचल परिसंपत्तियां (मूर्त परिसंपत्तियां)

	निवल मूल्य				मूल्यह्रास				शुद्ध ब्लॉक	
राष्ट्रीय बाल भवन+उपहार मदें	01.04.16 की स्थिति	परिवर्धन	लोप	31.03.17 की स्थिति	31.03.16 तक संचित ह्रास	चालू वर्ष के लिए ह्रास	लोप	31.03.17 को संचित ह्रास	31.03.17 की स्थिति	31.03.16 की स्थिति
भूमि एवं भवन	887,09,638	99,598		888,09,236	430,71,640	17,76,185		448,47,825	439,61,411	456,37,998
ट्यूबवैल	7,30,212			7,30,212	4,49,641	14,604		4,64,245	2,65,967	2,80,571
विद्युतीय संस्थापन	122,11,793	20,22,951		142,34,744	81,61,848	5,99,191		87,61,040	54,73,705	40,49,945
सयंत्र एवं मशीनरी	3,83,327	14,900		3,98,227	3,50,614	19,657		3,70,271	27,955	32,712
वैज्ञानिक उपकरण	11,28,022	53,550		11,81,572	10,55,374	11,167		10,66,542	1,15,030	72,647
कार्यालय उपकरण	23,21,171	1,48,046	–	24,69,217	21,34,313	1,56,945		22,91,258	1,77,960	1,86,858
दृश्य एवं श्रव्य उपकरण	49,19,657	–		49,19,657	36,31,636	2,27,989		38,59,625	10,60,032	12,88,021
वाहन	35,81,222		–	35,81,222	35,81,217	–		35,81,217	5	5
पुस्तकें	9,83,681	12,958		9,96,639	9,45,030	39,946		9,84,976	11,663	38,651
फर्नीचर और फिक्सचर	147,82,731	1,25,289		149,08,020	143,18,702	1,77,205		144,95,907	4,12,113	4,64,029
कम्प्यूटर	86,54,034	19,298		86,73,332	70,64,170	15,79,626		86,43,796	29,536	15,89,864
विविध	82,44,437	13,500		82,57,937	74,37,837	98,825		75,36,663	7,21,274	8,06,600
लघु मूल्य की परिसंपत्तियाँ	9,134	45,187		54,321	9,134	45,187		54,321		
	1466,59,058	**25,55,277**		**1492,14,335**	**922,11,157**	**47,46,527**		**969,57,684**	**522,56,651**	**544,47,901**
जवाहर बाल भवन										
भवन, जवाहर बाल भवन	36,25,178			36,25,178	9,53,715	72,504		10,26,219	25,98,960	26,71,464
विद्युतीय उपकरण	2,79,165	99,735		3,78,900	1,85,298	18,946		2,04,244	1,74,656	93,867
ट्यूबबेल	1,89,235			1,89,235	80,599	3,785		84,384	1,04,851	1,08,636
सयंत्र एवं मशीनरी	76,339			76,339	54,073	3,817		57,890	18,449	22,266
जिरोक्स मशीन-जवाहर बाल भवन	49,114			49,114	27,330	3,684		31,014	18,100	21,784
दृश्य एवं श्रव्य उपकरण	1,64,846			1,64,846	1,26,449	11,775		1,38,224	26,622	38,397
फर्नीचर एवं फिक्सचर	1,87,605			1,87,605	1,41,725	14,071		1,55,796	31,809	45,880
वाहन - जवाहर बाल भवन	2,309			2,309	2,075	231		2,306	4	235
पुस्तकें - जवाहर बाल भवन	1,128			1,128	734	113		847	281	394
विविध	15,552			15,552	8,871	778		9,649	5,903	6,681
लघु मूल्य की परिसंपत्तियाँ	1,950			1,950	1,950			1,950	–	–
कुल (जवाहर बाल भवन)	**45,92,421**	**99,735**		**46,92,156**	**15,82,819**	**1,29,704**		**17,12,523**	**29,79,633**	**30,09,602**
कुल जोड़	**1512,51,479**	**26,55,012**		**1539,06,491**	**937,93,976**	**48,76,231**		**986,70,207**	**552,36,284**	**574,57,503**

अनुसूची-4 (क) – अचल परिसंपत्तियां (अमूर्त परिसंपत्तियां)

अमूर्त परिसंपत्तियाँ	01.04.2016 को निवल ब्लॉक	वर्ष के दौरान खरीद	वर्ष के दौरान बिक्री	31.03.2017 को निवल ब्लॉक	31.03.2016 तक ह्रास	वर्ष 2016-17 के लिए ह्रास	कटोती/ समायोजन	कुल ह्रास	31.03.2017 को शुद्ध ब्लॉक	31.03.2016 को शुद्ध ब्लॉक
एण्टी वायरस और साफ्टवेयर	57,250	2,02,394		2,59,644	29,460	1,03,858		1,33,318	1,26,326	27,790
कुल जोड़	**1513,08,729**	**28,57,406**		**1541,66,135**	**938,23,436**	**49,80,089**		**988,03,525**	**553,62,610**	**574,85,293**

अनुसूची-5 – निश्चित/एंडोमेंट निधियों से निवेश

राशि रुपयों में

विवरण	2016-17	2015-16
1. केन्द्रीय सरकार प्रतिभूतियों में	0	0
2. राज्य सरकार प्रतिभूतियों में	0	0
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	0	0
4. शेयर	0	0
5. डिबेंचर और बंधपत्र	0	0
6. बैंकों में सावधि जमा	0	0
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)	0	0
कुल	**0**	**0**

अनुसूची-6 – अन्य निवेश

राशि रुपयों में

विवरण	2016-17	2015-16
1. केन्द्रीय सरकार प्रतिभूतियों में	0	0
2. राज्य सरकार प्रतिभूतियों में	0	0
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	0	0
4. शेयर	0	0
5. डिबेंचर और बंधपत्र	0	0
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)	0	0
(i) एफ.डी.आर. सामान्य	0	0
(ii) एफ.डी.आर. प्रतिभूति जमा	0	0
कुल	**0**	**0**

अनुसूची-7 – वर्तमान परिसंपत्तियां

राशि रुपयों में

विवरण	योजनागत	योजनेत्तर	2016–17	2015–16
1. स्टॉक	**0**	**0**	**0**	**0**
क. स्टोर्स तथा स्पेयर सामान			0	
ख. खुले उपकरण			0	
ग. प्रकाशन			0	
घ. प्रयोगशाला के रसायन, उपभोज्य पदार्थ तथा शीशे का सामान			0	
ड़. भवन निर्माण सामग्री			0	
च. विद्युत संबंधी सामान			0	
छ. लेखन सामग्री			0	
ज. जलापूर्ति सामग्री			0	
2. विविध देनदार	**3,53,359**	**24,726**	**3,78,085**	**3,78,085**
क. छः माह से अधिक अवधि के बकाया ऋण	3,53,359	24,726	3,78,085	3,78,085
ख. अन्य			0	
3. नकद तथा बैंक शेष	**0**	**0**	**0**	
क. नकद शेष (एच.क्यू.)			0	
ख. नकद शेष (आर.ओ.)			0	
क. अनुसूचित बैंकों में	**73,43,670**	**106,59,774**	**180,03,444**	**137,25,718**
बचत खातों में	**73,43,670**	**106,59,774**	**180,03,444**	**137,25,718**
सावधि जमा खातों में			0	
बचत खातों में			0	
कुल	**76,97,029**	**106,84,500**	**183,81,529**	**141,03,803**

अनुसूची-8 – ऋण, अग्रिम एवं जमा

राशि रुपयों में

विवरण	योजनागत	योजनेत्तर	2016-17	2015-16
1. कर्मचारियों को अग्रिम : (बिना ब्याज सहित)	0	1,005	1,005	1,53,805
क. विविध अग्रिम				700
ख. त्यौहार		1,005	1,005	1,53,105
ग. चिकित्सा अग्रिम			0	
घ. अग्रदाय अग्रिम			0	
ड. अन्य (कम्प्यूटर)			0	
च. एल.टी.सी. अग्रिम			0	
2. कर्मचारियों को दीर्घ अवधि अग्रिम(ब्याज सहित)		**92,427**	**92,427**	**1,93,313**
क. वाहन ऋण		74,389	74,389	1,45,468
ख. आवास ऋण			0	
ग. अन्य (कम्प्यूटर)		18,038	18,038	47,845
3. अग्रिम तथा नकद अथवा अन्य प्रकार से वसूली योग्य अन्य राशियां	799,54,573	12,61,632	812,16,205	856,03,870
क. पूंजी खाते पर				
i सी.पी.डब्लयू डी. को अग्रिम	383,60,215		383,60,215	378,00,215
ख. आपूर्तिकर्ताओं को				
i डी.टी.सी. को अग्रिम	1,59,875		1,59,875	40,79,539
ii राज्यों को सहायता	341,57,858		341,57,858	343,63,677
iii खातों के मुख्य नियंत्रक को अग्रिम (आपूर्ति अनुभाग)			0	0
iv केंद्रीय भंडार को अग्रिम	74,525		74,525	0
ग. अन्य पक्ष				
घ. ओ. बी. ए. अग्रिम	72,00,325	1,24,400	73,24,725	93,58,664
ड. सीजीएचएस को अग्रिम		11,37,232	11,37,232	
ड. अन्य	1,775		1,775	1,775
4. पूर्वदत्त व्यय	0	0	0	0
क. बीमा			0	
ख. अन्य व्यय			0	
5. अन्य	26,800	0	26,800	25,000
क. टेलीफोन			0	
ख. लीज़/किराया			0	
ग. बिजली	1,800		1,800	
घ. अन्य (जमा)	25,000		25,000	25,000
कुल	**799,81,373**	**13,55,064**	**813,36,437**	**859,75,988**

अनुसूची-9 – शैक्षिक प्राप्तियां

राशि रुपयों में

विवरण	योजनागत	योजनेत्तर	2016–17	2015–16
विद्यार्थियों से शुल्क				
शैक्षिक				
1. शिक्षा शुल्क			0	
2. प्रवेश शुल्क			0	
3. नामांकन शुल्क			0	
4. पुस्तकालय प्रवेश शुल्क			0	
5. प्रयोगशाला शुल्क			0	
6. कला एवं शिल्प शुल्क			0	
7. पंजीकरण शुल्क			0	
8. पाठ्यक्रम शुल्क			0	
कुल (क)			**0**	
परीक्षाएं			0	
1. दाखिला परीक्षा शुल्क			0	
2. वार्षिक परीक्षा शुल्क			0	
3. अंकपत्र, प्रमाण-पत्र शुल्क			0	
4. प्रवेश परीक्षा शुल्क			0	
कुल (ख)			**0**	
अन्य शुल्क				
1. पहचान पत्र शुल्क			0	
2. जुर्माना/विविध शुल्क/दंड शुल्क			0	
3. चिकित्सा शुल्क			0	
4. परिवहन शुल्क			0	
5. छात्रावास शुल्क			0	
6. संस्थानों से प्रसंस्करण का शुल्क			0	
7. विविध			0	
कुल (ग)			**0**	
प्रकाशनों की बिक्री				
1. पाठ्यक्रम एवं प्रश्नपत्रों आदि की बिक्री			0	
2. प्रवेश प्रपत्रों सहित विवरणिका (प्रोस्पैक्टस) की बिक्री			0	
3. अन्य			0	
कुल (घ)			**0**	
अन्य शैक्षिक प्राप्तियां				
1. कार्यशालाओं, कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण शुल्क			0	
2. सदस्यता शुल्क				
कुल (ड़)			**0**	
सर्वयोग (क+ख+ग+घ+ड़)			**0**	

अनुसूची-10 – अनुदान एवं सब्सिडी (प्राप्त अप्रतिसंहरणीय अनुदान)

राशि रुपयों में

विवरण	योजनागत		कुल योजनागत	योजनेत्तर		कुल योजनेत्तर	2016-17	2015-16
	मानव विकास संसाधन मंत्रालय			मानव विकास संसाधन मंत्रालय				
	सामान्य व पूंजी	एस.सी./एस.टी. विशेष योजना		वेतन	सामान्य	कुल		
वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	323,16,000	140,82,000	463,98,000	797,95,000	313,61,000	1111,56,000	1575,54,000	1843,54,000
घटायें : पूंजीगत व्यय के लिए इस्तेमाल (क)	37,37,397		37,37,397	–			37,37,397	66,05,039
जोड़ें : अप्रयूक्त अनुदान की वापसी				–	–	–	–	–
शेष	**285,78,603**	**140,82,000**	**426,60,603**	**797,95,000**	**313,61,000**	**1111,56,000**	**1538,16,603**	**1777,48,961**
घटायें : प्रयुक्त राजस्व व्यय के लिए इस्तेमाल (ख)	31,143	–	31,143	106,59,774	–	106,59,774	106,90,917	–
शेष आय एवं व्यय खाते (ग) में ले जाया गया	**285,47,460**	**140,82,000**	**426,29,460**	**691,35,226**	**313,61,000**	**1004,96,226**	**1431,25,686**	**1777,48,961**

अनुसूची-11 – निवेश से आय

राशि रुपयों में

विवरण	निश्चित/एंडोमेंट		अन्य निवेश	
	2016-17	2015-16	2016-17	2015-16
1. ब्याज				
क. सरकारी प्रतिभूतियों पर				
ख. अन्य डिबेंचर/बंध पत्र				
2. सावधि जमा पर ब्याज				
क. पटियाला स्टेट बैंक में सावधि जमा पर ब्याज				
ख. आई.सी.आई.सी.आई. – सीमैट में सावधि जमा पर ब्याज				
ग. आई.सी.आई.सी.आई. – प्रतिभूति जमा में सावधि जमा पर ब्याज				
घ. आई.सी.आई.सी.आई. – प्रसंस्करण शुल्क में सावधि जमा पर ब्याज				
ड. भारतीय स्टेट बैंक सीमैट में सावधि जमा पर ब्याज				
च. आई.सी.आई.सी.आई. – एन.वी.ई.क्यू.एफ.में सावधि जमा पर ब्याज				
(उपरोक्त राशि प्रोदभूत ब्याज सहित दर्शाई गई हैं)				
3. यू.जी.सी. अनुदानों पर ब्याज				
4. बैंक बचत खातों पर ब्याज				
5. अन्य (सी.पी.एफ.)				
कुल				
निश्चित/एंडोमेंट निधि में अंतरित राशि				
शेष	0	0	0	0

अनुसूची-12 – अर्जित ब्याज

राशि रुपयों में

विवरण	2016-17	2015-16
1. अनुसूचित बैंकों के साथ बचत खातों पर		
i. योजनागत		
क. केनरा बैंक	5,82,915	8,59,303
ख. एम.एस.जे.ई.	1,66,767	1,59,043
ii. योजनेत्तर		
क. केनरा बैंक योजनेत्तर	2,75,165	1,36,207
2. ऋणों पर		
क. कर्मचारी/ स्टाफ		345
ख. अन्य		19,000
3. देनदारों तथा अन्य प्राप्ति योग्य मदों पर		
कुल	**10,24,847**	**11,73,898**

अनुसूची-13 – अन्य आय

राशि रुपयों में

विवरण	योजनागत	योजनेत्तर	2016-17	2015-16
क. भूमि एवं भवन से आय				
1. छात्रावास कक्षों का किराया			-	
2. लाईसेंस शुल्क			-	
3. ऑडिटोरियम/खेल के मैदान/सुविधा केन्द्र का बुकिंग शुल्क			-	
4. वसूले गये बिजली बिल			-	
5. वसूला गया जल शुल्क			-	
कुल			-	
ख. संस्था के प्रकाशनों की बिक्री		1,415	1,415	280
ग. कार्यक्रम के आयोजनों से आय			-	
1. वार्षिक कार्यक्रम/खेल आयोजनों से सकल प्राप्ति			-	
घटायें : वार्षिक कार्यक्रम/खेल आयोजनों पर किया गया प्रत्यक्ष खर्च			-	
2. उत्सव/मेला आयोजन से सकल प्राप्तियां			-	
घटायें : उत्सव/मेला आयोजन पर किया गया प्रत्यक्ष खर्च			-	
3. शैक्षिक भ्रमणों से सकल प्राप्तियां			-	
घटाएं - शैक्षिक भ्रमणों पर किया गया प्रत्यक्ष खर्च			-	
4. अन्य (निर्दिष्ट करें तथा अलग से विवरण दें)			-	
कुल			-	
घ. अन्य				
1. परामर्शी सेवाओं से आय			-	
2. जनसूचना अधिकार शुल्क				1,539
3. रॉयल्टी से आय			-	
4. आवेदन प्रपत्रों (भर्ती) की बिक्री	2,500		2,500	
5. विविध प्राप्तियां (निविदा प्रपत्र, रद्दी कागज़ आदि की बिक्री)			-	
6. परिसंपत्तियों की बिक्री/निपटान पर लाभ	-		-	28,759
क. स्वामित्व वाली परिसंपत्तियां			-	-
ख. निःशुल्क प्राप्त परिसंपत्तियां			-	-
7. संस्थाओं, अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं तथा कल्याणकारी संस्थाओं से प्राप्त दान/अनुदान			-	-
8. अन्य	32,359		32,359	10,000
9. गत अवधि की आय			-	-
10. ट्राई (TRAI) से वसूली			-	-
11. कर्मचारियों से वसूली		4,11,902	4,11,902	1,46,528
12. सामान्य वसूली				77,025
कुल	**34,859**	**4,11,902**	**4,46,761**	**2,63,851**
सर्वयोग (क+ख+ग+घ)	**34,859**	**4,13,317**	**4,48,176**	**2,64,131**

अनुसूची-14 – गत अवधि की आय

राशि रुपयों में

विवरण	योजनागत	योजनेत्तर	2016-17	2015-16
1. शैक्षिक प्राप्तियां	2,05,000		2,05,000	
2. निवेश से आय				
3. अर्जित ब्याज				32,731
4. अन्य आय	6		6	26,14,513
कुल	**2,05,006**		**2,05,006**	**26,47,244**

अनुसूची-15 – कर्मचारी वेतन एवं हितलाभ (स्थापना व्यय)

राशि रुपयों में

विवरण	2016-17			2015-16		
	योजनागत	योजनेत्तर	कुल	योजनागत	योजनेत्तर	कुल
क. वेतन एवं मजदूरी	211,41,088	222,98,446	434,39,534	189,13,334	172,32,985	361,46,319
ख. भत्ते एवं बोनस		390,44,776	390,44,776		378,69,608	378,69,608
ग. एल.टी.सी. सुविधा		1,50,670	1,50,670		54,932	54,932
उप-जोड़	**211,41,088**	**614,93,892**	**826,34,980**	**189,13,334**	**551,57,525**	**740,70,859**
घ. भविष्य निधि में योगदान		28,233	28,233		26,224	26,224
ड़. एनपीएस में योगदान		8,91,916	8,91,916		8,41,461	8,41,461
च. स्टाफ कल्याण पर व्यय		1,57,210	1,57,210	760	1,25,074	1,25,834
छ. सेवानिवृत्ति लाभ		836,14,600	836,14,600		1374,91,426	1374,91,426
ज. चिकित्सा सुविधा		21,53,887	21,53,887		25,77,271	25,77,271
झ. संतान शिक्षा भत्ता		5,71,348	5,71,348		5,78,449	5,78,449
ञ. जीवन निर्वाह भत्ता						
ट. मानदेय		5,000	5,000			
ठ. छुटी वेतन, पेंशन, ग्रेच्युटी अंशदान		96,273	96,273		1,74,222	1,74,222
उप-जोड़		**875,18,467**	**875,18,467**	**760**	**1418,14,127**	**1418,14,887**
जोड़	**211,41,088**	**1490,12,359**	**1701,53,447**	**189,14,094**	**1969,71,652**	**2158,85,746**

अनुसूची-15 क – कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति एवं सेवावसान लाभ

राशि रुपयों में

विवरण	पेंशन	ग्रेच्यूटी	छुट्टी नकदीकरण	जोड़
क. 01.04.2016 को प्रारम्भिक शेष	5338,22,231	446,24,797	322,34,312	**6106,81,340**
ख. घटाये : वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान				
(i) वर्ष के दौरान अदा किये गए सेवानिवृत्ति लाभ	205,02,707	61,07,700	32,81,506	**298,91,913**
(ii) वर्ष के दौरान छुट्टी नकदीकरण				
ग. उप जोड़	**5133,19,524**	**385,17,097**	**289,52,806**	**5807,89,427**
घ.वास्तविक मूल्यांकन के अनुसार 31.03.2017 को अपेक्षित प्रावधान	**5927,52,347**	**415,91,642**	**300,60,038**	**6644,04,207**
चालू वर्ष में किए जाने वाले प्रावधान (ग-घ)	**794,32,823**	**30,74,545**	**11,07,232**	**836,14,600**

अनुसूची-16 – शैक्षिक व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2016-17			2015-16		
	योजनागत	योजनेत्तर	कुल	योजनागत	योजनेत्तर	कुल
क. प्रयोगशाला व्यय		–	–	–	–	–
ख. क्षेत्रकार्य/सम्मेलनों में भाग लेना		–	–		–	
ग. सेमिनार/कार्यशाला व्यय	65,35,905	–	65,35,905	72,59,832	–	72,59,832
घ. अतिथि अध्यापकों को भुगतान	64,000	–	64,000	34,000	–	34,000
ड. सीमैट एवं जी.पी.ए.टी. परीक्षा		–	–		–	
च. विद्यार्थी कल्याण व्यय	29,97,832	–	29,97,832	29,46,202	–	29,46,202
छ. दाखिला व्यय		–	–	–	–	–
ज. दीक्षांत व्यय		–	–	–	–	–
झ. प्रकाशन		–	–		–	
ञ. वृत्तिका सह मैरिट वजीफा		–	–	–	–	–
ट. अभिदान व्यय						
ठ. अन्य (निर्दिष्ट करें)	1,81,950	–	1,81,950	1,28,509	–	1,28,509
कुल	97,79,687	–	97,79,687	103,68,543	–	103,68,543

अनुसूची-17 – प्रशासनिक तथा सामान्य व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2016-17			2015-16		
	योजनागत	योजनेत्तर	कुल	योजनागत	योजनेत्तर	कुल
क. आधारभूत संरचना						
क. बिजली	50,04,189	-	50,04,189	5,159,300		5,159,300
ख. जल शुल्क	6,60,524		6,60,524	406,672	207,574	614,246
ग. बीमा	-				340	340
घ. किराया, दर तथा टैक्स (प्रोपर्टी टैक्स सहित)	1,92,520	26,16,470	28,08,990	14,252,103	1,533,490	15,785,593
ड. चालू वाहन			-	-		-
ख. संचार				-		-
च. पोस्टेज तथा लेखन सामग्री	16,152	80,000	96,152	10,000	115,000	125,000
छ. टेलीफोन, फैक्स तथा इंटरनेट प्रभार	2,05,383	1,09,701	3,15,084	113,705	195,789	309,494
ग. अन्य				-		-
ज. मुद्रण तथा लेखन सामग्री (उपभोज्य)	5,85,402	68,542	6,53,944	518,355	166,955	685,310
झ. यात्रा तथा परिवहन व्यय	59,587	30,103	89,690	48,609	31,393	80,002
ञ. सत्कार	3,23,040	25,980	3,49,020	17,605	25,478	43,083
ट. लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक	-	65,580	65,580	-	63,480	63,480
ठ. व्यवसायिक प्रभार	3,27,077	45,000	3,72,077	426,535	64,350	490,885
ड. विज्ञापन एवं प्रचार	2,84,510	86,085	3,70,595	686,439		686,439
ढ़. पत्रिकाएं एवं जरनल		5,325	5,325	-		-
ण. वार्षिक अनुरक्षण प्रभार		2,163	2,163	-		-
त. गैर-अधिकारिक टी.ए/डी.ए. व्यय			-	-		-
थ. अधिकारिक टी.ए/डी.ए. व्यय	33,791	-	33,791	78,712		78,712
द. स्थानांतरण टी.ए/डी.ए. व्यय	-	8,820	8,820	-	16,307	16,307
ध. ई-गवर्नेंस व्यय			-	-		-
न. विविध कार्यालयी व्यय	3,09,479	49,382	3,58,861	196,005	27,752	223,757
प. बागवानी व्यय	21,900		21,900	-		-
फ. कार्यक्रम संबंधी कार्यकलाप	6,31,286		6,31,286	793,304		793,304
ब. गृह प्रबंध एवं सुरक्षा	101,32,872		101,32,872	8,872,994		8,872,994
भ. कार्यालयी व्यय	4,25,221		4,25,221	1,974,096		1,974,096
म. अतिथि गृह/आवास व्यय			-	-		-
य. आंतरिक प्राप्तियां व्यय	1,00,882		1,00,882	-		-
व. विद्यार्थी कल्याण व्यय	1,975		1,975	3,104,858		3,104,858
कुल	**193,15,790**	**31,93,151**	**225,08,941**	**36,659,292**	**2,447,908**	**39,107,200**

अनुसूची-18 – परिवहन व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2016-17			2015-16		
	योजनागत	योजनेत्तर	कुल	योजनागत	योजनेत्तर	कुल
1. वाहन (संस्था के स्वामित्व वाले वाहन)						–
क. वाहन चलाने संबंधी व्यय	67,514	27,688	95,202	46,768	20,200	66,968
ख. मरम्मत एवं अनुरक्षण	29,898	–	29,898	1,786		1,786
ग. बीमा व्यय	–	3,035	3,035		2,418	2,418
घ. कार पार्किंग व्यय			–			–
2. किराये/लीज़ पर लिये गये वाहन			–			–
क. किराया/लीज़ संबंधी व्यय			–			–
3. वाहन (टैक्सी) किराये पर लेने का व्यय	1,28,168	–	1,28,168	4,39,674		4,39,674
कुल	2,25,580	30,723	2,56,303	**4,88,228**	**22,618**	**5,10,846**

अनुसूची-19 – मरम्मत एवं अनुरक्षण

राशि रुपयों में

विवरण	2016-17			2015-16		
	योजनागत	योजनेत्तर	कुल	योजनागत	योजनेत्तर	कुल
क. भवन	–	1,65,046	1,65,046		1,11,687	1,11,687
ख. फर्नीचर एवं साज-सज्जा	40,033	15,580	55,613	1,35,547	11,794	1,47,341
ग. संयत्र एवं मशीनरी	4,52,207	71,034	5,23,241	2,38,912	43,420	2,82,332
घ. कार्यालय उपकरण	2,94,596	3,200	2,97,796	2,33,811	22,265	2,56,076
ड. कम्प्यूटर						
च. कार्यशाला एवं वैज्ञानिक उपकरण		–		14,441		14,441
छ. दृश्य श्रव्य उपकरण	96,082		96,082	51,167		51,167
ज. साफ-सफाई संबंधी सामग्री एवं सेवाएं	21,515		21,515	19,442	19,223	38,665
झ. जिल्दसाजी लागत						
ञ. बागवानी		29,212	29,212	14,345	7,524	21,869
ट. भूमि (एस्टेट) अनुरक्षण	5,28,618		5,28,618	1,32,956		1,32,956
ठ. अन्य (मरम्मत)	80,742		80,742	50,792		50,792
कुल	**15,13,793**	**2,84,072**	**17,97,865**	**8,91,413**	**2,15,913**	**11,07,326**

अनुसूची-20 – वित्त लागत

राशि रुपयों में

विवरण	2016-17			2015-16		
	योजनागत	योजनेत्तर	कुल	योजनागत	योजनेत्तर	कुल
क. बैंक शुल्क			0			
ख. अन्य (निर्दिष्ट करें)			0			
कुल	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**

अनुसूची-21 – अन्य व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2016-17			2015-16		
	योजनागत	योजनेत्तर	कुल	योजनागत	योजनेत्तर	कुल
क. अशोध्य/संदिग्ध ऋण/अग्रिमों हेतु की गई व्यवस्था	0	0	0	0	0	0
ख. काट दिये गये अप्राप्य शेष	0	0	0	0	0	0
ग. अन्य संस्थाओं/संगठनों को दी गई सब्सिडी/अनुदान	0	0	0	0	0	0
घ. अन्य (बैंक प्रभार)	46,746	10,358	57,104	20,665	3,273	23,938
ड़. स्थायी परिसंपत्तियों से हानि		.		65,332		65,332
कुल	**46,746**	**10,358**	**57,104**	**85,997**	**3,273**	**89,270**

अनुसूची-22 – गत अवधि के व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2016-17			2015-16		
	योजनागत	योजनेत्तर	कुल	योजनागत	योजनेत्तर	कुल
1. स्थापना व्यय						
2. शैक्षिक व्यय		–		1,03,815		1,03,815
3. प्रशासनिक व्यय	38,92,465		38,92,465	12,24,714	4,28,457	16,53,171
4. परिवहन व्यय						
5. मरम्मत एवं अनुरक्षण				56,892	17,955	74,847
6. अन्य व्यय	61,410		61,410	110		110
कुल	**39,53,875**		**39,53,875**	**13,85,531**	**4,46,412**	**18,31,943**

जी.पी.एफ खाता – 31 मार्च 2017 को तुलनपत्र

राशि रुपयों में

देयताएं	2016-17	2015-16	परिसंपत्तियां	2016-17	2015-16
पूंजी खाता			**निवेश**		
रिजर्व एवं अधिशेष			केनरा बैंक में सावधि जमा	609,19,994	430,51,722
प्रारंभिक शेष	16,00,866	15,84,261	विजया बैंक में सावधि जमा	–	87,23,306
व्यय पर आय की अधिकता	1,69,282	16,605			
अंतिम शेष	**14,31,584**	**16,00,866**			
ऋण (देयताएं)			सरकारी प्रतिभूति	2,13,030	2,13,030
सामान्य भविष्य निधि			जी.पी.ओ. नई दिल्ली	16,759	16,759
01.04.2016 को आरंभिक शेष	565,80,548	546,59,855	प्रोदभूत ब्याज परंतु देय नहीं	7,11,856	7,66,743
जोड़ें : अभिदान (सब्सक्रिप्शन;	92,23,000	111,97,751			
जोड़ें : ब्याज	46,65,641	44,98,528	**वर्तमान परिसंपत्तियां**		
घटाएं : आहरण/अंतिम भुगतान	79,97,441	137,75,586	हाथ रोकड़	–	–
अंत शेष	**624,71,748**	**565,80,548**	बैंक खाते	31,18,859	64,75,364
			टी.डी.एस.	12,26,988	7,73,639
अंशदायी भविष्य निधि					
01.04.2016 को आरंभिक शेष	18,39,149	14,34,214			
जोड़ें : अभिदान (सब्सक्रिप्शन)	3,04,664	2,69,098			
जोड़ें : ब्याज	1,60,341	1,35,837			
घटाएं : आहरण					
अंत शेष	**23,04,154**	**18,39,149**			
कुल अग्रेनीत शेष	**662,07,486**	**600,20,563**		**662,07,486**	**600,20,563**

गुरदीप कौर
तैयार किया गया

[signature]
जांच किया गया

मुकेश गुप्ता
उप-निदेशक (प्रशा.)

मीनाक्षी जौली
निदेशक

जी.पी.एफ. खाता

31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता

राशि रुपयों में

व्यय	2016-17	2015-16	आय	2016-17	2015-16
प्रत्यक्ष व्यय			**अप्रत्यक्ष आय**		
जी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज	46,65,641	44,98,528	सावधि जमा पर ब्याज	44,70,435	45,30,971
सी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज			बचत खातों पर प्राप्त ब्याज	1,86,265	1,20,684
		-	अन्य प्राप्तियां		
सी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज	1,60,341	1,35,837			
सी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज		685			
व्यय पर आय की अधिकता		16,605		1,69,282	
कुल	**48,25,982**	**46,51,655**	**कुल**	**48,25,982**	**46,51,655**

तैयार किया गया	जांच किया गया	उप-निदेशक (प्रशा.)	निदेशक

जी.पी.एफ. खाता
31 मार्च 2017 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति तथा अदायगी खाता

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	2016-17	2015-16	अदायगियां	2016-17	2015-16
आरंभिक शेष			**ऋण (देयताएं)**		
बैंक	64,75,364	18,28,523	जी.पी.एफ. से आहरण	77,85,977	136,72,174
			सी.पी.एफ से आहरण	-	
प्राप्त अंशदान			**प्रत्यक्ष व्यय**		
जी.पी.एफ. अभिदान (कर्मचारियों का)	92,23,000	111,97,751	जी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज	2,11,464	1,03,412
			सी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज	-	
सी.पी.एफ. अंशदान					
कर्मचारियों का अभिदान	2,76,500	2,43,000	बैंक प्रभार		685
मंडल का अंशदान	28,164	26,098			
प्राप्त ब्याज					
बचत खाते पर ब्याज	1,86,265	1,20,684	निवेश		
मियादी जमा पर ब्याज	40,71,973	42,68,927	विजया बैंक में एफ.डी.आर.		87,23,306
परिपक्व एफ.डी.आर.			केनरा बैंक में एफ.डी.आर.	659,19,994	430,51,722
केनरा बैंक	480,51,722	397,28,869			
विजया बैंक	87,23,306	109,18,472			
आई.डी.बी.आई. बैंक		36,94,339			
अन्य प्राप्तियां			**अंत शेष**		
अन्य प्राप्तियां/टी.डी.एस. वापसी			बैंक	31,18,859	64,75,364
कुल	**770,36,294**	**720,26,663**	**कुल**	**770,36,294**	**720,26,663**

तैयार किया गया | जांच किया गया | उप-निदेशक(प्रशा.) | निदेशक

एन.पी.एस. खाता
31 मार्च 2017 को तुलनपत्र

राशि रुपयों में

देयताएं	2016-17	2015-16	परिसंपत्तियां	2016-17	2015-16
वर्तमान देयताएं					
आरंभिक शेष	1,35,430	8,12,657	बैंक शेष	1,42,180	1,35,430
		-			
व्यय पर आय की अधिकता	6,750	6,77,227			
अंत: शेष	**1,42,180**	**1,35,430**			
कुल	**1,42,180**	**1,35,430**		**1,42,180**	**1,35,430**

गुरदीप कौर
तैयार किया गया

जांच किया गया

मुकेश गुप्ता
उप-निदेशक(प्रशा.)

मीनाक्षी गोपीनाथ
निदेशक

एन.पी.एस. खाता
31 मार्च 2017 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता

राशि रुपयों में

व्यय	2016-17	2015-16	आय	2016-17	2015-16
			प्राप्त ब्याज		
बैंक प्रभार	6	81	केनरा बैंक से	7,812	32,744
एन.एस.डी.एल.	19,088	7,48,838			
			प्राप्त अंशदान		
			नियोक्ता (नीता) से	9,016	19,474
			कर्मचारियों से	9,016	19,474
व्यय पर आय की अधिकता	6,750		आय पर व्यय की अधिकता		
कुल	**25,844**	**7,48,919**	**कुल**	**25,844**	**7,48,919**

गुरदीप कौर
तैयार किया गया

जांच किया गया

मुकेश गुप्ता
उप-निदेशक(प्रशा.)

मीनाक्षी जौली
निदेशक

एन.पी.एस. खाता
31 मार्च 2017 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति तथा अदायगी खाता

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	2016-17	2015-16	अदायगियां	2016-17	2015-16
आरंभिक शेष			एन.एस.डी.एल. में अंतरण		
बैंक	1,35,430	8,12,657	पुराना शेष अंतरण	1,056	7,09,890
प्राप्त अंशदान			नया अंशदान	18,032	38,948
कर्मचारियों (नीता) का अंशदान	9,016	19,474	बैंक प्रभार	6	81
नियोक्ता का अंशदान	9,016	19,474			
प्राप्त ब्याज					
बचत खाते पर ब्याज	7,812	32,744			
			अंतिम शेष		
			बैंक	1,42,180	1,35,430
कुल	**1,61,274**	**8,84,349**	**कुल**	**1,61,274**	**8,84,349**

गुरदीप कौर
तैयार किया गया

[signature]
जांच किया गया

मुकेश गुप्ता
उप-निदेशक(प्रशा.)

मीनाक्षी जौली
निदेशक

आन्तरिक प्राप्तियाँ खाता – 31 मार्च 2017 को तुलनपत्र

राशि रुपयों में

देयताएं	2016-17	2015-16	परिसम्पत्तियाँ	2016-17	2015-16
पूंजीगत खाता			**स्थायी परिसम्पत्तियाँ**		
प्रारक्षित एवं सरप्लस			श्रव्य एवं दृश्य उपकरण	2,20,453	58,191
आरम्भिक शेष	93,32,517	52,41,950	विद्युत अवस्थापन उपकरण	1,24,063	1,31,150
जोड़ : व्यय से ऊपर अतिरिक्त आय	69,40,101	40,90,567	फर्नीचर व फिक्चर	2,05,251	1,96,416
31.03.2017 को शेष	162,72,618	93,32,517	कार्यालय उपकरण	5,84,421	6,39,133
ऋण देयतायें			कम्प्यूटर व सहायक मदें	9,450	14,175
गैर-प्लान राशि अन्तरण (एनबीबी)		947	ट्यूबवैल व पानी आपूर्ति	17,914	18,287
			विविध परिसम्पत्तियाँ	1,10,314	
				12,71,866	**10,57,352**
वर्तमान देयताएं			**वर्तमान परिसम्पत्तियाँ**		
शुल्क एवं कर			ऋण एवं अग्रिम (परिसम्पत्तियाँ)	7,01,921	11,94,485
फुटकर देनदार			बैंक खाते	143,53,141	71,35,937
ईएमडी/प्रतिभूति	7,469	7,469			
प्लान शीर्ष राशि (देयताएं)				150,55,062	83,30,422
देनदान (प्रतिभूति जमा) की अवरूद्ध राशि	17,016	17,016			
वापसी योग्य प्रतिभूति जमा	29,825	29,825			
	54,310	**54,310**			
जोड़	**163,26,928**	**93,87,774**	**जोड़**	**163,26,928**	**93,87,774**

गुरदीप कौर
तैयार किया गया

[signature]
जांच किया गया

मुकेश गुप्ता
उप-निदेशक(प्रशा.)

मीनाक्षी डोगरा
निदेशक

आन्तरिक प्राप्तियाँ खाता

31 मार्च 2017 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता

राशि रुपयों में

व्यय	2016-17	2015-16	आय	2016-17	2015-16
प्रशासनिक व्यय	-	8,606	मान्यता प्रदत्त शुल्क	82,213	1,49,250
मरम्मत और रख-रखाव	1,28,024	5,24,197	बाल भवन केन्द्र-प्राप्तियाँ	15,942	19,960
बैंक प्रभार	3,458	980			
वाहन व्यय	-	150	छात्रावास प्रभार - प्राप्तियाँ	25,73,520	19,68,726
ह्रास	1,10,575	89,097	सदस्यता शुल्क	11,83,982	9,80,556
सत्कार व्यय	19,135	-	सदस्यता शुल्क - जेबीबी मांडी	2,816	2,294
उपहार वितरण व्यय	10,929	1,14,684	विविध प्राप्तियाँ	15,66,524	7,67,850
छात्रावास प्रभार (आउटसोर्स)		1,14,684	विगत अवधि व्यय		-
छात्रावास मैस प्रभार	2,88,141	1,31,274	प्रवेश पत्र फार्म की बिक्री	31,148	32,600
छात्रावास व्यय - अन्य		58,611	प्रवेश टिकट बिक्री	7,50,575	1,82,820
मुद्रण व लेखन सामग्री	6,788	57,750	सूचना फोल्डर की बिक्री	9,470.00	8,460
आउटसोर्सिंग वेतन सेवायें		46,295	ट्रेन टिकट की बिक्री	10,03,495	8,19,120
टीवी सैट टाप बॉक्स प्रभार		2,750			
विविध व्यय		28,350	प्राप्त बैंक ब्याज	2,95,595	2,16,375
बैठक व सभागार व्यय	7,129		प्रभारित विद्युत व्यय	-	1,610
विगत अवधि व्यय	2,000		जल उपयोग प्रभार	-	3,690
			स्कूल सदस्यता शुल्क	1,000	
व्यय से ऊपर अतिरिक्त आय	69,40,101	39,75,883			
जोड़	**75,16,280**	**51,53,311**	**जोड़**	**75,16,280**	**51,53,311**

तैयार किया गया | जांच किया गया | उप-निदेशक (प्रशा.) | निदेशक

आन्तरिक प्राप्तियाँ खाता
31 मार्च 2017 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति तथा अदायगी खाता

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	2016-17	2015-16	अदायगियां	2016-17	2015-16
प्रारम्भिक शेष			**वर्तमान देयतायें**		
बैंक	71,35,937	47,96,606	ईएमडी/ प्रतिभूति जमा	-	10,000
			प्लान शीर्ष राशि	-	10,000
ऋण (देयता)			देनदारों की अवरूद्ध राशि	-	1,509
गैर-प्लान राशि अन्तरण (एनबीबी)	-	947	शुल्क एवं कर	115	10,417
			फुटकर लेनदार	-	2,86,237
ऋण एवं अग्रिम (परिसम्पत्ति)			**ऋण (देयता)**		
प्लान शीर्ष व्यय (अग्रिम)	4,92,679		गैर-प्लान राशि अन्तरण (एनबीबी)	947	-
ओबीए चालू खाता					
			स्थायी परिसम्पत्तियाँ		
प्रत्यक्ष आय			कार्यालय उपकरण	81,125	80,490
मान्यता शुल्क	82,213	1,49,250	बुलेट कैमरा	-	84,450
बीबीके - प्राप्तियाँ	15,942	19,960	इलैक्ट्रानिक बिलिंग मशीन	-	23,063
छात्रवास प्रभार प्राप्तियाँ	25,73,520	19,68,726	फर्नीचर और फिक्चर	28,000	25,313
सदस्यता शुल्क	11,83,982	9,80,556	डेजर्ट कूलर	-	71,663
सदस्यता शुल्क - जेबीबी मांडी	2,816	2,294	विद्युत अवस्थापन व उपकरण	-	66,146
विविध प्राप्तियाँ	15,66,524	7,67,850	साईन बोर्ड	-	14,800
प्रवेश फार्म की बिक्री	31,148	32,600	ट्यबबैल व जल आपूर्ति	-	18,660
प्रवेश टिकट की बिक्री	7,50,575	1,82,820	श्रव्य एवं दृश्य उपकरण	99,844	.
जानकारी फोल्डर की बिक्री	9,470	8,460	विविध परिसम्पत्तियाँ	1,16,120	
ट्रेन टिकट की बिक्री	10,03,495	8,19,120	ऋण एवं अग्रिम (परिसम्पत्तियाँ)		
			ओबीए चालू खाता	-	1,40,541
अप्रत्यक्ष आय			प्लान शीर्ष व्यय (अग्रिम)	-	10,60,729
अन्य आय (स्कूल सदस्यता)	1,000	-			
बैंक ब्याज प्राप्ति	2,95,595	2,16,375			

			अप्रत्यक्ष व्यय		
			बैंक प्रभार	3,458	980
			छात्रावास मैस प्रभार	2,88,141	1,17,811
			विविध व्यय	-	28,350
			मरम्मत और रख-रखाव	77,795	4,59,900
			विगत अवधि व्यय	2,000	8,606
			छात्रावास व्यय - अन्य	.	55,694
			छात्रावास प्रभार (आउटसोर्स)	.	1,05,697
			आउटसोर्सिंग वेतन सेवायें	.	45,369
			मुद्रण एवं लेखन सामग्री	6,788	57,750
			क्लिनिंग सामग्री सेवायें	50,229	25,452
			सत्कार व्यय	19,135	.
			उपहार वितरण व्यय	10,929	.
			बैठक एवं सभागार व्यय	7,129	.
			अन्तिम शेष		
			बैंक	143,53,141	71,35,937
जोड़	**151,44,896**	**99,45,564**	जोड़	**151,44,896**	**99,45,564**

गुरदीप कौर	[signature]	मुकेश गुप्ता	मीनाक्षी [signature]
तैयार किया गया	जांच किया गया	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

अनुसूची - 23

महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ

1. लेखे

क. वित्तीय विवरण परम्परागत रूप से लागत के आधार पर तैयार किये जाते हैं। यदि और कोई विशेष निर्देश न दिया गया हो तो सामान्यत: इन्हें प्रोद्भवन पद्धति के आधार पर तैयार किया जाता है।

ख. राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा योजनागत, योजनेतर, जी.पी.एफ. तथा एन.पी.एस. आदि के लिए अलग-अलग लेखे तैयार किये जाते हैं।

ग. शुल्क/अभिदान के रूप में प्राप्त सभी राशियों तथा अप्रयुक्त अनुदान की वापसी का लेखा प्राप्तियों के आधार पर किया जाता है।

2. सहायता एवं अनुदान

अनुदान का लेखा प्राप्तियों के आधार पर किया जाता है तथा पूंजीगत प्रकार के व्ययों को छोड़कर इन्हें आय तथा व्यय खाते में क्रेडिट पक्ष में लिखा जाता है। (इस राशि को सीधे पूंजीगत निधि में क्रेडिट किया जाता है।)

3. अचल परिसंपत्तियां तथा मूल्यह्रास

क. अचल परिसंपत्तियों का विवरण अधिग्रहण की कीमत में से मूल्यह्रास को घटाकर दिया जाता है। राष्ट्रीय बाल भवन को उपहार के तौर पर प्राप्त अचल परिसंपत्तियों को संस्थान की परिसंपत्तियों के साथ ही मिला कर लिखा गया है। उपहार के रूप में प्राप्त पुस्तकों का लेखा उनकी विक्रय कीमत के आधार पर किया जाता है।

ख. अप्रचलित/सेवा के अयोग्य परिसंपत्तियों, यदि कोई हो, तो उनकी बिक्री से प्राप्त आय को 'विविध प्राप्तियां' शीर्ष के अंतर्गत दिखाया जाता है।

4. मूल्यह्रास

4.1 इस वर्ष के दौरान मूल्यह्रास मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से जारी लेखों के मानकीकरण हेतु निश्चित किये गये नये फार्मेट में दी गई निर्धारित दरों पर सीधी रेखा पद्धति के आधार पर प्रभारित किया गया है। इससे पहले अचल परिसंपत्तियों पर कोई मूल्यह्रास नहीं लगाया जाता था।

4.2 वर्ष के दौरान अचल परिसंपत्तियों में परिवर्धन की स्थिति में मूल्यह्रास पूरे वर्ष के लिए लगाया जाता है तथा अचल परिसंपत्तियों से राशि घटाने के मामले में कोई मूल्यह्रास नहीं लगाया जाता।

5. विशिष्ट व्यय/अदायगी

क. मुद्रण एवं लेखन सामग्री

मुद्रण तथा लेखन सामग्री पर खर्च की गई राशि को प्रोदभूत होने पर व्यय के रूप में लिखा जाता है। अंतिम स्टॉक के लेखों में इसके लिए कोई समायोजन नहीं किया जाता क्योंकि इसकी लागत निश्चित नहीं है।

ख. टेलीफोन जमा राशि

टेलीफोन तथा अनुषंगी सुविधाओं के लिए जमा को स्थापना/इनके लगने के वर्ष के दौरान बट्टे खाते डाल दिया गया है और निवल मूल्य के लिए प्रभारों/व्यय की गणना की गई है।

6. सभी जमा/निवेश पर ब्याज का लेखा भी प्रोदभवन आधार पर किया जाता है।

7. कर्मचारियों का वेतन/हितलाभ

क. राष्ट्रीय बाल भवन के सभी कर्मचारियों पर कुल मिलाकर केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी सेवा नियम लागू होते हैं।

ख. सेवानिवृत्ति हित लाभों का लेखाकरण मानक संख्या 15 के अनुसार अनुमोदित मूल्यांकक द्वारा बीमांकक मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है।

ग. राष्ट्रीय बाल भवन अपने कर्मचारियों के लिए अलग से भविष्यनिधि खाता अनुरक्षित रखता है।

तैयार किया गया	जांच किया गया	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

लेखा नोट्स

1. संसद द्वारा अनुमोदित बजट के आधार पर सरकार की ओर से प्राप्त अनुदान राष्ट्रीय बाल भवन की प्राप्तियों का प्रमुख स्रोत है। प्राप्त अनुदान (पूंजीगत प्रकृति के व्ययों के समायोजन के पश्चात) का लेखा आय तथा व्यय खाते में किया जाता है, यद्यपि राष्ट्रीय बाल भवन की वास्तविक आय इन प्रतिबंधों के चलते शून्य है कि सरकार के आदेश के बिना अनुदानों का अप्रयुक्त शेष एक वित्त वर्ष से अगले वित्त वर्ष में अंतरित नहीं किया जा सकता है। इस प्रकार राष्ट्रीय बाल भवन की कोई टैक्स देयता नहीं बनती।

2. स्थापना पर व्यय, मुद्रण तथा लेखन सामग्री पर व्यय आदि का लेखा लेखाकरण नीति के अनुसार किया गया है।

3. अनुसूची 8 (ऋण, अग्रिम एवं जमा) में 341.58 लाख रूपये की राशि को राज्यों की सहायता राशि के रूप में दिखाया गया है जोकि 31 मार्च 2017 तक बकाया थी क्योंकि राज्य बाल भवनों से उपयोग प्रमाण-पत्र प्राप्त नहीं हुए थे।

4. 1.60 लाख रूपये का अग्रिम भुगतान डी.टी.सी. को किया गया है (पिछले वर्ष 40.80 लाख) तथा 31 मार्च 2016 तक अनुसूची-8 (ऋण, अग्रिम एवं जमा) के अनुसार सी.पी.डब्ल्यू.डी. को 378.00 लाख रूपये का भुगतान किया गया है (पिछले वर्ष 208.90 लाख)।

5. विभिन्न बैंको की मियादी जमा रसीदों पर 3,76,931/- की स्त्रोत पर आयकर कटौती की गई है और बहियों में इसकी गणना की गई है। इसकी वापसी के दावे के लिए आयकर विवरणी दाखिल की जानी चाहिए।

6. वर्तमान वर्ष के दौरान गत अवधि की आय (योजनेतर) के 2,05,006/- रूपये एवं गत अवधि व्यय के 39,53,875/- (योजनागत) बुक किया गया है।

7. पिछले वर्षो में विशेष परियोजना हेतु एम.एस.जे.ई. के लिए 40,95,756/- रूपये की राशि (31 मार्च 2016 तक ब्याज सहित) प्राप्त हुई थी जो 31 मार्च 2016 तक अप्रयुक्त बकाया थी।

8. वित्त वर्ष 2015-16 के दौरान 87,56,000/- रूपये की राशि मानव संसाधान विकास मंत्रालय द्वारा एस.सी. एस.पी. योजना हेतु सहायता अनुदान तथा 53,50,000/- रूपये की राशि एस.टी.एस.पी. योजना के लिए सहायता अनुदान के रूप में संवितरित की उसका पूर्ण उपयोग किया गया।

9. प्रदत्त और वसूली योग्य दर्शाए गए अग्रिमों को संबंधित पक्ष/ विभाग से अन्तिम बिल की प्राप्ति/ रसीद मिलने पर अन्तिम शीर्ष में समायोजित कर दिया गया है।

10. राष्ट्रीय बाल भवन के प्रबंधन के विचार में, वर्तमान परिसंपत्तियों पर ऋण तथा अग्रिमों का मूल्य सामान्यत: वसूली पर होगा, यह कम से कम तुलन-पत्र में दर्शायी गयी राशि के बराबर होगा। सभी देयताओं (जिनकी जानकारी है) के लिए उपबंध कर दिया गया है।

11. इस संस्थान की आय आयकर अधिनियम की धारा 10 (23 सी) के अंतर्गत आयकर से छूट प्राप्त है। इसीलिए इन लेखों में कर के लिए कोई उपबंध नहीं किया गया है।

12. जहां कहीं आवश्यकता अनुभव हुई, पिछले वर्ष के आंकड़ों का पुनः समूहन किया गया है।

13. अंतिम लेखों में आंकड़ों को नजदीकी रूपये तक परिवर्तित कर दिया गया है।

तैयार किया गया	जांच किया गया	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

भाग ग

लेखा रिपोर्ट
2016-17

राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN

सत्यमेव जयते

कार्यालय महानिदेशक लेखा परीक्षा (केन्द्रीय व्यय)
Office of the Director General of Audit, (Central Expenditure)
इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली–110 002
Indraprastha Estate, New Delhi -110 002

ए.एम.जी-IV/एस.ए.आर./एन.बी.बी/9-8 /2017-18/ दिनाँक: 21.08.17

सेवा में,

सचिव, भारत सरकार,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
विद्यालयी शिक्षा एवं साक्षरता विभाग
शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001

विषय : वर्ष 2016-17 के लिए राष्ट्रीय बाल भवन, नई दिल्ली के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

महोदया/महोदय

मैं, राष्ट्रीय बाल भवन, नई दिल्ली के वर्ष 2016-17 के प्रमाणित वार्षिक लेखे की प्रति उसके प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित संसद के पटल पर रखने के लिए संलग्न करती हूँ।

संसद को प्रस्तुत कर दस्तावेज की दो प्रतियाँ उस तिथि को दर्शाते हुए, जब वे संसद को प्रस्तुत किये गए थे, इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाए।

कृपया यह सुनिश्चित किया जाये कि पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन को संसद के दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत करने से पहले वार्षिक लेखाओं को शासी निकाय (Governing Body) द्वारा अनुमोदित अवश्य करा लिया जाये तथा यह भी सुनिश्चित करें कि 2016-17 के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र को संसद के पटल पर रखने से पहले सभी पूर्व वर्षों के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र संसद के पटल पर प्रस्तुत किये जा चुके हों।

लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद एवं इसे जारी करने से सम्बन्धित सभी कार्यों को आपके निकाय द्वारा किया जाना ही अपेक्षित है। पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद जारी करते समय निम्नलिखित अस्वीकरण (disclaimer) अंकित करें।

"प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।"

भवदीया,

संलग्नक:यथोपरी

हस्ता/-

उप-निदेशक (ए.एम.जी-IV)

Ph. : 91-1123454100
Fax : 91-1123702271

DGACR, Bluilding, I.P. Estate, New Delhi - 110002
E-mail : dgace@cag.gov.in

ए.एम.जी-IV/एस.ए.आर./एन.बी.बी/9-8 /2017-18/ 843 दिनाँक: 21.08.17

21 AUG 2017

प्रति, प्रमाणित वार्षिक लेखे कि प्रति, उसके लेखापरीक्षा प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित निदेशक, राष्ट्रीय बाल भवन, कोटला रोड, नई दिल्ली 110002 को आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित की जाती है| वार्षिक लेखाओं की हिंदी प्रति की 1 प्रति आवश्यक कार्यवाही हेतु इस कार्यालय को भेजी जाए।

संसद को प्रस्तुत कर दस्तावेज की दो प्रतियाँ उस तिथि को दर्शाते हुए, जब ये संसद को प्रस्तुत किये गए थे, इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाए।

संलग्नक:यथोपरी

उप-निदेशक (ए.एम.जी-IV)

ए.एम.जी-IV/एस.ए.आर./एन.बी.बी/9-8 /2017-18/ दिनाँक: 21.08.17

प्रति, प्रमाणित वार्षिक लेखे कि प्रति, उसके लेखापरीक्षा प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित प्रधान निदेशक (रिपोर्ट –ए.बी.), भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का कार्यालय, 9, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली-110124 को अग्रेषित की जाती है

यह महानिदेशक लेखापरीक्षा, केंद्रीय व्यय के अनुमोदन से जारी किया जा रहा है।

संलग्नक:यथोपरी

हस्ता/-

उप-निदेशक (ए.एम.जी-IV)

राष्ट्रीय बाल भवन के 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लेखों की भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्ट

हमने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्त्तव्य एवं सेवा शर्त्ते) अधिनियम, 1971 की धारा 20(1) के अन्तर्गत राष्ट्रीय बाल भवन (एनबीबी) की 31 मार्च 2017 की स्थितिनुसार इसकी आय, व्यय खातों/प्राप्तियाँ एवं भुगतान की संलग्न तुलन पत्र की लेखा परीक्षा की है। लेखा परीक्षा 2017-18 तक की अवधि के लिए प्रस्तुत है। ये वित्तीय विवरणियाँ राष्ट्रीय बाल भवन के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारा दायित्व हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणियों पर राय व्यक्त करना है।

2. यह पृथक लेखा परीक्षा सर्वोत्तम लेखांकन प्रणालियों के अनुपालन, लेखांकन मानदण्डों तथा प्रकटीकरण मानदण्डों के अनुरूप वर्गीकरण के सम्बंध में लेखांकन व्यवहार्यता आदि पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणीयाँ अन्तर्विष्ट है। विधि, नियम एवं विनियम (प्रापराईटी एवं नियमितता) के अनुपालन एवं दक्षता-सह-कार्यनिष्पाय के सम्बंध में वित्तीय लेन-देनों पर लेखा परीक्षा टिप्पणियों, यदि कोई हों, को निरीक्षण रिपोर्ट/सीएजी की लेखा परीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से पृथक से संसूचित किया गया है।

3. हमने अपनी लेखा परीक्षा को भारत में सामान्यत: स्वीकार्य लेखांकन मानदण्डों के अनुरूप संचालित किया है। इन मानकों में यह अपेक्षित है कि हम इस अतिज्ञान कि का वित्तीय विवरणियाँ सारवान दुष्कथन से मुक्त है, इस आशय का उचित आश्वासन हासिल करने के लिए हम अंकेक्षक की आयोजना और इस निष्पादन करते है। किसी भी लेखा परीक्षा में राशियों का अनुसमर्थन करने वाले साक्ष्यों एवं वित्तीय विवरणियों के तथ्यों का परिक्षण आधार पर पड़ताल करना शामिल है। लेखा परीक्षा में लेखांकन के सिद्धान्तों के साथ-साथ प्रबन्धन द्वारा किया गया पर्याप्त मूल्यांकन और वित्तीय विवरणियों की सम्यक प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल रहता है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा में हमारी राय के लिए पर्याप्त आधार विद्यमान रहता है।

4. हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर, हम यह रिपोर्ट देते है कि :-

(i) हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण हासिल कर लिए, किंतु रिपोर्ट में उल्लिखित बातों को छोड़कर जो कि हमारी लेखा परीक्षा के प्रयोगनार्थ आवश्यक थे और हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार है।

(ii) इस रिपोर्ट में उल्लिखित तुलन पत्र, आय एवं व्यय खाते/प्राप्तियाँ और भुगतान खाता भारत सरकार, मानव संसाधन विकास विभाग मंत्रालय द्वारा निर्धारित फार्मेट में तैयार किए गए है।

(iii) हमारी राय में, रिपोर्ट में यथाउल्लिखित संदर्भो को छोड़कर, राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा समुचित लेखा बहियां व अन्य संगत रिकार्डो का रख-रखाव किया गया है, जहाँ तक ऐसी बहियों के हमारे परीक्षण से ज्ञात हुआ है।

(iv) हम यह भी रिपोर्ट करते है कि :-

क. तुलन पत्र

क.1 देयतायें

क.1.1 वर्तमान देयतायें एवं प्रावधान (अनुसूची 3) - रू 68.17 करोड

(i) अनुदान और सब्सिडी की अनुसूची 10 में पिछले वर्ष की अप्रयुक्त 96.30 लाख रू के संप्रयुक्त शेष (योजनागत 96.24 लाख रू तथा गैर योजनागत 0.06 लाख रू) व अन्य प्राप्तियां रू 47.64 लाख (योजनागत 37.03 लाख रू तथा गैर योजनागत रू 10.59 लाख) को शामिल नहीं किया गया है। कुल व्यय 1468.62 लाख रू (योजनागत 463.66 लाख रू तथा गैर योजनागत रू 1004.96 लाख) दर्शाया गया है। तथापि, लेखा परीक्षा को दी गई जानकारी के अनुसार 1582.07 लाख रू (योजनागत 566.46 लाख रू तथा गैर योजनागत 1015.61 लाख वास्तविक व्यय दर्शाया गया है) इसके फलस्वरूप वर्तमान देयतायें के व्यय को अप्रयुक्त अनुदान को 30.50 लाख रू अधिक बताया गया है।

राष्ट्रीय बाल भवन

(ii) उपरोक्त को 6.41 लाख रू राशि के देय खर्च के लिए देयताओं में शामिल नही किया गया है जिसके फलस्वरूप चालू देयताओं और प्रावधान में अल्प राशि तथा पूंजीगत राशि 6.41 लाख रू अधिक दर्शायी गई है।

क.2 परिसम्पत्तियाँ

क.2.1 स्थायी परिसम्पत्तियाँ (अनुसूची 4) – 5.54 करोड रू

(i) भूमि और भवन को तुलन पत्र/अनुसूची में दो पृथक खाता शीर्षो के रूप में दर्शाया जाना चाहिए। यह विसंगति 2012–13 से इंगित की जाती रही है, किंतु इसमें कोई सुधार नही किया गया है। इसके फलस्वरूप 2014–15 से भूमि पर गलत ह्रास प्रभावित किया जा रहा है और इसके चलते स्थायी परिसम्पत्ति व पूंजीगत निधि खाते की संगणना नही की जा सकी है।

परिसम्पत्ति रजिस्टर में प्रत्येक भूमि के क्षेत्रफल के साथ–साथ फ्री होल्ड/लीज के रूप में इसे विनिर्दिष्ट किया जाना चाहिए।

(ii) उपरोक्त अनुसूची में 2013–14 में 12.07 लाख रू राशि की खरीदी गई स्थायी परिसम्पत्तियों को शामिल नही किया गया, जिसके चलते स्थायी परिसम्पत्तियों और पूंजीगत निधि में इस राशि की परिसम्पत्ति कम दर्शायी गई है। यह विसंगति 2013–14 से इंगित की जाती रही है, किंतु इसमें कोई सुधार नही किया गया है।

क.2.2 चालू परिसम्पत्तियां (अनुसूची 7) – 1.84 करोड रू

उपरोक्त को डाक व्यय एवं टिकटों के प्रयोजनार्थ 14608 रू के अप्रयुक्त नकदी शेष को शामिल नही किया गया है, जिससे चलते चालू परिसम्पत्तियों में अल्प जानकारी तथा व्यय शीर्ष में इस राशि का अतिरिक्त खर्च दर्शाया गया है।

ख. सामान्य भविष्य निधि खाते

वित्त मंत्रालय की अधिसूचना सं. एफ सं. 11/4/2013–पी आर दिनांक 02.03.2015 के अन्तर्गत यर्थानिर्धारित पद्धति के अनुसार जीपीएफ का निवेश नही किया गया है।

ग. आन्तरिक रसीद खाता

(i) केनरा बैंक के बचत खाता सं. 0158101118475 में पूंजीगत निधि (162 .75 लाख रू), चालू देयताओं (0.54 लाख रू, स्थायी परिसम्पत्तियां रू 12.72 लाख तथा चालू परिसम्पत्तियां रू 150.55 लाख रू व 143.33 लाख रू सहित राशि को राष्ट्रीय बाल भवन के मुख्य खाते से बाहर रखा गया है)। इसे आन्तरिक सृजित निधियों के खाते के रूप में पृथक से दर्शाया जाना चाहिए था।

आन्तरिक सृजित निधियों के खाते राष्ट्रीय बाल भवन के खातों का ही अभिन्न अंग है और एनबीबी की वित्तीय स्थिति की सम्पूर्ण, सत्य और सुस्पष्ट तस्वीर पेश करने के दृष्टिगत पूर्ण संगठन का एक समेकित खाता तैयार किया जाना चाहिए।

(ii) आन्तरिक रूप से सृजित निधि में से 31.3.2017 की स्थितिनुसार सृजित खरीदी गई स्थायी परिसम्पत्तियों का इति शेष 12.71 लाख रू दर्शाया गया है। लेखा परीक्षा स्थायी परिसम्पत्तियों की स्थिति के बारे में राय कायम कर पाने में असमर्थ है क्योंकि आन्तरिक सृजित निधियों से सृजित कोई रख–रखाव नही किया जा रहा है।

(iii) 30.04.2017 के लिए छात्रावास और एनटीआरसी हाल की बुकिंग के लिए 28.03.2017 को प्राप्त 2.40 लाख रू की राशि को चालू देयताओं में शामिल नही किया गया है, जिसके चलते चालू परिसम्पत्तियों में अल्प अंकन और पूंजीगत निधि में 2.40 लाख रू का अधिक अंकन हो गया है।

घ. सामान्य

(i) राज्य बाल भवन/बाल केन्द्रों को 31.03.2017 की स्थितिनुसार अग्रिम स्वरूप 341.58 लाख रू की राशि बकाया थी जो राज्य बाल भवनों/बाल केन्द्रों से राशि इस्तेमाल किए जाने के प्रमाण–पत्र प्राप्त न होने के कारण है। लेखों को अन्तिम रूप देने से पहले यह प्रमाण पत्र तत्काल हासिल किया जाना चाहिए ताकि वर्ष के लिए इस खर्चे

को वर्ष के व्यय शीर्ष में लिया जा सके और खातों में इस अग्रिम के रूप में न दर्शाया जा सके। यह अनियमितता 2013-14 से इंगित की जा रही है यू.सी. के कारण अभी भी भारी राशि लम्बित है।

(ii) वर्ष 1980-83 की अवधि से सम्बंधित जीपीएफ में से 2,13,030 लाख रू का निवेश सरकारी प्रतिभूतियों में दर्शाया गया है। इससे संबंधित रिकार्ड लेखा परीक्षा को उपलब्ध नही कराये गए है। इसी भांति 16759/- रू की राशि जीपीओ नई दिल्ली में पडी है, इसे भी लेखा परीक्षा को प्रस्तुत नही किया गया है। एनबीबी ने बताया है कि निवेश को बैंक की सुरक्षित अभिरक्षा में रखा गया है। इस मामले को बैंक के साथ उठाया गया और बैंक ने सूचित किया है कि इस निवेश के रिकार्ड नही मिल रहे है और भा.रि.बैं के निर्देशो के अनुसार बैंक अपनी शाखा में रिकार्ड को 10 वर्ष से ज्यादा नही रख सके। इस मामले में निर्णय लिए जाने की आवश्यकता है।

ड. अनुदान

राष्ट्रीय बाल भवन को 2016-17 के दौरान मानव संसाधन विकास मंत्रालय से 1575.54 लाख रू (योजनागत 663. 98 लाख रू और गैर योजनागत 1111.56 लाख रू) का अनुदान प्राप्त हुआ। इसके पास 96.30 लाख रू की गत वर्ष की अप्रयुक्त राशि (योजनागत 96.24 लाख रू और गैर योजनागत 10.59 लाख रू) व 47.64 लाख रू की अन्य प्राप्तियां (योजनागत 37.05 लाख से और गैर योजनागत 10.59 लाख रू भी पडी हुई है)। 1719.48 लाख रू की कुल निधियों में से राष्ट्रीय बाल भवन ने 1582.07 लाख रू (योजनागत 566.46 लाख रू और गैर योजनागत 1015. 61 लाख रू) इस्तेमाल किए है और 137.41 लाख रू (योजनागत 30.81 लाख रू और गैर योजनागत 106.60 लाख रू शेष राशि बची है)।

च. प्रबन्धन पत्र

लेखा परीक्षा में शामिल की गई कमियों की जानकारी उपचारात्मक/सुधारात्मक कार्यवाही के लिए पृथक से जारी प्रबन्धन पत्र के माध्यम से प्रबंध-तंत्र के संज्ञान में लाई गई है।

(v) विगत पैराग्राफों में हमारी टिप्पणियों के अध्याधीन हम यह रिपोर्ट करते है कि इस रिपोर्ट में उल्लिखित तुलन पत्र, आय और व्यय खाता तथा प्राप्तियां व भुगतान लेखा बहियों के अनुसार है।

(vi) हमारी राय तथा हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार लेखा नीतियों तथा लेखा सम्बंधी नोट और टिप्पणी सं. ग(i) और ग(ii) व अन्य उल्लेखनीय मामलों, व इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुबंध में उल्लिखित अन्य मामलों के अध्याधीन उपरोक्त वित्तीय विवरणियां सत्य एवं स्पष्ट तस्वीर प्रस्तुत करती है और भारत में सामान्यतः स्वीकार्य लेखा नीतियों के अनुरूप है।

क. जहाँ तक 31 मार्च 2017 की स्थितिनुसार राष्ट्रीय बाल भवन की स्थिति पर तुलन पत्र का सम्बंध है; और

ख. जहाँ तक उक्त तिथि को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाते में कमी का सम्बंध है।

कृते और भारत के नियंत्रक एवं महालेखाकार की ओर से

महानिदेशक लेखा
केन्द्रीय व्यय

स्थान : नई दिल्ली
दिनाँक : 21.08.2017

लेखा परीक्षा रिपोर्ट का अनुलग्नक

1. आन्तरिक लेखा परीक्षा

- राष्ट्रीय बाल भवन में अपना कोई आन्तरिक लेखा परीक्षा अनुभाग/विभाग नही है। इनका कोई लेखा परीक्षा मैनुयल भी नही है।

2. आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

राष्ट्रीय बाल भवन का आन्तरिक नियंत्रण निम्नलिखित कारणवश अपर्याप्त है :-

- राज्य बाल भवनों/बाल केन्द्रों को राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा दिए गए अग्रिमों के उपयोग किए जाने का प्रमाण पत्र न किया जाना।
- 2007-08 से केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को दिए गए अग्रिमों का समायोजन न करना।

3. स्थायी परिसम्पत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

- रा.बा.भ. प्रबन्धन द्वारा बताया गया है कि स्थायी परिसम्पत्तियों जैसे फर्नीचर और फिक्चर, वाहन, संयंत्र और मशीनरी, कम्प्यूटर और उपस्करों का मार्च 2017 तक भौतिक सत्यापन किया गया है। तथापि, आन्तरिक तौर पर सृजित निधियों से सृजित/खरीदी गई परिसम्पत्तियों के सम्बंध में स्थायी परिसम्पत्ति रजिस्टर का रख-रखाव नही किया गया है।

4. माल सूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

- स्टेशनरी और अन्य उपभोज्य मदों जैसी वस्तुओं का भौतिक सत्यापन मार्च 2017 तक किया गया है।
- पुस्तकों और प्रकाशन का भौतिक सत्यापन मार्च 2017 तक किया गया है।

5. देयताओं के भुगतान में नियमितता

- लेखों के अनुसार, 30.03.2017 की स्थितिनुसार सांविधिक देयताओं के सम्बंध में कोई भी भुगतान छः माह से ऊपर लम्बित नही था।

Disclaimer

''प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।'